2 **फरीदाबाद**
पुल्लेला गोपीचंद ने एक्सरसाइज एंड स्पोर्ट्स एकेडमी का किया शुभारंभ

6 **अभिमत**
अर्थव्यवस्था बढ़ रही लेकिन नयी नौकरियां नहीं

9 **देश-विदेश**
जानलेवा कालाजार बीमारी का कब खात्मा करेगा भारत

11 **फीचर**
गोल्डन एज में ओल्ड बनाए डिप्रेशन

RNI NO. HARHIN/2018/75109
वर्ष 6 अंक 296
फरीदाबाद, बुधवार, 06 दिसंबर, 2023
पृष्ठ 12, मूल्य 3 रुपये
नगर संस्करण

फरीदाबाद, नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

ई-पेपर www.pioneerhindi.com पर पढ़िए YouTube सब्सक्राइब करें Pioneer Haryana

बुमराह को अपना रन अप लंबा करना चाहिए
पेज - 12

बाजार

सेंसेक्स	69296	▲	431.02	
निफ्टी	20855	▲	168.50	
सोना	62650	▲	281	/10 gm
चांदी	76143	▼	25	/kg

मौसम फरीदाबाद

अधिकतम 25.00°C
न्यूनतम 12.00°C

क्विक न्यूज

रेवंत रेड्डी होंगे तेलंगाना के अगले मुख्यमंत्री

हैदराबाद। कांग्रेस नेता रेवंत रेड्डी तेलंगाना के मुख्यमंत्री होंगे। राहुल गांधी ने उनके नाम पर मुहर लगा दी है। राहुल ने कहा कि रेवंत रेड्डी को तेलंगाना में सीएम पद के लिए चुना गया है। मंगलवार को दिल्ली में हुई पार्टी की बैठक में यह फैसला लिया गया, जिसमें राहुल गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल सहित कई सीनियर नेता मौजूद थे। बैठक के बाद केसी वेणुगोपाल ने कहा-रेवंत रेड्डी को तेलंगाना का सीएम बनाने का फैसला लिया गया है। वे सात दिसंबर को सुबह 11 बजे सीएम पद की शपथ लेंगे। उधर, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एन उत्तम कुमार रेड्डी ने मंगलवार को कहा कि वह भी मुख्यमंत्री पद की रेस में थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, तेलंगाना में पार्टी की जीते के बाद से सीएम पद के लिए रेवंत रेड्डी का नाम लगभग तय था। छह दिसंबर की शाम उनका शपथ ग्रहण समारोह भी होना था, लेकिन पार्टी में विरोध के चलते इसे रद्द करना पड़ा।

प्रदेश में 18 दिन चलेगा इंटरनेशनल गीता महोत्सव

चंडीगढ़। हरियाणा का इंटरनेशनल गीता महोत्सव 18 दिवसीय होगा। सात दिसंबर से मेले की शुरुआत होगी और 24 दिसंबर को इसका समापन किया जाएगा। सीएम मनोहर लाल ने बताया कि इस बार मेले को यादगार बनाने के लिए कुंभ की तर्ज पर मेला अथॉरिटी का गठन किया जाएगा। राज्य स्तर के साथ ही जिला स्तर पर भी इनका गठन होगा। इसके जरिए सरकारी विभागों के साथ समन्वय स्थापित किया जाएगा। देश के साथ ही विदेशों में भी गीता महोत्सव जैसे आयोजन बढ़ें, इसके लिए कार्य योजना बनाई जाएगी। पहले की तरह इस बार भी मेले में जाने वाली रोडवेज की बसों में किराया 50 प्रतिशत ही रहेगा। सीएम ने लोगों से अपील की कि गीता जयंती के दिन 11 बजे एक मिनट गीता पाठ अवश्य करें।

बच्चे की हत्या के जुर्म में तीन रिश्तेदारों को आजीवन कारावास

कौशांबी। कौशांबी की एक अदालत ने दो वर्षीय बच्चे की हत्या के जुर्म में मंगलवार को उसके ताऊ, ताई और उनकी बेटी को मंगलवार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी सोमेश्वर तिवारी ने बताया कि 12 फरवरी 2021 को कोखराज थाना क्षेत्र के हसनपुर गांव की रूमा देवी ने पुलिस में शिकायत की थी कि उसके जेठ रामसूरत, जेठानी रामरति और भतीजी निर्मला ने पारिवारिक क्लेश के कारण उसके दो वर्षीय बेटे शिवा की हत्या कर दी। देर शाम तक जब शिवा घर वापस नहीं लौटा तो खोजबीन में उक्त आरोपियों के घर में स्टील की टंकी में बच्चे का शव मिला था।

हिंदी पट्टी के राज्यों को गोमूत्र राज्य कहकर द्रमुक सांसद ने खड़ा किया विवाद

एजेंसी। नई दिल्ली

लोकसभा में द्रविड मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के एक सदस्य ने मंगलवार को हिंदी पट्टी के राज्यों को गोमूत्र राज्य की संज्ञा देते हुए विवाद खड़ा कर दिया और कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) केवल इन्हीं राज्यों में चुनाव जीत सकती है, दक्षिण भारत में नहीं।

भाजपा के नेताओं ने द्रमुक पर पलटवार करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी से पूछा कि क्या वह उत्तर भारतीयों के खिलाफ अपने सहयोगी दल के अपमानजनक बयानों से सहमत हैं। लोकसभा में जम्मू कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक और जम्मू कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक पर चर्चा में भाग लेते हुए द्रमुक के डीएनवी सेंथिल कुमार ने कहा, इस देश की जनता को सोचना चाहिए कि भाजपा की चुनाव जीतने की शक्ति केवल हिंदी पट्टी के राज्यों में है, जिन्हें हम आमतौर पर गोमूत्र राज्य कहते हैं।

हाल में हुए राज्य विधानसभा चुनावों में राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में जहां भाजपा को जीत मिली है, वहीं तेलंगाना में कांग्रेस सरकार बनाने जा रही है। इन विधानसभा चुनाव परिणामों को कुछ वर्ग द्वारा उत्तर-दक्षिण के विभाजन के रूप में देखे जाने की पृष्ठभूमि में द्रमुक सांसद की टिप्पणी आई हैं। विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा ने कांग्रेस पर निशाना साधने के लिए द्रमुक नेताओं के सनातन धर्म के खिलाफ दिए गए बयानों का इस्तेमाल किया था।

उन्होंने कहा, हमें हैरानी नहीं होगी यदि आप इन सारे राज्यों को केंद्रशासित प्रदेशों में बदलने के विकल्प पर विचार करने लगें ताकि आप परोक्ष रूप से यहां सत्ता में आ सकें। आप वहां पैर जमाने का सपना कभी पूरा नहीं कर सकते। तमिलनाडु में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने सेंथिल कुमार के बयान की निंदा करते हुए इसे असंवेदनशील करार दिया। उन्होंने कहा कि द्रमुक की सोच चेन्नई की तरह डूब रही है और द्रमुक का अहंकार इसका प्रमुख कारण होगा।

चेन्नई में इस समय चक्रवाती तूफान मिगजॉम की वजह से जगह-जगह जलभराव हो रहा है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, हमारे उत्तर भारतीय मित्रों को पानी-पूरी बेचने वाला, शौचालय बनाने वाला कहकर इंडिया गठबंधन के सांसद अब गोमूत्र शब्द का इस्तेमाल कर रहे हैं।

आप (भाजपा) दक्षिण भारत में नहीं आ सकते

कांग्रेस ने इस साल की शुरुआत में कर्नाटक में भाजपा से सत्ता छीन ली थी, वहीं तमिलनाडु समेत अन्य दक्षिण भारतीय राज्यों में गैर-भाजपायी दल सरकार चला रहे हैं। सेंथिल कुमार ने लोकसभा में कहा, आप (भाजपा) दक्षिण भारत में नहीं आ सकते। आप देख लीजिए कि केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में चुनाव परिणाम क्या आया। हम वहां बहुत मजबूत हैं।

रेलवे कर्मचारी अब मोबाइल एप से छुट्टी के लिए कर सकेंगे आवेदन

नई दिल्ली। रेलवे बोर्ड ने अपने मोबाइल ऐप एचआरएमएस (मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली) के अवकाश मॉड्यूल में बदलाव कर कर्मचारियों के लिए आवेदन करने की प्रक्रिया को सरल कर दिया है। इस मॉड्यूल की शुरुआत अवकाश की प्रक्रिया को डिजिटल बनाने के लिए एक अगस्त, 2023 को की गई थी। एप के माध्यम से कर्मचारियों को छुट्टी के लिए आवेदन करने की सुविधा दी गई है। रेलवे बोर्ड द्वारा कर्मचारियों के लिए कुछ खास तरह की छुट्टियों के लिए आवेदन करने की सुविधा प्रदान की गई है।

घर में घुसकर करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोगामेड़ी को गोलियों से भूना

हत्यारों को सुखदेव के घर लेकर आया युवक भी मारा गया

राजस्थान चुनाव के तुरंत बाद हुई वारदात से लोग स्तब्ध

पायनियर समाचार सेवा। जयपुर

श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की जयपुर में उनके घर में घुसकर गोली मारकर हत्या कर दी गई। मंगलवार दिनदहाड़े तीन बदमाशों ने गोगामेड़ी पर गोलियां चलाईं, फिर भाग निकले। गोगामेड़ी को मेट्रो मास हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। गोगामेड़ी के साथ घटना के दौरान मौजूद गार्ड अजीत सिंह गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। बदमाशों की ओर से की गई फायरिंग में उनको गोगामेड़ी के घर ले जाने वाले युवक की भी मौत हो गई।

सुखदेव सिंह गोगामेड़ी फिल्म पद्मावत और गैंगस्टर आनंदपाल एनकाउंटर केस के बाद राजस्थान में हुए प्रदर्शन से चर्चा में आए थे। चुनाव में उलटफेर होने के बाद इस बड़ी वारदात से सभी लोग स्तब्ध है। पुलिस के अनुसार, श्याम नगर जनपथ पर सुखदेव सिंह गोगामेड़ी का घर है। मंगलवार दोपहर करीब 1.03 बजे उनके घर तीन बदमाश पहुंचे। पहले तो वे सोफा पर बैठकर गोगामेड़ी से बात करने लगे। करीब 10 मिनट बाद ही दो बदमाश उठे और फायरिंग कर दी। फायरिंग के दौरान गोगामेड़ी के गार्ड ने बचाने की कोशिश की। बदमाशों ने उस पर भी फायरिंग की। जाते-जाते एक बदमाश ने गोगामेड़ी के सिर में भी गोली मारी। बदमाशों की ओर से की गई फायरिंग में नवीन को गोली लग गई और उसकी भी मौत हो गई। इस मामले को अभी राजनीतिक रंग देने की कोशिश भी की जाएगी।

गैंगस्टर रोहित गोदारा ने ली हत्या की जिम्मेदारी

फायरिंग के बाद दो बदमाश भागते हुए एक गली से निकले और एक कार को रोककर लूटने का प्रयास किया। उसने ड्राइवर को पिस्तौल दिखाई तो ड्राइवर कार को भगा ले गया। इस दौरान पीछे से आ रहे स्कूटी सवार को बदमाशों ने निशाना बनाया। स्कूटी सवार को गोली मारकर घायल कर दिया और स्कूटी लेकर फरार हो गया। जिस नवीन की बदमाशों की गोली लगने से मौत हुई है, वह ही बदमाशों को गोगामेड़ी के घर लेकर पहुंचा था। जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जार्ज जोसेफ के अनुसार मरने वाला नवीन सिंह शेखावत मुलताई शाहपुरा का रहने वाला था। नवीन जयपुर में कपड़े का व्यापार करता था। पुलिस के पास सभी आरोपियों और घटना को लेकर सीसीटीवी फुटेज है। मौके से भागने वाले दोनों आरोपियों की तलाश की जा रही है। जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। गैंगस्टर रोहित गोदारा ने हत्या की जिम्मेदारी लेते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर की।

एफएसएल टीम की मदद से फायरिंग वाली जगह से सबूत जुटाए गए

बदमाश स्कॉर्पियो (आरजे-14 टीई-7037) से पहुंचे थे। गोगामेड़ी के घर के बाहर खड़ी बदमाशों की स्कॉर्पियो में पुलिस को एक बैग, शराब की बोतल और खाली ग्लास मिले हैं। एफएसएल टीम की मदद से फायरिंग वाली जगह से सबूत जुटाए गए हैं। पुलिस ने सबूत जुटाने के लिए स्कॉर्पियो को लॉक कर खड़ा कर दिया है। स्कॉर्पियो जयपुर के झालाना आरटीओ ऑफिस से रजिस्टर्ड है। गाड़ी मालिक प्रदीप बताया जा रहा है। पुलिस गाड़ी मालिक के बारे में जानकारी जुटा रही है। इधर, गोगामेड़ी की हत्या के बाद कई जिलों में प्रदर्शन शुरू हो गए। जयपुर में लोग हॉस्पिटल के बाहर धरने पर बैठ गए। चूरू के सादुलपुर में गांव चैनपुरा बड़ा में जाम लगा दिया। रोडवेज बस पर पथराव कर दिया। पथराव के बाद सवारियां बस से उतरकर भाग गई। राजसमंद के कुंभलगढ़ में बाजार बंद करा दिए।

हरियाणा सरकार का एक और नया कानून

बिल के बहाने शव देने से इनकार नहीं कर सकेंगे अब अस्पताल

सड़क पर शव रख जाम नहीं लगा सकेंगे

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

प्रदेश में अब इलाज का बिल न चुकाने पर अस्पताल शव देने से इनकार नहीं कर सकते। प्राइवेट अस्पतालों की मनमानी रोकने को सरकार नया कानून ला रही है। हरियाणा मृत शरीर सम्मान विधेयक 2003 का ड्राफ्ट तैयार कर लिया गया है। इसके अलावा शव को सड़क पर रखकर जाम लगाने वालों के खिलाफ भी इसमें कार्रवाई का प्रावधान होगा।

यही नहीं, अगर परिजन राजी नहीं होते तो पुलिस और प्रशासन मिलकर शव का अंतिम संस्कार कराएंगे ताकि सड़क पर मृत देह की बेकद्री न हो। इससे ट्रैफिक जाम होने की मुश्किल से भी लोगों को निजात मिलेगी।

हरियाणा विधानसभा के 15 दिसंबर को होने वाले शीतकालीन सत्र में कानून को पेश करने की तैयारी है। यहां से पास कर गवर्नर की मंजूरी लेने के बाद इसे लागू कर दिया जाएगा। वहीं इस विधेयक को लेकर गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने आपत्ति उठाई थी कि पहले इस कानून को जिन राज्यों ने लागू किया, वहां इसके फायदे वगैरह देख लेने चाहिए। इसके बाद ड्राफ्ट में कुछ संशोधन जरूर किए गए हैं।

गुरुग्राम बनेगी आईफोन बैटरी आठ हजार नौकरी मिलेगीं

चंडीगढ़। प्रदेश में अब एप्पल मोबाइल की बैटरी बनाई जाएगी। जापान की कंपनी गुरुग्राम के मानेसर में बड़ी फैक्ट्री लगाने जा रही है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी (आइटी) राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि एप्पल के आईफोन के लिए उपकरण बनाने वाली कंपनी टीडीके हरियाणा में इसकी लिथियम-आयन बैटरी बनाने का कारखाना लगाएगी। इसके लिए जापान की कंपनी चरणबद्ध तरीके से 6 से 7 हजार करोड़ रुपए का निवेश करेगी। इस कारखाने में लिथियम-आयन की बैटरी बनेगी। पूर्ण क्षमता से संचालित होने पर इससे करीब 8 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा।

राजस्थान सीएम के नाम पर भाजपा में गुटीय शक्ति प्रदर्शन शुरू

पायनियर समाचार सेवा। जयपुर

राजस्थान में बहुमत मिलने के बाद भारतीय जनता पार्टी में अब मुख्यमंत्री पद को लेकर अलग-अलग खेमों का शक्ति प्रदर्शन शुरू हो गया है। जयपुर में सोमवार और मंगलवार को पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे से 30 विधायकों ने मुलाकात की है। वहीं, प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी से 15 विधायक मिल चुके हैं। इसमें से छह विधायक ऐसे हैं, जो दोनों नेताओं के पास गए थे।

वसुंधरा के समर्थक कालीचरण सराफ ने दावा किया कि वसुंधरा के घर 70 विधायक गए थे। दूसरी तरफ, सीपी जोशी से मिलकर जहाजपुर विधायक गोपीचंद मीणा ने कहा

कि भाजपा ने केंद्र और सीपी जोशी के नेतृत्व में जीत हासिल की है। मीणा सोमवार को वसुंधरा के घर भी गए थे। प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह ने भी जोशी के घर जाकर मुलाकात की थी। सीएम पद को लेकर उन्होंने कहा- पार्लियामेंट्री बोर्ड जो फैसला लेगा, वो ही सभी को मान्य होगा।

जोरमथांगा ने एमएनएफ अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया

एजेंसी। आइजोल

मिजोरम के निवर्तमान मुख्यमंत्री जोरमथांगा ने विधानसभा चुनाव में मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) की हार के बाद मंगलवार को पार्टी के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया।

एमएनएफ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष तावंलुइया को भेजे गए अपने त्याग पत्र में जोरमथांगा ने कहा कि वह पार्टी के अध्यक्ष के रूप में चुनावी हार के लिए नैतिक जिम्मेदारी लेते हैं। उन्होंने पत्र में कहा, एमएनएफ राज्य विधानसभा चुनाव जीतने में विफल रही। इस संबंध में, मैं पार्टी प्रमुख के रूप में नैतिक जिम्मेदारी लेता हूं। यह मानते हुए कि एमएनएफ अध्यक्ष के रूप में यह मेरा दायित्व है, मैं अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे रहा हूं और आपसे इसे स्वीकार करने का अनुरोध है।

पांच साल इंतजार के बाद पाकिस्तानी युवती शादी करने भारत आई

45 दिनों का वीजा मिला

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

कोलकाता निवासी व्यक्ति से शादी करने के लिए एक पाकिस्तानी युवती ने मंगलवार को वाघा-अटारी अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर भारत में प्रवेश किया।

दोनों की शादी अगले साल जनवरी में होने वाली है। कराची की रहने वाली जावेरिया खानुम ने अमृतसर

जिले में अटारी से भारतीय सीमा में प्रवेश किया, जहां उनके मंगेतर समीर खान और उनके परिवार के कुछ सदस्यों ने ढोल-नगाड़ों के साथ उनका स्वागत किया। पूर्व में, खानुम की दो वीजा अर्जियां रद्द होने और कोविड महामारी के कारण शादी करीब पांच साल टलने के बाद उन्हें 45 दिनों का वीजा प्रदान किया गया है। अटारी में जोड़े ने एक संक्षिप्त बातचीत में कहा कि शादी अगले साल जनवरी में होगी। खानुम ने कहा, मुझे 45 दिनों का वीजा दिया गया है।

केंद्र के धनबल, एजेंसियों, निर्वाचन आयोग और मीडिया की जीत हुई : महबूबा मुफ्ती

एजेंसी। श्रीनगर

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी)

की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने मंगलवार को यहां कहा कि मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनाव में भाजपा की नहीं, बल्कि केंद्र सरकार के धनबल, एजेंसियों, उसके निर्वाचन आयोग और मीडिया की जीत हुई है।

उन्होंने दावा किया कि भाजपा अगर अकेले चुनाव लड़ती, तो उसे एक भी सीट पर जीत हासिल नहीं होती। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा ने पार्टी के एक कार्यक्रम से इतर पत्रकारों से कहा, यह भाजपा की नहीं, बल्कि देश की सरकार, उसकी एजेंसियों, उसके धनबल, उसके निर्वाचन आयोग और उसकी मीडिया की जीत है।

साइक्लोन मिचौंग आंध्र तट से टकराकर आगे बढ़ा, अब तक 12 की मौत

एजेंसी। चेन्नई

बंगाल की खाड़ी से दो दिसंबर को उठा साइक्लोन मिचौंग मंगलवार दोपहर आंध्र प्रदेश के तट से टकराया। मौसम विभाग (आइएमडी) के मुताबिक मंगलवार दोपहर ठीक एक बजे तूफान बापटला में नेल्लोर-मछलीपट्टनम के बीच लैंडफॉल कर गया। आइएमडी के मुताबिक, लैंडफॉल के दौरान 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं।

अभी भी तेज हवाओं के साथ बारिश हो रही है। तूफान अगले दो घंटे में कमजोर होकर आगे बढ़ जाएगा। तूफान का सबसे ज्यादा असर आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में है। दोनों राज्यों में 100 से ज्यादा ट्रेनें और 50 से ज्यादा फ्लाइट्स कैंसिल कर दी

गई हैं। आंध्र प्रदेश के कोस्टल एरिया से एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम ने नौ हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित ठिकानों पर पहुंचाया। तमिलनाडु में तूफान की वजह से रविवार से भारी बारिश हो रही है। तमिलनाडु के मुख्य सचिव ने बताया कि राज्य में दो दिनों के भीतर तीन महीने की बारिश हो गई है। चेन्नई शहर बारिश की वजह से डूब चुका है। 12 लोगों की मौत हो चुकी है।

गुर्दे के बदले नकदी घोटाले में इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल के खिलाफ जांच के आदेश

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के तहत आने वाले राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (एनओटीटीओ) ने इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल के खिलाफ गुर्दे के बदले नकदी घोटाले के आरोपों की जांच के आदेश दिए हैं। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एनओटीटीओ के निदेशक डॉ. अनिल कुमार ने दिल्ली सरकार के प्रधान सचिव (स्वास्थ्य) को पत्र लिखकर मामले की जांच कराने, मानव अंग और ऊतक प्रत्यारोपण अधिनियम (टीएचओटीए)1994 के प्रावधानों के अनुसार उचित कार्रवाई करने और एक सप्ताह के भीतर कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा है।

डॉ. कुमार ने एक समाचार संस्था की खबर का हवाला दिया है,

जिसमें दिल्ली के अपोलो अस्पताल और डॉ. संदीप गुलेरिया पर कथित रूप से गुर्दा गिरोह में शामिल होने का आरोप लगाया गया है।

आरोप है कि यह गिरोह म्यांमा के गरीब लोगों को धन के बदले में अंग बेचने का लालच देकर उन्हें फंसा रहा है। पत्र में लिखा गया, यह खबर इस बात पर प्रकाश डालती है कि ऐसी गतिविधियां गरीब वर्ग के लोगों के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकती हैं। मानव अंग और ऊतक प्रत्यारोपण अधिनियम (टीएचओटीए) 1994 अध्याय चार, धारा 13 (तीन) (चार) के अनुसार, दिल्ली सरकार के सचिव (स्वास्थ्य) मामले की पड़ताल करने और जांच करने के लिए उपयुक्त प्राधिकारी हैं। पत्र में यह भी लिखा गया है, आपसे अनुरोध किया जाता है कि इस संबंध में मामले की जांच कराएं, टीएचओटीए-1994 के प्रावधान के अनुसार उचित कार्रवाई करें और एक सप्ताह के भीतर कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करें। इंद्रप्रस्थ मेडिकल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईएमसीएल) ने सोमवार को गुर्दे के बदले नकद गिरोह में शामिल होने के आरोप का खंडन करते हुए कहा था कि वह प्रत्यारोपण के लिए सरकारी दिशानिर्देशों सहित हर कानूनी और नैतिक जरूरत का पालन करता है। उन्होंने कहा कि आईएमसीएल में सरकार द्वारा नियुक्त प्रत्यारोपण प्राधिकार समिति प्रत्येक मामले में दस्तावेजों की समीक्षा करती है और दानकर्ता तथा प्राप्तकर्ता से बातचीत करती है। प्रवक्ता के अनुसार, आईएमसीएल देश के संबंधित दूतावास से दस्तावेजों को पुन: सत्यापित करती है।

मरीजों और दानदाताओं की कई बार चिकित्सा जांच की जाती है। उन्होंने कहा, इनके साथ ही कई अन्य कदमों की किसी प्रत्यारोपण प्रक्रिया के अनुपालन के लिए आवश्यकता होती है। आईएमसीएल नैतिकता के उच्चतम मानकों और सभी के लिए सर्वोत्तम स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने के अपने मिशन को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। दिल्ली में स्थित इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स में 710 से अधिक बिस्तर उपलब्ध हैं।

आईएमसीएल प्रत्यारोपण प्रक्रियाओं के लिए हर कानूनी और नैतिक आवश्यकता का अनुपालन करती है

कंपनी के एक प्रवक्ता ने कहा, आईएमसीएल प्रत्यारोपण प्रक्रियाओं के लिए हर कानूनी और नैतिक आवश्यकता का अनुपालन करती है, जिसमें सरकार द्वारा निर्धारित सभी दिशानिर्देशों के साथ-साथ हमारी अपनी व्यापक आंतरिक प्रक्रियाएं भी शामिल हैं। प्रवक्ता ने एक अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्ट के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब दिया, जिसमें आरोप लगाया गया है कि अस्पताल गुर्दे के बदले नकद गिरोह में शामिल है और म्यांमा के गरीब लोगों को धनराशि के लिए अपने अंग बेचने का लालच दिया जा रहा है। गुर्दा प्रत्यारोपण पर अस्पताल की प्रक्रिया के बारे में प्रवक्ता ने कहा कि आईएमसीएल को प्रत्येक दानदाता से अपने देश में उचित मंत्रालय के दस्तखत वाला फॉर्म 21 उपलब्ध कराने की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा, यह फॉर्म विदेशी सरकार से एक सत्यापन होता है कि दानदाता और प्राप्तकर्ता वास्तव में संबंधित हैं।

पेड़ पर लटका मिला युवक का शव

हाथ पर ब्लेड से एमआरआर लिखा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सेक्टर-21 में मंगलवार सुबह रेलवे ट्रैक के किनारे पेड़ पर युवक का शव फांसी के फंदे पर लटका हुआ मिला। मृतक के उल्टे हाथ पर सर्जिकल ब्लेड से एमआर आर लिखा हुआ था। वहीं उसकी जेब में तीन सर्जिकल ब्लेड भी थे। सूचना पाकर जीआरपी मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर अस्पताल में भिजवा दिया।

मृतक की पहचान भरत कॉलोनी के रहने वाले शिवकुमार के रूप में हुई है। उसकी जेब से एक विजिटिंग कार्ड मिला था। पुलिस ने उस नंबर पर कॉल की तो वह उसके पड़ोसी गोपाल का नंबर था। गोपाल ने बताया कि वह टैक्सी चलाता है। शिवकुमार ने कुछ दिन पहले टैक्सी बुक कराई थी।

शिवकुमार के भाई रोहित ने बताया कि वह पिछले दो दिनों से घर से लापता था। वह पहले भी घर से चला जाता था। हालांकि उन्होंने उसे ढूंढने की कोशिश की थी, लेकिन उसका सुराग नहीं लगा। वह किसी से यार करता था। जीआरपी थाना प्रभारी राजपाल का कहना है कि प्रथम दृष्टि से मामला आत्महत्या का लग रहा है। फिर भी मृतक का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद जो भी कार्रवाई होगी वह अमल में लाई जाएगी।

स्मार्ट ट्रेफिक मॉनिटरिंग कैमरों से कम होंगे एक्सप्रेसवे पर सड़क हादसे

ओवरस्पीड वाहनों पर लगेगी लगाम

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर स्मार्ट ट्रेफिक मॉनिटरिंग कैमरे लगाए जाएंगे। एनएचएआई की ओर से द्वारका एक्सप्रेसवे की तर्ज पर फरीदाबाद से गुजर रहे निर्माणाधीन दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर स्मार्ट ट्रेफिक मॉनिटरिंग व्यवस्था का उपयोग किया जाएगा। एक्सप्रेस वे पर लगभग 30 किलोमीटर दायरे में 100 से अधिक हाई स्पीड सेंसर कैमरे लगाए जाएंगे। कैमरे वाहनों की अधिक स्पीड को रिकॉर्ड कर लेंगे, इससे वाहनों का त्वरित चालान हो सकेगा। कैमरे लगने से सड़क दुर्घटनाओं को रोकने में सहायता मिलेगी।

फरीदाबाद से गुजर रहे बाईपास रोड को दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे के लिंक रोड के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसके लिए सभी मुख्य चौराहों पर अंडरपास व फ्लाईओवर बनाए जा रहे हैं। वहीं, रोड को चौड़ा कर 12 लेन किया जा रहा है। रोड को चौड़ा करने के लिए एनएचएआई ने हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण से 70 मीटर चौड़ी जमीन मांगी हुई है। अधिकतर जगहों पर जमीन एनएचएआई को मिल गई है।

वहां पर रोड को चौड़ा कर सर्विस रोड बना दी गई है। इसके अलावा सेक्टर-62 स्थित साहूपुर गांव से पलवल के मिंडकौला गांव तक बने केएमपी तक एक्सप्रेसवे को जोड़कर वाहनों की आवाजाही शुरू कर दी गई है। बचे हुए हिस्से का निर्माण भी तेजी से चल रहा है।

एक्सप्रेसवे पर वाहनों की बढ़ती आवाजाही को देखते हुए एनएचएआई ने सुरक्षा की दृष्टि से स्मार्ट ट्रेफिक मॉनिटरिंग कैमरे लगाने की योजना तैयार की है। इसके तहत 30 किमी दायरे में करीब 100 अत्याधुनिक तकनीक से लैस कैमरे लगाए जाएंगे। यह कैमरे ट्रेफिक नियम तोड़ने वाले वाहनों की नंबर प्लेट की पहचान करेंगे। इस

कदम से ट्रेफिक नियमों को तोड़ने वाले वाहन चालकों पर कार्रवाई आसानी से होगी। इसके लिए अलग कंट्रोल रूम बनाए जाएंगे। जहां वाहन चालकों पर नजर रखी जाएगी। इस कार्य में पुलिस की भी सहायता ली जाएगी।

छह माह में अब तक 10 से अधिक हादसे : मुंबई-दिल्ली एक्सप्रेस वे अभी पूरी तरह से तैयार नहीं हुआ है। शहर के 30 किलोमीटर हिस्से में से साहूपुरा से लेकर (कुंडली-मानेसर-पलवल) केएमपी तक लगभग 15 किलोमीटर रोड शुरू हो चुकी है। इस रोड के छोटे से हिस्से में अब तक 10 से अधिक दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। इनमें पांच से अधिक मौतें हो चुकी हैं। अभी हाल ही में एक बाइक पर सवार तीन युवकों की डंपर से टकराने से मौत हो गई थीं।

> “ **द्वारका** एक्सप्रेसवे की तर्ज पर दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर सुरक्षा के लिहाज से विश्व स्तरीय इंतजाम किए जाएंगे। यातायात व्यवस्था के बेहतर संचालक के लिए स्मार्ट ट्रेफिक मॉनिटरिंग कैमरे लगाए जाएंगे। इसके साथ ही अन्य सुविधाएं विकसित की जाएगी।
>
> **-एसके बंसल, डीजीएम, एनएचएआई**

70 फीसदी तक हो चुका है एक्सप्रेसवे का काम : एक्सप्रेसवे का 70 प्रतिशत काम हो चुका है। कैली से मिंडकौला के बीच एक्सप्रेस वे काम का निर्माण कार्य पूरा हो गया है। फरीदाबाद की सीमा में बाईपास सड़क पर जगह जगह व्हीकल अंडरपास और फ्लाईओवर बनाने का काम किया जा रहा है। व्हीकल अंडरपास के साथ-साथ सर्विस सड़क बनाने का भी काम चल रहा है।

एक्सप्रेसवे पर आठ एंट्री और एग्जिट प्वाइंट : राष्ट्रीय राजमार्ग की तरह फरीदाबाद क्षेत्र में चढ़ने-उतरने के लिए आठ एंट्री और एग्जिट पॉइंट बनाए जाएंगे। यह सेक्टर-30 एत्मादपुर, सेक्टर-28, बसेलवा कॉलोनी में खेड़ी पुल, सेक्टर-18-17 के पीछे बन रहे फ्लाईओवर और बीपीटीपी पुल के पास बन रही एलिवेटेड सड़क, सेक्टर-दो के पीछे तिगांव पुल के पास बन रहे फ्लाईओवर, सेक्टर दो आईएमटी पुल के पास बन रहे फ्लाईओवर और सेक्टर 62 के पास एंट्री और एग्जिट पॉइंट बनाए जाएंगे। इनका निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। इन्हीं के पास एक्सप्रेसवे पर आने व जाने की सुविधा रहेगी।

सेक्टर-12 में फ्लाईओवर का निर्माण तेज : एनएचआई की ओर से सेक्टर-12 से सेक्टर-17 तक सड़क के दोनों तरफ पूरी जमीन मिलने से फ्लाईओवर बनाने का काम तेजी से चल रहा है। बीपीटीपी चौक पर जल्द पिलर के ऊपर गर्डर रखकर कार्य को अंतिम रूप दिया जाएगा।

पुल्लेला गोपीचंद ने एक्सरसाइज एंड स्पोर्ट्स एकेडमी का किया शुभारंभ

मॉडर्न विद्या निकेतन स्कूल में हुआ कार्यक्रम का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

ग्रेटर फरीदाबाद के सेक्टर-88 स्थित मॉडर्न विद्या निकेतन (एमवीएन) स्कूल में मंगलवार को एमवीएन-88 एक्सरसाइज एंड स्पोर्ट्स एकेडमी की शुरुआत की गई।

एकेडमी का शुभारंभ भारत के बैडमिंटन खिलाड़ी एवं भारतीय टीम के मुख्य कोच पुल्लेला गोपीचंद ने किया। इस अवसर पर अर्जुन पुरस्कार विजेता प्रणय एचएस, ट्रैक एवं फील्ड एथलीट व स्वर्ण पदक विजेता ज्योति याराजी, बैडमिंटन गुरुकुल अकादमी की संस्थापक और प्रबंध निदेशक सुप्रिया देवगन एवं एमवीएन सोसाइटी के चेयरमैन वरुण शर्मा मौजूद रहे। पुल्लेला गोपीचंद ने कहा एमवीएन ग्रुप और स्कूल से जुड़े युवाओं की उत्कृष्ट उपलब्धियों को देखना वास्तव में प्रेरणादायक है। इसमें शामिल प्रत्येक व्यक्ति को उनके योगदान पर गर्व होना चाहिए।

शारीरिक साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए शिक्षा और खेल को संतुलित करने की एमवीएन की प्रतिबद्धता पूरी तरह से मेल खाती है। एमवीएन समुदाय का हिस्सा होने के नाते, मैं हैदराबाद में बैडमिंटन गुरुकुल अकादमी के साथ सहयोग को लेकर रोमांचित हूं और उम्मीद है कि यह भविष्य के बैडमिंटन चैंपियन को सशक्त बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम होगा। एमवीएन एक्सरसाइज एंड स्पोर्ट्स अकादमी छात्रों को अपने कौशल को निखारने और बैडमिंटन के प्रति जुनून विकसित करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करती है। बैडमिंटन गुरुकुल अकादमी के साथ साझेदारी, जो खेल में अपनी विशेषज्ञता के लिए जानी जाती है।

श्रमिकों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन होगा

फरीदाबाद। डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार औद्योगिक नगरी फरीदाबाद में श्रमिकों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन 18 से 21 दिसंबर तक आयोजित किए जाएंगे। जहां श्रमिकों को सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और परियोजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी। श्रम विभाग के सहायक निदेशक औद्योगिक स्वास्थ्य डॉ. हरेंद्र मान ने ानकारी देते हुए बताया कि दिसंबर महीने में इन उद्योगों में मजदूरों के स्वास्थ्य की जांच की जाएगी। इनमें विद्युत स्टील मे 18 दिसंबर को, एडमेक ऑटो में 19 दिसंबर को, स्टार वायर में 20 दिसंबर को, प्लेटिंग जोन में 21 दिसंबर को स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने श्रमिकों से अपील करते हुए कहा कि सभी कारखाने अपने अधीनस्थ कर्मचारियों की नियमित स्वास्थ्य की जांच करवायें, ताकि व्यवसायिक बीमारियों से बचाव व प्राथमिक अवस्था में पता लगाया जा सके।

निगम मुख्यालय पर कर्मचारियों की क्रमिक भूख हड़ताल जारी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्यव्यापी आंदोलन के आह्वान पर नगर निगम के 31 कर्मचारियों ने नगरपालिका कर्मचारी संघ, हरियाणा के जिला प्रधान दलीप बोहत की अध्यक्षता में 24 घंटे की क्रमिक भूख हड़ताल दूसरे दिन भी जारी रही। सरकार से नाराज कर्मचारियों ने विरोध सभा की ओर नगर निगम कार्यालय से बीके चौक होते हुए नीलम चौक तक काले झंडे और झाड़ू के साथ जोरदार आक्रोश प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री, राज्य सचिव अनूप वाल्मीकि, महिला सब कमेटी की राज्य सदस्य सुरेश देवी, ललिता देवी, गुरचरण खाडिया सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के वरिष्ठ उप प्रधान बलवीर सिंह बालगुहेर ने किया।

उन्होंने बताया कि यह हड़ताल छह दिसंबर को बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर उन्हें पुष्प अर्पित करते हुए समाप्त की जाएगी। इसके बाद संघ 14-15 दिसंबर को दो दिवसीय पेन डाउन टूल डाउन हड़ताल करेगा। नगरपालिका कर्मचारी संघ, हरियाणा के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री ने कहा कि हरियाणा सरकार ने 29 अक्टूबर और पांच अप्रैल को संघ से वार्ताओं के दौरान दर्जनों मांगों पर सहमति जताई थी, लेकिन आज तक मानी गई मांगों के पत्र जारी नहीं किए हैं। सरकार ने आठ फरवरी को सफाई कर्मचारी व सीवरमैन के रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से वर्षों से लगे अनुबंध सफाई कर्मचारियों को अनुभव के आधार पर नियमित नियुक्ति करने के आदेश जारी किए थे, लेकिन आज तक इस पत्र को लागू नहीं किया गया। अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों को 58 वर्ष की नौकरी की गारंटी देने का पत्र जारी नहीं किया गया तथा एक हजार रुपये सभी सफाई कर्मचारियों को स्वच्छता भत्ता देना तय हुआ था, लेकिन सरकार ने उसमें किंतु परंतु लगाकर कुछ कर्मचारियों को देने की बात कही है, जो एक तरफा घोषणा है। फायर के कर्मचारियों को भी एक हजार रुपये जोखिम भत्ता देने का निर्णय हुआ था, जो अभी तक लागू नहीं किया गया तथा वर्दी भत्ता देते हुए फायर कर्मचारी के साथ सरकार ने बहुत नाइंसाफी की है। इन कर्मचारियों को फोर्थ क्लास से भी कम वर्दी और धुलाई भत्ता दिया गया है, जो नियम अनुसार अनुचित है। सीवर सफाई फोर्थ क्लास, थ्री क्लास तथा अग्निशमन विभाग में क्षेत्रफल आबादी के अनुपात में नए पदसर्जित करने, रिक्त पदों पर पक्की भर्ती करने, वर्षों से लगे कच्चे कर्मचारियों को पॉलिसी बनाकर पक्का करने, पुरानी पेंशन बहाल करने व अन्य मांगों के पत्र जारी किए नहीं गए हैं और प्रदेश में बड़े स्तर पर सफाई के काम में ठेकेदारी लागू करते हुए सफाई कर्मचारियों की कर्मचारियों की छंटनी की जा रही है।

लोधी राजपूत जनकल्याण समिति ने स्वामी ब्रह्मानंद का जन्मदिवस मनाया

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

लोधी राजपूत जन कल्याण समिति के डबुआ कॉलोनी स्थित कार्यालय पर स्वामी ब्रह्मानंद का जन्मदिवस कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से पूर्व विधायक नगेंद्र भड़ाना, भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष भगवान सिंह, जेडीयू के युवा नेता सचिन तंवर एडवोकेट, सुरेश चंद्र पाठक, समिति के संस्थापक/महासचिव लाखन सिंह लोधी, अध्यक्ष रूप सिंह लोधी ने स्वामी ब्रह्मानंद के चित्र पर पुष्प अर्पित किए तथा उनके चित्र के समक्ष दीप भी प्रज्ज्वलित किया।

लाखन सिंह लोधी ने स्वामी ब्रह्मानंद की जीवनी पर प्रकाश डालते बताया कि स्वामी ब्रह्मानंद का जन्म चार दिसंबर 1894 को उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले की राठ तहसील के बरहरा नामक गांव के एक साधारण किसान परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम मातादीन लोधी तथा

माता का नाम जशोदाबाई था। स्वामी ब्रह्मानंद के बचपन का नाम शिवदयाल था। स्वामी ब्रह्मानंद जी की प्रारंभिक शिक्षा हमीरपुर में ही हुई। इसके पश्चात उन्होंने घर पर ही रामायण, महाभारत, गीता, उपनिषद और अन्य शास्त्रों का अध्ययन किया। इसी समय से लोग उन्हें स्वामी ब्रह्मानंद कहकर बुलाने लगे। पिता मातादीन लोधी को डर सताने लगा कि कहीं उनका पुत्र साधु न बन जाए। इस डर से उन्होंने स्वामी ब्रह्मानंद जी का विवाह सात वर्ष की उम्र में हमीरपुर के ही गोपाल महतो की पुत्री राधाबाई से करा दिया।

स्वामी ब्रह्मानंद जी ने 24 वर्ष की आयु में पुत्र और पत्नी का मोह त्याग गेरूए वस्त्र धारण कर हरिद्वार में भागीरथी के तट पर हर की पेड़ी पर सन्यास की दीक्षा ली। सन्यास के बाद शिवदयाल लोधी संसार में स्वामी ब्रह्मानंद के रूप में प्रख्यात हुए। सन्यास ग्रहण करने के बाद उन्होंने संपूर्ण भारत के तीर्थ स्थानों का भ्रमण किया। इसी बीच उनका अनेक महान साधु संतों से संपर्क हुआ। इसी बीच उन्हें गीता रहस्य प्राप्त हुआ। स्वामी जी ने नमक आंदोलन में हिस्सा लिया, देश की स्वतंत्रता के लिए कई बार जेल गए। पंजाब के भटिंडा में उनकी महात्मा गांधी जी से भेंट हुई। 1967 में सांसद बनकर गौ हत्या कानून बनाने की मांग उठाई। उन्होंने शिक्षा के लिए हमीरपुर जैसे क्षेत्र में स्वामी ब्रह्मानंद कृषि महाविद्यालय, स्वामी ब्रह्मानंद संस्कृत महाविद्यालयों की स्थापना की। इस कार्यक्रम में दिनेश राघव, बाबा वीरभद्र नाथ, धर्मपाल सिंह लोधी, होती लाल लोधी, भाई लाल लोधी, रामगोपाल लोधी सहित लोधी समाज के सैकड़ों गणमान्य लोग उपस्थित थे।

हरियाणा में बनेगी कांग्रेस की सरकार : आफताब अहमद

युवा नेता समीर खान ने नूंह के विधायक आफताब अहमद से चर्चा की

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

फरीदाबाद के युवा समाजसेवी समीर खान ने हरियाणा विधायक दल के उपनेता एवं नूंह के विधायक चौधरी आफताब अहमद के निवास स्थान पर मुलाकात की। इस मौके पर समीर खान ने विधायक आफताब अहमद से मिलकर उनका हाल-चाल जाना और शहर की तमाम समस्या की जानकारी दी। इसके बाद राजनीतिक हालातों पर भी चर्चा की।

समीर खान ने बताया कि आगामी विधानसभा चुनाव में हरियाणा में कांग्रेस की पूर्ण बहुमत से सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार का शहर में व्याप्त समस्याओं पर कोई ध्यान नहीं है। मुख्यमंत्री के आदेशों के बाद भी शहर में कूड़ा उठाने का काम अधिकारी नहीं कर रहे हैं। जिसके चलते जनता परेशानियों से जूझ रही है। प्रदूषण के चलते औद्योगिक नगरी फरीदाबाद हरियाणा में एक नम्बर पर है। विधायक आफताब अहमद ने युवा नेता समीर खान से कहा कि अगर कांग्रेस की सरकार

हरियाणा में बनती है तो सबसे पहले भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म किया जाएगा। आज के दौर में युवा सड़कों पर बेरोजगार घूम रहे हैं, युवाओं को नौकरी नहीं मिल रही है। अगर कांग्रेस की सरकार हरियाणा में बनती है तो युवाओं को नौकरी देने का कार्य भी हम करेंगे। विधायक आफताब अहमद ने राजनीतिक क्षेत्र में युवाओं को लेकर कई बातें कही। समीर खान की प्रशंसा करते हुए विधायक आफताब का कहना है कि समीर खान हमेशा क्षेत्र की समस्या को उठाते हैं और लोगों की निरंतर सेवा करते रहते हैं। आगामी विधानसभा चुनावों में युवाओं का पार्टी की जीत में अहम योगदान होगा।

सरकार की कथनी और करनी में कोई फर्क नहीं : विजय लोहिया

फरीदाबाद। जिला परिषद के अध्यक्ष विजय लोहिया ने मंगलवार को ग्रामीण क्षेत्र में लगभग 25 लाख रुपये के विकास कार्यों की सौगात दी है। जिला परिषद के अध्यक्ष विजय लोहिया ने गांव फतेहपुर तगा में निर्माणाधीन 23,25,000 और जीएमबाद में 1,27,000 से गली निर्माण के कार्यों का शुभारंभ करवाया। जिला परिषद के अध्यक्ष विजय लोहिया ने कहा कि सरकार की कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है। गरीबों को उनके घर द्वार पर उन्हें जन कल्याणकारी नीतियों और योजनाओं का लाभ पहुंचा जा रहा है। विजय लोहिया ने कहा कि देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में और प्रदेश में मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में विकसित भारत संकल्प यात्रा के जरिए जनसंवाद कार्यक्रमों आयोजित किया जा रहे हैं। जहां लोगों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म प्रणाली पर विभिन्न प्रकार की सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है। जिला परिषद अध्यक्ष विजय लोहिया ने विकास कार्यों का नारियल फोड़ कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर वार्ड नंबर 2 से फारुख सिंह, सरपंच फतेहपुर तगा, आस मोहम्मद और पूर्व सरपंच लालू साकी, जान साहू खंडावली, नरेश खंडावली, पंचायती राज हसीन, मुबीन और समसू गांव के गणमान्य लोग भी शामिल हुए।

पायनियर पाठकों के लिए

यदि आपको अखबार की प्रति मिलने में कठिनाई आ रही है,तो आप निम्न पते से प्राप्त कर सकते हैं

- विनोद कुमार, ओल्ड रेड लाइट मो.नं. -7428353299
- आनंद,एनआईटी 4-5 चौक मो. नं. - 9818848494
- मदनलाल, अंबेडकर चौक बल्लभगढ़ मो.नं.- 9811477204
- पाहुजा,पलवल मीनार गेट मो.नं.-9255029919
- त्रिलोक, फोर्टिस हॉस्पिटल, नीलम चौक, मो. नं. 9910754890
- हितेश सेक्टर-29, फरीदाबाद मो. नं. 9910533103

मिटा दो आपसी नफ़रत भला इस देश का होगा
पनपने पाये ना वहशत भला इस देश का होगा
समुचे विश्व में सदभाव का संदेश जायेगा
करो हर धर्म की इज़्ज़त भला इस देश का होगा

हिंदुस्तान को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए लें संकल्प : मूलचंद शर्मा

कहा, सरकार की विकसित भारत संकल्प यात्रा-जन-संवाद कार्यक्रमों में मिल रहा है अपार जन समर्थन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

हरियाणा के उच्च शिक्षा एवं परिवहन विभाग के केबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि हिंदुस्तान को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए संकल्प लें। सरकार की विकसित भारत संकल्प यात्रा-जन-संवाद कार्यक्रमों में अपार जन समर्थन मिल रहा है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि सरकारी सेवाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

मूलचंद शर्मा ने मंगलवार को सेक्टर-22 व सेक्टर-23 के सामुदायिक भवन में विकसित भारत संकल्प यात्रा के जनसंवाद कार्यक्रम में मुख्य अतिथि शिरकत की। उन्होंने कहा कि आमजन को सरकार द्वारा दी जाने वाली जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर पहुंचाने के लिए इस कार्यक्रम में विभिन्न सरकारी विभागों का कैंप लगाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि डिजिटल स्कीम के तहत लोगों को सरकारी सुविधाएं दी जा रही हैं। लोगों को परिवार पहचान पत्र, पेंशन, आधार, स्वास्थ्य सहित अन्य सेवाओं को जन जन तक पहुंचाने के लिए लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और प्रदेश में मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में विकसित भारत संकल्प यात्रा जन संवाद कार्यक्रम देश के कौने कौने में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की समस्याएं घर द्वार के नजदीक शिविर के जरिये की जा रही है। प्रदेश में प्रतिदिन 140 यात्राएं की जा रही है। गावों के खेतों में बनी ढाणियों और शहरी क्षेत्रों में स्लम बस्तियों में से कैंप का आयोजन किया जा रहा है। बल्लभगढ़ विधान सभा क्षेत्र में

सरकार 60 हजार गरीब परिवारों को सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और परियोजनाओं और परियोजनाओं का लाभ दे रही है। केबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने इस मौके पर सभी को भारत देश को 2047 तक आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने के सपने को साकार करने की शपथ भी दिलवाई।

विकसित भारत संकल्प यात्रा-जन-संवाद में सरकार द्वारा लागू की गई विभिन्न योजनाओं की झलक दिखाई दे रही है, जिनमें सरकार द्वारा चलाई गई स्किल इंडिया मिशन, सुगम्य भारत अभियान, मुद्रा योजना, स्वच्छता, हर घर जल, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, स्वामित्व योजना, प्रधानमंत्री-स्वनिधी योजना, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, आयुष्मान भारत, जन-औषधि केंद्र, उज्ज्वला योजना, उजाला योजना, नई रोशनी, उड़ान योजना, प्रधानमंत्री कुसुम योजना, मातृत्व वंदना योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण तथा शहरी, कर्मयोगी मानधन योजना, प्रधानमंत्री अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण रोजगार अभियान, अंत्योदय अन्न योजना, आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना सहित अन्य योजनाओं बारे जागरूक किया गया।

विकसित भारत संकल्प यात्रा-जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान मूलचंद शर्मा ने उपस्थित लाभार्थियों को हमारा संकल्प-विकसित भारत की शपथ भी दिलाई। इस कार्यक्रम में केंद्र व हरियाणा सरकार की उपलब्धियों पर आधारित शॉर्ट फिल्म का भी प्रसारण किया गया। मूलचंद शर्मा ने इस दौरान विभिन्न विभागों की ओर से लगाई गई स्टाल का अवलोकन भी किया। विकसित भारत संकल्प यात्रा-जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान नागरिकों को प्रचार सामग्री का वितरण किया गया।

गुमशुदा की तलाश

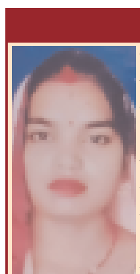

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि गुमशुदा लौंगसीरी पत्नी राजू निवासी ग्राम गुनाश जलालाबाद, सहजहांपुर, उत्तर प्रदेश हाल निवासी गांव महावतपुर, फरीदाबाद दिनांक 20.11.2023 को समय सुबह करीब 05.00 बजे बिना किसी को बताये कहीं चली गई है, जो अभी तक वापिस नहीं आई है, जिसका हुलिया रंग सांवला, गोल चेहरा, पतला शरीर कद 5 फुट 2 इंच बा उम्र करीब 19 साल है, जिसने काले रंग की साड़ी व पैरों में हवाई चप्पल पहनी हुई है, मुकदमा नम्बर 107 दिनांक 19.08.2023 धारा 346 आई.पी.सी. अगर किसी व्यक्ति को गुमशुदा लड़की के बारे में सूचना मिले तो निम्नलिखित नम्बरों पर सम्पर्क करें।

थाना भूपानी फरीदाबाद : 9582200124, 0129-2202350

एक रुपये का रिश्ता लेकर नेत्रपाल अधाना ने कायम की मिसाल

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

विभिन्न राजनीतिक दलों सहित गणमान्य लोगों ने दिया नव-दंपत्ति को आशीर्वाद

युवा कांग्रेस के लोकसभा अध्यक्ष एवं प्रदेश महासचिव रहे वरिष्ठ कांग्रेसी नेता नेत्रपाल अधाना ने अपने भतीजे कैप्टन डॉ. राजीव का एक रुपये का रिश्ता लेकर समाज में एक मिसाल कायम की है। गुर्जर समाज में जहां बेटी की शादी पर करोड़ों रुपये खर्च कर अपनी शान समझते हैं, वहीं ऐसे में पूरे हर्षोल्लास के साथ संसन्न हुए इस विवाह में अधाना परिवार ने वधू पक्ष से कोई दान-दहेज नहीं लिया। पलवल जिले के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता नेत्रपाल अधाना द्वारा भतीजे की दहेज बिना की गई शादी न केवल शहर में बल्कि राजनीतिक गलियारों में भी खूब चर्चा हो रही है, जिससे समाज में शुभ संदेश जा रहा है। हरियाणा के पूर्व डीजीपी रंजीव दलाल ने इस शादी समारोह में समधी के रूप में सरदारी का रुपया लिया। यहां बता दें कि नेत्रपाल अधाना कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हैं और वह युवा कांग्रेस के लोकसभा अध्यक्ष एवं प्रदेश महासचिव रह चुके हैं। उनके पिता चौधरी जयचंद अधाना भी गांव में कई बार सरपंच रहे हैं और आज भी सरपंची उन्हीं के परिवार चली आ रही है। नेत्रपाल अधाना को पलवल विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस टिकट का प्रबल दावेदार माना जाता है।

नेत्रपाल अधाना का कहना है कि समाज में आज लड़के की शादी पर लड़की पक्ष से दिखावे के लिए लाखों-करोड़ों रुपये व्यर्थ कर देते हैं। ऐसे में लड़की पक्ष पर बोझ न डालकर स्वयं अपने बेटे के रिसेप्शन पर समाज को एकत्रित कर दहेज रूपी दानव पर करारी चोट की है, जिससे समाज में लड़की के जन्म पर भी लोग खुशी जता रहे हैं। ऐसे प्रयास से भ्रूण-हत्या पर भी रोक लगेगी। उन्होंने अपने भतीजे का विवाह एक रुपये में करके यह संदेश दिया है कि असली धन-दौलत बहू-बेटी होती है। इसलिए समाज के लोगों को जागरूक होना

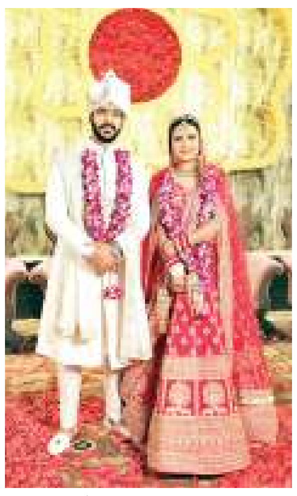

चाहिए और बिना दहेज लिए शादी करके बहू-बेटियों का सम्मान करना चाहिए। दरअसल नेत्रपाल अधाना के भाई देवेंद्र अधाना के पुत्र राजीव एमबीबीएस डॉक्टर बनने के बाद सेना में कैप्टन के पद पर कार्यरत हैं। डॉ. राजीव का विवाह ओमपाल रावत की पुत्री डॉ. शिवानी से संपन्न हुआ। मूल रूप से ढेंकौला निवासी शिवानी फिलहाल फरीदाबाद में रहती है।

डॉ. राजीव व डॉ. शिवानी का रिसेप्शन समारोह पृथला के पास ग्रीनलेंड-44 में संपन्न हुआ, जहां छत्तीसगढ़ की प्रभारी एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी शैलजा सहित कांग्रेस, भाजपा, जजपा, इनेलो व बसपा आदि विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं के अलावा शहर के उद्योगपतियों, शिक्षाविदों, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के पदाधिकारियों व बिल्डरों ने कैप्टन डॉ. राजीव व डॉ. शिवानी को आशीर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल दांपत्य जीवन की कामना की।

इस मौके पर हरियाणा के पूर्व डीजीपी रंजीव दलाल ने कहा कि अधाना परिवार ने अपने पुत्र का एक रुपये का रिश्ता कर समाज में जहां महिला सशक्तिकरण को बल दिया है, वहीं समाज में व्याप्त दहेज रूपी दानव पर वार कर एक शुभ संदेश दिया है, जिससे भ्रूण हत्या जैसे पाप को खत्म करने का भी संदेश जाएगा।

उन्होंने समाज के लोगों से अपील की कि वह अधाना परिवार की तरह दहेज रहित शादी को बढ़ावा दें, ताकि आम गरीब आदमी भी अपने घर बेटी पैदा होने पर गर्व महसूस कर सके।

जल्द शुरू होगा पलवल का जिमखाना क्लब

क्लब में मना सकेंगे शहरवासी नए साल का जश्न

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

पलवल के सेक्टर-12 में बने जिमखाना क्लब को जल्द ही लोगों के लिए खोल दिया जाएगा। जिमखाना क्लब खुलने के बाद पलवल शहरवासियों को पार्टियों के लिए दूसरे शहर जाने से छुटकारा मिल जाएगा। जिमखाना क्लब को खोलने के लिए पूरी तैयारी कर ली गई है। पूरी उम्मीद है कि नए साल का जश्न शहरवासी इस क्लब में मना सकेंगे। इसके लिए जिमखाना क्लब में स्टाफ की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू हो गई है। मैनेजर व सुपरवाइजर की तैनाती जिमखाना क्लब में पूरी हो चुकी है। जल्द ही पार्टियों का आयोजन भी शुरू हो जाएगा।

पलवल जिले के लोगों के लिए लगभग 18 करोड़ रुपये की लागत से बने जिमखाना क्लब को जल्द ही जनता को समर्पित कर दिया जाएगा। इसके लिए हुडा विभाग की तरफ से पूरी तैयारी करके आगे दूसरे कार्य करने का कार्य जोरशोर से किया जा रहा है। पलवल जिमखाना को फाइव स्टार होटल की तर्ज पर पलवल की जनता के लिए बनाया गया है। इसमें पार्टी आयोजन करने के लिए दो बड़े बेंक्वट बनाए गए।

इसके अलावा जिमखाना क्लब में लोगों की सुविधा के लिए दो बड़े लान भी बनाए गए हैं। जिम खाना क्लब को दो मंजिला बनाया गया है। इसमें बड़ी गैलरी भी लोगों की सुविधा के लिए बनाई गई है। जहां पर एक बार में लगभग 700 लोग खाना खा सकते हैं। इसके अलावा क्लब में जिमखाना क्लब की मैंबरशिप भी लोगों के लिए खोल दी गई है। क्लब में आने वाले लोगों के लिए बार की सुविधा भी बनाई गई है। इसके अलावा यहां पर मेंबरशिप लेने वाले लोगों के लिए इंडोर खेलों की सुविधा भी रखी गई है। जहां पर लोग खाली समय में टेबल टेनिस, चेस, बिलयर्ड जैसे गेम खेल सकते हैं। जिमखाना क्लब में आने वाली गाड़ियों के लिए अंदर व बाहर पार्किंग की सुविधा बनाई गई है। नेता व उद्योगपतियों के लिए पार्टी करने व प्रस को संबोधित करने के लिए यहां पर बड़े-बड़े हॉल भी बनाए गए हैं। यहां आने वाले लोगों की सुविधा के लिए आरामदायक कुर्सियां व सोफा सेट की व्यवस्था भी की गई है।

> **जिमखाना** क्लब को जल्द ही शुरू कर दिया जाएगा। इसके लिए जोर-शोर से तैयारी चल रही है।
>
> **-दलबीर सिंह, मैनेजर, जिमखाना क्लब**

> **जिमखाना** क्लब शुरू करने के लिए स्टाफ तैनात किया जा रहा है। अंदर की सफाई आदि का कार्य भी चल रहा है।
>
> **-अमन सिंह, क्लब सुपरवाइजर**

गुरुग्राम में नौकरी से निकाले कर्मचारियों की बहाली के लिए ज्ञापन सौंपा

पलवल। गुरुग्राम नगर निगम द्वारा नौकरी से निकाने 3480 कर्मचारियों को दोबारा नौकरी पर रखने के लिए सर्व कर्मचारी संघ पलवल की तरफ से हरियाणा के मुख्यमंत्री व स्थानीय निकाय मंत्री के नाम पलवल के तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कहा कि निगम में सफाई का कम समाप्त नहीं हुआ है। सफाई कर्मचारियों को नौकरी से निकालना परी तरह से गलत है। पुराने कर्मचारियों को हटाकर उनकी जगह नए कर्मचारी रखना अवैध है। इस अवसर पर कर्मचारियों को संबोधित करते हुए सर्व कर्मचारी संघ के पलवल के प्रधान राजेश शर्मा ने कहा कि सभी कर्मचारियों को तुरंत ही नौकरी पर रखा जाए। स्थाई काम पर रखे कर्मचारियों को इस तरह से निकालना ठेकेदारी प्रथा के नियमों के भी खिलाफ है। ये कच्चे कर्मचारी थोड़े वेतन में ही अपने परिवार का लालन-पालन कर रहे थे। अब जब उन्हें नौकरी से निकाल दिया गया है तो वे किस प्रकार अपने परिवार का लालन पालन कर सकेंगे। योगेश शर्मा ने कहा कि काम नहीं तो वेतन नहीं के पत्र को भी तुरंत वापस लिया जाए। इस अवसर पर राज कुमार डागर, हरकेश सौरोत, पदमसिंह, राकेश तंवर, देवी सिंह सहजवार, नेपाल सिंह, हंसराज, ओमप्रकाश, दिनेश कुमार आदि मौजूद थे।

ग्लाइफोसेट के सुरक्षित एवं विवेकपूर्ण उपयोग पर कार्यशाला का शुभारंभ

पलवल। कृषि विद्यालय एमवीएन विश्वविद्यालय पलवल में ग्लाइफोसेट के सुरक्षित और विवेकपूर्ण उपयोग पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण और कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ. वंदना पांडे उप निदेशक क्षेत्रीय कृषि निर्मित नाशीजीव प्रबंधन केंद्र, डॉ. वीडी निगम, उपनिदेशक, जमुना नेगी और लक्ष्मी चंद पौध संरक्षण अधिकारी पादप रोग विज्ञान क्षेत्रीय केंद्रीय एकीकृत कीट प्रबंधन केंद्र, वनस्पति संरक्षण, संगरोध एवं संग्रह निदेशालय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, फरीदाबाद उपस्थित थे।

डीन स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर डॉ. मयंक चतुर्वेदी ने डॉ. वंदना पांडे और उनकी टीम का छात्रों से परिचय कराया। डॉ. डीवी पाठक ने सभी अतिथियों का स्वागत पौधे के गमले देकर किया। डॉ. वंदना पांडे ने छात्रों को बताया कि पौध संरक्षण एक बहुत व्यापक विषय है, जिसमें हमें कीटनाशकों और कीटनाशकों के सुरक्षित उपयोग को जानना होगा। विशेष रूप से छात्रों और किसानों जैसी नई पीढ़ी को इस बात के बारे में जागरूक होना होगा कि हम अपनी फसलों पर कितने कीटनाशकों का प्रयोग करेंगे।

डॉ. वीडी निगम, उप निदेशक ने विभिन्न कीड़ों और कीटनाशकों के बारे में बताया। जमुना नेगी और लक्ष्मी चंद ने विद्यार्थियों को पौध संरक्षण की विभिन्न आधुनिक तकनीकों के बारे में बताया। यह कार्यक्रम छात्रों द्वारा प्रयोगशालाओं के दौरे के साथ छह दिसंबर तक जारी रहेगा। एमवीएन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. अरुण गर्ग और उपकुलपति प्रो. डॉ. एनपी सिंह और रजिस्ट्रार डॉ. राजीव रतन ने स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर को इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए बधाई दी। अंत में डॉ. डीवी पाठक ने सभी वक्ताओं को धन्यवाद दिया।

मशरूम की खेती के लिए दी जा रही ट्रेनिंग व अनुदान

मशरूम की खेती करके किसान प्रति माह 30 से 40 हजार रुपये कमा सकते हैं

> **मशरूम** की खेती किसानों के लिए फायदे का सौदा है। इसके लिए कृषि विभाग की तरफ से ट्रेनिंग और अनुदान दिया जाता है।
>
> **-अब्दुल रज्जाक, जिला उद्यान अधिकारी**

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

मशरूम की खेती की बढ़ावा देने के लिए कृषि विभाग द्वारा बेरोजगार युवाओं को ट्रेनिंग व शेड्स बनाने के लिए अनुदान दिया जा रहा है। जिससे युवा मशरूम की खेती करके हजारों रुपये प्रति महीना आय प्राप्त कर सकें। इसके लिए इच्छुक युवाओं को मुरथल में मशरूम की खेती करने की जानकारी विस्तार से दी जाती है। जहां से ट्रेनिंग लेकर आगे युवा अपने घर पर मशरूम की खेती कर सकें। मशरूम की खेती करने के लिए कृषि विभाग की तरफ से शेड्स बनवाने के एससी वर्ग के लोगों को 50 प्रतिशत तक अनुदान दिया जाता है। मशरूम के शेड्स बनाने का खर्चा विभाग की तरफ से दिया जाता है।

मशरूम की खेती करके किसान प्रति महीने 30 से 40 हजार रुपये तक कमा सकते हैं। कृषि विभाग का कहना है कि मशरूम की मांग दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम व दूसरे शहरों में तेजी से बढ़ रही है। वहीं इसको आगे मिडल ईस्ट के देश सऊदी अरब, अरब अमीरात, कुवैत, कतर, बहरीन भी भेजा जाता है। जिससे मशरूम उत्पादकों की आय में बढ़ोतरी होती है।

किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड की जानकारी दी

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

विश्व मृदा दिवस के अवसर पर पलवल जिले के गांव मंडकौला स्थित कृषि विज्ञान केंद्र में जिला स्तरीय मृदा दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उपनिदेशक डॉ. बाबू लाल ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। इस अवसर पर भूमि परीक्षण अधिकारी सुमेर सिंह, एसडीओ कुलदीप सिंह भी मौजूद थे। कार्यक्रम में जिले के करीब 100 किसानों ने भाग लिया।

कृषि उप निदेशक डॉ. बाबू लाल ने बताया कि पलवल जिले में दो लाख 66 हजार मृदा स्वास्थ्य कार्ड बनाने का लक्ष्य विभाग द्वारा दिया गया था, जिसमें से एक लाख 80 हजार किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड बनाकर वितरित किए जा चुके हैं। किसानों को भूमि व जल का परीक्षण करवाने के बारे में जागरूक किया जा रहा है। डॉ. बाबू लाल ने कहा कि विश्व मृदा दिवस किसानों को उपजाऊ मिट्टी के बारे में जागरूक करने तथा संसाधन के रूप में मिट्टी के स्थायी प्रबंधन की व्यवस्था को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मनाया जाता है। जिस तरह पानी के बिना जीवन की कल्पना मुमकिन नहीं, ठीक उसी तरह मिट्टी का भी महत्व है। उन्होंने कहा कि भारत की आधी आबादी ही कृषि पर निर्भर है, लेकिन खेतों में किसानों द्वारा बहुत ज्यादा केमिकल वाले खाद और कीटनाशक दवाइयों के इस्तेमाल से मिट्टी की क्वालिटी में कमी आ रही है। जो खाद्य सुरक्षा, पेड़-पौधों के विकास, कीड़ों और जीवों के जीवन और आवास व मानव जाति के लिए बड़ा खतरा साबित हो सकता है। ऐसे में मिट्टी का संरक्षण बहुत जरूरी हो गया है।

किसानों को मिट्टी में मौजूद पोषक तत्वों के बारे में जागरूक करने के लिए सरकार द्वारा मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना शुरू की गई है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड में मिट्टी के गुण जिसमें सल्फर, जस्ता, लौह, मैगनीज, तांबा, जैविक उर्वरक, जिप्सम, नाइट्रोजन, फास्फोरस, कार्बन, पोटेशियम सहित अन्य पोषक तत्वों के बारे में विस्तृत जानकारी उपलब्ध रहती है। किसान मृदा स्वास्थ्य कार्ड में माध्यम से फसलों में खादों का प्रयोग कर सकते है। ऐसा करना से किसानों की फसल के उत्पादन में बढोतरी होगी, वहीं किसानों की आय में भी इजाफा होगा।

उन्होंने कहा कि मिट्टी व पानी की जांच कृषि विभाग की प्रयोगशाला में निशुल्क करवाई जाती है। गांव नंगला भीखू के किसान गिर्राज सिंह ने बताया कि केवीके मंडकौला में कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा किसानों को भूमि के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी प्रदान की गई। सॉयल हेल्थ कार्ड के माध्यम से भूमि में मौजूद पोषक तत्वों के बारे में जानकारी लेकर हम अपनी भूमि के स्वास्थ्य में सुधार कर सकते हैं। गांव जोहरखेड़ा के किसान महेश कुमार ने बताया कि कृषि विभाग के अधिकारियों ने किसानों को भूमि के परीक्षण के बारे में जानकारी प्रदान की है, ताकि किसान अपनी पैदावार को बढ़ा सकें। उन्होंने कहा कि किसानों को मिट्टी व पानी की जांच अवश्य करवानी चाहिए।

सर्वश्रेष्ठ आईटीआई पास आउट उद्यमियों को मिलेगा अवार्ड

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

प्रदेश में सर्वश्रेष्ठ आईटीआई पास आउट उद्यमियों को उद्यमी हरियाणा अवार्ड से नवाजा जाएगा। उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए दो साल पहले प्रदेश सरकार ने इस अवार्ड की शुरुआत की थी। सरकार ने प्रदेश की राजकीय और प्राइवेट आईटीआई से पाठ्यक्रम उत्तीर्ण करने के बाद उद्यमी बनने वाले उम्मीदवारों को सम्मानित करने के लिए उद्यमी हरियाणा पुरस्कार की शुरुआत की थी।

प्रत्येक जिले में आईटीआई से पासआउट होकर अपना व्यवसाय करने वाले सबसे बेहतर उद्यमियों को यह अवार्ड दिया जाएगा। इसमें प्रथम स्थान पर रहने वाले को 10 हजार रुपये, दूसरे स्थान पर आने वाले को 7500 रुपये और तीसरे स्थान पर आने वाले को पांच हजार रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। इस तरह करीब 66 उम्मीदवारों को कुल पांच लाख रुपये के नकद पुरस्कार दिए जाएंगे। हालांकि आवेदनों के अनुसार विजेताओं की संख्या बढ़ भी सकती है।

अभी तक की बात करें तो पिछले दो वर्षों में जिला स्तर पर आईटीआई से पास आउट होने के बाद अपना उद्योग स्थापित करने वाले उद्यमी ही प्रदेशभर में नहीं मिल पा रहे हैं। यही कारण है कि हर जिले में पांच से सात आवेदन ही पहुंच पाते थे।

यह तय किए गए हैं पात्रता के मानदंड

-जिस विषय में आईटीआई पास की है, उसी में व्यवसाय या उद्योग स्थापित होना चाहिए।

-आईटीआई पास करने के एक से चार वर्ष के भीतर व्यवसाय प्रदेश के किसी भी जिले में स्थापित होना चाहिए।

-इसके अलावा यदि कहीं और व्यवसाय स्थापित किए हैं तो ऐसा आवेदन मान्य नहीं होगा।

-जो व्यवसाय स्थापित किया गया है, वह पेतर्क नहीं होना चाहिए।

-व्यवसाय करने वाले उद्यमी की वर्ष में प्रति माह आय कम से कम 24000 होनी चाहिए।

-यदि व्यवसाय साझेदारी में किया गया है तो आवेदक उसमें मुख्य होना चाहिए।

प्रत्येक जिले में गठित की जाएगी कमेटी

आवेदन की पात्रता एवं पत्र की जांच के लिए जिला स्तर पर समिति का गठन किया जाएगा। इसमें डीसी कम अध्यक्ष जिला शिक्षुता एवं आत्मनिर्भर समिति अध्यक्ष होंगे। जिला आईटीआई का प्रिंसिपल सदस्य सचिव, जिला अग्रणी बैंक अधिकारी, जिला रोजगार अधिकारी, संयुक्त निदेशक जिला उद्योग केंद्र व सहायक श्रम आयुक्त या उप श्रम आयुक्त इस कमेटी के सदस्य होंगे।

सात जनवरी तक लेने होंगे आवेदनकर्ताओं के साक्षात्कार

30 दिसंबर तक जो भी आवेदन प्राप्त होंगे, उनकी छंटनी के बाद सात जनवरी तक आवेदनकर्ताओं के साक्षात्कार करने होंगे और 10 जनवरी तक अंतिम तीन विजेताओं के नाम विभाग को भेजे जाएंगे। जिन्हें गणतंत्र दिवस के मौके पर आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में सम्मानित किया जाएगा।

> **विभाग** ने उद्यमी हरियाणा अवार्ड के तहत आवेदन आमंत्रित किए हैं। यह आवेदन विभाग की वेबसाइट से प्राप्त किया जा सकते हैं। साथ ही जिला आईटीआई से भी आवेदन पत्र प्राप्त किया जा सकते हैं। सर्वश्रेष्ठ उद्यमी को 10 हजार का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। दूसरे स्थान पर रहने वाले को 7500 व तीसरे स्थान पर रहने वाले को पांच हजार का नकद पुरस्कार दिया जाएगा।
>
> **-भगत सिंह, प्रधानाचार्य कम नोडल अधिकारी, आईटीआई पलवल**

बिजली जाते ही बंद हो जाती है पीने के पानी की सप्लाई

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

गांव घुघेरा में पीने के पानी की सप्लाई करने वाला लगभग 70 लाख रुपये की लागत से बना वाटर वर्क्स ग्रामीणों के लिए सफेद हाथी साबित हुआ है। बिजली नहीं आने पर गांव में पीने के पानी की सप्लाई भी बंद हो जाती है। कई बार बिजली फाल्ट होने पर कई-कई दिन तक ग्रामीणों को पीने के पानी की सप्लाई बाधित रहती है। जिससें हजारों ग्रामीणों को दूर-दराज से पीने का पानी लाने को मजबूर होता है।

गांव घुघेरा में पीने का पानी सप्लाई करने वाला वाटर वर्क्स लोगों की जरूरतों पर खरा नहीं उतरा है। ग्रामीणों का कहना है कि बिजली नहीं आने व बिजली फाल्ट होते ही गांव में पीने के पानी की सप्लाई पूरी तरह से बाधित हो जाती है। उन्होंने

बताया कि वाटर वर्क्स के निर्माण के समय जनस्वास्थ्य विभाग की तरफ से वाटर वर्क्स पर जरनेटर लगाने के वायदे किए गए थे। जिससे ग्रामीणों को बिजली नहीं होने पर भी पीने के पानी की सप्लाई बेरोकटोक जारी रह सके। परंतु अब तक इस वायदे को पूरा नहीं किया गया हैं। उन्होंने बताया कि सर्दी के मौसम में पानी की सप्लाई के समय बिजली कट लग जाते हैं। वहीं कई बार बिजली फाल्ट होने पर गांव में कई-कई दिन तक पीने के पानी की सप्लाई नहीं मिल पाती है। जिससें लोगों को पानी खरीदकर पीना पड़ता है।

> **गांव** में बिजली कटौती व फाल्ट होते ही पीने के पानी की सप्लाई बाधित हो जाती है। जिसकी वजह से ग्रामीणों को पानी खरीदकर लाना पड़ता है।
>
> **-राम सिंह, ग्रामीण**

> **घुघेरा** वाटर वकर्स पर जरनेटर की सुविधा नहीं होने से बिजली के जाते ही पीने के पानी की सप्लाई बाधित हो जाती है। वाटर वर्क्स पर जरनेटर लगाया जाए। जिससे हर मौसम में पीने के पानी की सप्लाई हो सके।
>
> **-जोगेंद्र सिंह, ग्रामीण**

संक्षिप्त समाचार

मिट्टी बचाओ स्वास्थ्य पाओ का दिया संदेश

पलवल। विश्व मृदा दिवस पर मिशन प्रकृति बचाओ पर्यावरण सचेतक समिति द्वारा राजीव नगर में संस्था पदाधिकारी गजेंद्र व प्रमोद के विवाहोत्सव में लोगों को मिट्टी के स्वस्थ रखने से ही अपने स्वास्थ्य को बचाने का संदेश दिया गया। उपस्थित लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए संस्था संयोजक डॉ. आचार्य राम कुमार बघेल ने बताया कि पेड़-पौधों तथा फसलों पर विभिन्न जहरीले छिड़काव आदि से मिट्टी में उपस्थित मित्र कीट तथा हम सभी का स्वास्थ्य भी प्रभावित होता है। पेड़-पौधों का अधिक से अधिक रोपण तथा नुकसानदायक केमिकलों का उपयोग बंद कर मिट्टी के स्वास्थ्य के साथ-साथ सबके स्वास्थ्य को भी बचाया जा सकता है। स्वच्छ जलस्त्रोत, वृक्षों तथा सभी जीवों का स्वास्थ्य तथा सुरक्षा करें। हम सभी का जीवन स्वस्थ मिट्टी पर ही निर्भर है। इस अवसर पर अमरपाल, लाला ठेकेदार, ओमप्रकाश, हरस्वरूप, रूपचंद, नरेश, डॉ. कौशल, विजयपाल, लख्मी, सतवीर सहित बच्चे व महिलाएं भी उपस्थित रहे।

आल्हापुर में हो रहे अवैध निर्माण पर चला पीला पंजा

पलवल। जिला नगर योजनाकार पलवल द्वारा गांव आल्हापुर में अवैध निर्माण ढहाया गया। जहां लगभग सात एकड़ में पनप रही दो अवैध कॉलोनियों में पांच डीपीसी, 700 मीटर रोड नेटवर्क को तोड़ा गया। तोड़फोड़ की कार्रवाई के दौरान ड्यूटी मजिस्ट्रेट एवं फील्ड स्टाफ व पुलिस बल मौजूद थे। जिला नगर योजनाकार पलवल नरेंद्र नैन ने बताया कि विभाग द्वारा की जा रही तोड़फोड़ में और सख्ती बरती जायेगी, ताकि अवैध कॉलोनी काटने व उसमें निर्माण करने वाले मंसूबे पुरे न हो सकें और समय रहते पनप रहे अवैध निर्माण को तोड़ा जा सके। सभी अवैध कॉलोनियों में जन साधारण को जागरूक करने के लिए चेतावनी बोर्ड भी लगाये जा चुके हैं। उन्होंने आम जनता से अनुरोध किया है कि अवैध कॉलोनियों में भू माफियाओं के बहकावे में आकर प्लॉट न खरीदें व अपनी मेहनत की कमाई को बर्बाद न होने दें, क्योकि अवैध कॉलोनियों में सरकार द्वारा किसी भी प्रकार की सुविधा नहीं दी जाती है। कोई भी अवैध कॉलोनी व निर्माण करने से पहले सरकार से नियमानुसार अनुमति लें। अवैध कॉलोनी व निर्माण को किसी भी समय अधिनियम के प्रावधान में गिराया जा सकता है।

स्काउट कैंप में आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया

फरीदाबाद। रामानुज एजुकेशनल कॉलेज औरंगाबाद पलवल में तीन दिवसीय भारत स्काउट एंड गाइड्स कैंप के अंतर्गत विद्यार्थियों को टेंट पिचिंग तथा आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम की विशेष जानकारी देते हुए जिला संगठन आयुक्त योगेश सौरोत ने बताया प्रशिक्षित अध्यापकों कठिन परिस्थितियों पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। इसके अंतर्गत आगजनी, बाढ़ तथा भूकंप के समय बरतनी वाली विभिन्न सावधानियों के साथ-साथ बचाव के कार्यों के बारे में प्रशिक्षण दिया गया है। इस अवसर पर टाइगर, रोज, लोटस, लीली, मेरीगोल्ड आदि पेट्रोल द्वारा टेंट पिचिंग तथा फूड प्लाजा प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया है। निर्णायक मंडल की भूमिका डीओसी कब बुलबुल भारत दहिया, संजू बाला, शारदा पाराशर, विष्णु गौड तथा अर्चना द्वारा निभाई गई।

यह ऑटोमेशन का दौर है : डॉ. राज नेहरू

फरीदाबाद। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. राज नेहरू ने कहा कि यह दौर ऑटोमेशन का है। इससे कार्य शीघ्रता से संपन्न होंगे और उनके क्रियान्वयन में सटीकता आएगी। वह परीक्षा तंत्र के लिए वेब बेस्ड प्लेटफार्म को लांच करते हुए बोल रहे थे। इसके माध्यम से परीक्षा तंत्र का काफी काम ऑटोमेशन पर हो जाएगा। विश्वविद्यालय के विद्यार्थी और संबद्ध महाविद्यालयों के विद्यार्थी अपने एडमिट कार्ड ऑनलाइन डाउनलोड कर सकेंगे। साथ ही रि-अपीयर के लिए भी आवेदन किए जा सकेंगे। कुलपति डॉ. राज नेहरू ने इस पहल के लिए परीक्षा नियंत्रक प्रोफेसर निर्मल सिंह को बधाई दी और वेब प्लेटफार्म डेवलप करने के लिए वेब एडमिनिस्ट्रेटर प्रवीण आर्य की पीठ थपथपाई। कुलपति डॉ. राज नेहरू ने कहा कि हमें ऑटोमेशन की ओर तेजी से बढ़ना होगा। तकनीक का अधिक से अधिक इस्तेमाल करने के लिए भी उन्होंने प्रेरित किया। इस अवसर पर उप कुलसचिव अंजू मलिक, पीयूष चक्रवर्ती, अधीक्षक प्रवीण कुमार व सुंदर सिंह सहित परीक्षा शाखा के अन्य कर्मी भी उपस्थित थे।

नवीन गोयल ने शूटिंग खिलाड़ी ईशान को किया सम्मानित

25 मीटर पिस्टल शूटिंग में राष्ट्रीय स्तर पर हुआ है ईशान का चयन

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए सदैव तत्पर रहने वाले पर्यावरण संरक्षण विभाग भाजपा हरियाणा के प्रमुख एवं एक भारत श्रेष्ठ भारत कमेटी के प्रदेश सह-संयोजक नवीन गोयल ने राष्ट्रीय स्तर के पिस्टल शूटिंग खिलाड़ी ईशान यादव को सम्मानित किया।

ओपन स्काई सेक्टर-5 में पढ़ रहे ईशान यादव का 25 मीटर पिस्टल शूटिंग में राष्ट्रीय स्तर की चैंपियनशिप के लिए चयन हुआ है। ईशान को पौधा भेंटकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही पर्यावरण के प्रति सकारात्मक कार्य करने का भी आह्वान किया। नवीन गोयल ने कहा कि ईशान के नाना जीत सिंह यादव की आशीर्वाद और उनकी शिक्षाओं पर चलते हुए ईशान जैसे अनेक युवा अपने बुजुर्गों का मस्तक ऊंचा कर रहे हैं। ऐसा होना भी चाहिए। बुजुर्गों की शिक्षा और आशीर्वाद उनके जीवन का बड़ा तजुर्बा होता है। हर व्यक्ति को यह लेना चाहिए। नवीन गोयल ने ईशान के पिता संदीप यादव, माता माध्वी यादव, दादी उर्मिला यादव, दादा सुभाष चंद्र यादव, बहन इशिका यादव, कोच दिनेश कुमार यादव, बिट्टू यादव, रोहित पान्नू, राहुल यादव समेत सभी परिवारजनों को ईशान की इस सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। साथ ही भविष्य में मेडल लेकर लौटने पर भव्य स्वागत करने की बात कही।

नवीन गोयल ने कहा कि खिलाड़ी चाहे ग्रामीण स्तर का हो या फिर जिला, राज्य या राष्ट्रीय। हमें हर खिलाड़ी का हौसला बढ़ाना चाहिए। उनकी प्रतिभा को निखारने में अपनी भूमिका अदा करनी चाहिए। सुविधाओं के अभाव और समय पर जरूरतों की कमी से किसी भी खिलाड़ी की प्रतिभा खत्म नहीं होनी चाहिए। जिस तरह से एक सैनिक पूरे देश और समाज का होता है, इसी तरह से खिलाड़ी भी देश और समाज के होते हैं। जब वे अपनी प्रतिभा दिखाकर राष्ट्रमंडल, ओलंपिक समेत बड़े खेलों में मेडल लेकर लौटते हैं तो सभी को खुशी होती है। उस समय हमें कोई धर्म, जात नजर नहीं आती, सिर्फ अपना देश और देश का खिलाड़ी नजर आता है। किसी भी खिलाड़ी का हौसला इसी से बढ़ता है कि उसे उनके देश में कितना प्रोत्साहन मिलता है।

गुरुग्राम में शूटिंग खिलाड़ी ईशान यादव का सम्मान करते नवीन गोयल।

कार की टक्कर से बाइक सवार दंपति घायल

सोहना। बल्लभगढ़-सोहना मार्ग पर गांव मंडावर के निकट कार की सीधी टक्कर से बाइक सवार दंपति घायल हो गए। घायल दंपति को फरीदाबाद के निजी अस्पताल में दाखिल कराया। सोहना सदर थाना पुलिस ने पीड़ित पति की शिकायत पर आरोपी कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

फरीदाबाद का गांव लोधीपुरा निवासी ईरफान ने पुलिस को बताया कि वह 29 नवंबर को निमोठ से अपने घर जा रहा था। वह और उसकी पत्नी साहनी बाइक पर थे। जब वे मांग मंडावर के पास पहुंचे। तभी सामने से तेज गति से लहराती हुई बाइक और उसकी बाइक में टक्कर मार दी। जिससे वह बाइक और पत्नी समेत सड़क पर गिर गए।

सड़क पर गिरने से उसे, उसकी पत्नी को चोटें आई और बाइक को काफी नुकसान हो गया। सड़क पर आने जाने वालों ने उन्हे निजी वाहन की मदद से निजी अस्पताल में दाखिल कराया। जहा से डॉक्टरों ने उन्हे फरीदाबाद के बीके अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। लेकिन उन्होंने अन्य अस्पताल में दाखिल होकर उपचार लिया। वह और उसकी पत्नी खतरे से बाहर है।

स्पा सेंटर की आड़ में देह व्यापार दो सेंटर से तीन आरोपी गिरफ्तार

फर्जी ग्राहक भेजकर देह व्यापार का किया भंडाफोड़

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

स्पा सेंटर की आड़ में देह व्यापार कराने की सूचना पर पुलिस ने दो स्पा सेंटर में छापेमारी की। इस दौरान वहां से तीन आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया। मंगलवार को पुलिस प्रवक्ता सुभाष बोकन ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज करके जांच शुरू कर दी गई है।

जानकारी के अनुसार पुलिस को सूचना मिली थी कि कुतुब प्लाजा मार्केट डीएलएफ फेज-1 गुरुग्राम में 2 स्पा सेंटर में वेश्यावृत्ति/देह व्यापार कराया जाता है। वहां पर आने वाले ग्राहकों से रेट फिक्स करके महिलाओं से देह व्यापार करवाया जाता है। सहायक पुलिस आयुक्त मुख्यालय सुशीला के नेतृत्व में एक विशेष पुलिस टीम गठित की गई। पुलिस टीम द्वारा कानून की औपचारिकताओं को पूरा करते हुए पुलिस टीम द्वारा अपने बोगस/फर्जी ग्राहक बनाकर कुतुब प्लाजा मार्केट में स्थित लोटस स्पा व यूनिक स्पा में भेजा गया। वहां रेट फिक्स करके देह व्यापार के लिए लड़कियों की मांग की गई। पुलिस के फर्जी/बोगस ग्राहकों को उपरोक्त दोनों सेंटर्स के मैनेजर्स/संचालकों द्वारा रुपए लेकर देह व्यापार के लिए लड़कियां उपलब्ध करवाई गई। इसी दौरान पुलिस टीम द्वारा हिदायत देकर भेजे गए फर्जी/बोगस ग्रहकों द्वारा हिदायत अनुसार पुलिस टीम को सूचित किया। दो स्पा सेंटर से तीन आरोपियों को काबू किया गया है। पुलिस टीम द्वारा काबू किए गए आरोपी की पहचान लोटस स्पा सेंटर के मैनेजर सुजीत निवासी गांव जरमपुर जिला नदिया (प.बंगाल) व मेहर मिस्त्री उर्फ प्रीतम मिस्त्री निवासी खटीमा झनकईया, उधम सिंह नगर (उत्तराखंड) तथा यूनीक स्पा सेंटर से लुम्मिलासटगांता उर्फ आलम निवासी चकरपुर गुरुग्राम के रूप में हुई। आरोपियों ने पूछताछ में रुपए लेकर देह व्यापार कराने की बात स्वीकार की है। उनके खिलाफ केस दर्ज करके जांच शुरू की गई है।

गुरुग्राम में बिछाए जा चुके हैं 489 भूमिगत स्मार्ट फीडर: अग्रवाल

गुरुग्राम। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम बिजली उपभोक्ताओं को बेहतर बिजली आपूर्ति दे रहा है। बिजली निगम गुणवत्ता पूर्ण बिजली आपूर्ति करने के लिए प्रतिबद्ध है और निरंतर प्रयासरत है। स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के मुख्य अभियंता वीके अग्रवाल ने मंगलवार को जानकारी दी कि बिजली उपभोक्ताओं को सुचारू बिजली आपूर्ति के लिए स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत गुरुग्राम में 11 केवी के 489 फीडरों को भूमिगत बिछाया जा चुका है। इसमें से 482 फीडरों पर लोड चार्ज कर उन्हें चालू भी किया जा चुका है।

औद्योगिक क्षेत्र सेक्टर-37 और उसके आसपास के क्षेत्रों में इस समय 17 फीडर मौजूद हैं। स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए मौजूदा फीडरों के ओवर लोडिंग और लोड के विभाजन से बचने के लिए 17 फीडर से बढ़ाकर 25 फीडरों के माध्यम से आपूर्ति करने का प्रस्ताव है। आठ फीडरों का काम पूरा हो चुका है। इनमें से 5 को लोड पर ले लिया गया है। कार्यान्वयन कर्ता फर्म मेसर्स टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड की प्रतिबद्धता के अनुसार शेष फीडरों को पूरा करने का लक्ष्य तिथि 31 मार्च 2024 है। उन्होंने बताया कि बेहतर बिजली आपूर्ति के लिए और औद्योगिक क्षेत्र को समस्या से बचाने के लिए शटडाउन रविवार को ही लिया जाता है। यह थोड़े समय का शटडाउन उपभोक्ताओं को भविष्य में बेहतर बिजली आपूर्ति करने का प्रयास है।

एसडीएम को पत्र लिख प्रधानाचार्य ने राजकीय स्कूल के लिए की मांग

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

शहर के पुरानी तहसील परिसर को स्थानीय राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल प्रशासन ने एसडीएम को पत्र लिखते हुए छात्राओं को क्रीड़ा स्थल बनाए जाने के लिए मांग की है। खेल का मैदान न होने से छात्राएं स्कूल स्तर से लेकर खंड, जिला और प्रदेश स्तरीय खेलों में भाग नहीं ले पाती है।

स्थानीय राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल के प्रधानार्य जयबीर सिंह ने एसडीएम प्रदीप सिंह को पत्र लिखते हुए शिक्षा प्राप्त कर रही करीब 2500 छात्राओं के लिए खेल का मैदान न होने की बात कही है। प्रधानाचार्य जयबीर सिंह ने एसडीएम को पत्र के माध्यक से मांग करते हुए बताया कि स्कूल के साथ लगता पुरानी तहसील परिसर की खाली जमीन को दिए जाने की मांग की है। इसके अलावा जमीन की कमी होने के कारण छात्राओं के बैठने के लिए भी प्रयाप्त मात्रा में कमरें नहीं है। शिक्षा विभाग और राजनीति स्तर पर छात्राओं के लिए कैमरें बनाएं जाने की मांग की जाती रही है। लेकिन जमीन न होने के कारण कमरों की मांग श्रेय नहीं चढ़ पा रही है।

> छात्राओं को खेलों को जोड़ने और स्कूल की जमीन की कमी को पूरा करने के लिए पुरानी तहसील जमीन की मांग की जा रही है। उक्त परिसर में मिलने से छात्राओं खेलने के लिए, मैदान और कमरों की कमी की समस्या दूर हो जाएगी।
>
> **(जयबीर सिंह-प्रधानाचार्य राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल)**

छात्राएं खेलों से दूर : एक तरफ प्रदेश सरकार खेलों में बढ़ावा देने के लिए खेल स्टेडियम ग्राम पंचायतों में बना रही है। लेकिन स्थानीय स्कूल में जमीन न होने के कारण कबड्डी खेलने के लिए भी मैदान तक नहीं है। छात्राएं स्कूल में मैदान न होने के कारण खेलों के क्षेत्र में अपने अंदर छिपी प्रतिभा का प्रदर्शन नहीं कर पा रही है। छात्राएं जबकि आज लड़कियां किसी भी क्षेत्र में लड़कों से पीछे नहीं है।

शहरवासी कर चुके हैं विधायक से मांग : इससे पहले एक दिसंबर को शहरवासी विधायक संजय सिंह के साथ हुई बैठक में छात्राओं के लिए पुरानी तहसील परिसर के खाली मैदान को दिए जाने की मांग कर चुके है। विधायक संजय सिंह ने शहरवासियों को पुरानी तहसील परिसर को स्कूल के नाम कराए जाने का आश्वासन दिया है।

सारथी फाउंडेशन व भारत-तिब्बत सहयोग मंच ने वितरित किए खाद्य पदार्थो के 11 हजार पैकेट

स्कूलों और एनजीओ में पढ़ने वाले बच्चों को भी वितरित की गई खाद्य सामग्री

गुरुग्राम। सारथी फाउंडेशन, भारत-तिब्बत सहयोग मंच के संयुक्त तत्वावधान में सीडी इंटरनेशनल स्कूल सेक्टर-71 के प्रांगण से की गई शुरुआत के साथ ही एक सप्ताह में 11000 खाद्य पदार्थो के पैकेट वितरण अभियान पूरा हो गया है। ये खाद्य पदार्थों के पैकेट स्कूली बच्चों और एनजीओ के बच्चों को वितरित किए गए। समापन अवसर पर अर्थ सेवियर्स फाउंडेशन परिसर में लावारिस बुजुर्गों व अन्य को खाद्य पदार्थ वितरित किए गए।

सारथी फाउंडेशन के महासचिव एवं भारत तिब्बत सहयोग मंच के हरियाणा प्रांत संयोजक अमित गोयल व सारथी फाउंडेशन की अध्यक्ष लता सिंह के मुताबिक समाज में एक जिम्मेदारी संस्था होने का फर्ज निर्वहन करते हुए उन्होंने इस कार्य में कदम बढ़ाया। बच्चों के प्रति हम सबका अच्छा नजरिया होना चाहिए। यह भी संदेश इस अभियान में दिया गया। अमित गोयल ने कहा कि समाज के प्रति कुछ देने की सोच के साथ यह कदम बढ़ाया गया। उन्हें खुशी है कि उनके प्रयासों से 11 हजार बच्चों के चेहरों पर मुस्कान आई। ऐसी मुस्कान किसी कीमत पर खरीदी नहीं जा सकती।

गुरुग्राम के बंधवाड़ी स्थित अर्थ सेवियर्स फाउंडेशन में खाद्य पदार्थों के पैकेट वितरित करते संस्थाओं के सदस्य।

इस अभियान के पूर्ण होने पर स्कूलों, संस्थाओं के मुखियाओं ने सारथी फाउंडेशन के महासचिव एवं भारत तिब्बत सहयोग मंच के हरियाणा प्रांत संयोजक अमित गोयल तथा सारथी फाउंडेशन की अध्यक्ष लता सिंह के प्रयासों को सराहा। वरिष्ठ पत्रकार राज वर्मा, आईसीएआई के चेयरमैन अमित गुप्ता, इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के सचिव गुंजन मेहता, शिव सिंघल, निशांत अहलावत, रवि बंसल, राजीव मित्तल, हरि गोयल तलवाड़िया, जितेंद्र राठौर, रामनिवास सैनी आदि ने भी संस्थाओं के इस संयुक्त अभियान की सराहना की।

ओडिसी नृत्यांगना श्रुति बरुआ के समर्पण ने शहर के दर्शकों का दिल जीत लिया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कलात्मकता, लालित्य और अभिनय कौशल के एक मनमोहक प्रदर्शन में, प्रसिद्ध ओडिसी नृत्यांगना श्रीमती सरस्वती बरुआ द्वारा निर्देशित और उनके निपुण शिष्यों द्वारा प्रस्तुत वार्षिक ओडिसी नृत्य प्रदर्शन "समर्पण" ने नई दिल्ली के बिपिन चंद्र पाल मेमोरियल भवन में सैकड़ों दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस मनमोहक कार्यक्रम ने श्रीमती श्रुति बरुआ के ओडिसी नृत्य संस्थान, नृत्यनर्तां की 21 वर्षों की विरासत की परिणति को चिह्नित किया।

"समर्पण" जिसका अर्थ है "पूर्ण समर्पण", ने ओडिसी नृत्यांगनाओं की अपने कला, अपने गुरु, अपने देवताओं, अपने माता-पिता और दर्शकों के प्रति अटूट भक्ति के सार को स्पष्ट रूप से व्यक्त किया। प्रदर्शन उत्कृष्ट रूप से नृत्यरचनाओं की एक श्रृंखला के साथ प्रकट हुआ

7 से 20 वर्ष की आयु के नर्तकियों के प्रदर्शन की शुरुआत पूज्य गुरु, गुरुवे न मह के स्तुतिगान के साथ हुई, उसके बाद शुभ मंगलाचरण हुआ, जिसने आध्यात्मिक और कलात्मक अन्वेषण की यात्रा के लिए मंच तैयार किया। इसके बाद नर्तकियों ने बद्ध, चंदन चर्चिता, मोक्ष, श्री राम चंद्र, बसंत पल्लवी, जटा कटा और गुरु वश्टकम के अपने प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रत्येक रचना ने नर्तकियों की ओडिसी की जटिल बारीकियों में महारत को प्रदर्शित किया, जिससे वे लय, मुद्रा और चेहरे के भावों को सहजता से मिलाकर भावनाओं की एक सिम्फनी को व्यक्त कर सकें।

इस कार्यक्रम में न्यायमूर्ति श्रीमती गीता मित्तल (सेवानिवृत्त), श्रीमती सीमा जेरे बिष्ट, आईआरएस महानिदेशक, केंद्रीय उत्पाद शुल्क और सीमा शुल्क बोर्ड, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार और विश्व प्रसिद्ध कथक नर्तकियों पद्मश्री नलिनी और कमलिनी सहित गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति से धन्य थे। शास्त्रीय ओडिसी नृत्य में तीन दशकों के अनुभव के साथ एक प्रतिष्ठित कलाकार और कोरियोग्राफर, श्रीमती श्रुति बरुआ ने भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित और बढ़ावा देने के महत्व पर जोर दिया। "संस्कृति हमारी पहचान की आधारशिला है, जो हमें व्यक्तियों के रूप में और एक राष्ट्र के रूप में गढ़ती है। हमारे शास्त्रीय नृत्य और संगीत रूप अमूल्य खजाने हैं जिन्हें हमें पोषित करना चाहिए।

इनड्राइव आउटस्टेशन के द्वारा यात्री अन्य शहरों के लिए अपनी कीमत खुद तय करे

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

छुट्टियों के मौसम की शुरुआत होने वाली है, इस लोग घूमना-फिरना पसंद करते हैं, या तो अपने माता-पिता या दोस्तों से मिलने दूसरे शहर जा रहे हैं, व्यापारिक यात्राओं के लिए जा रहे हैं या देश में घूम घूम कर नए स्थानों की खोज कर रहे हैं। इनड्राइव आउटस्टेशन तेजी से और निष्पक्ष तरीके से इंटरसिटी यात्राएं आयोजित करने के लिए बनाया गया है, जहां यात्री यात्रा के लिए अपनी कीमत खुद तय कर सकते हैं।

इनड्राइव के आंकड़ों के अनुसार, कुछ स्थान ऐसे भी हैं जहां त्योहार के सीजन के दौरान मांग में उछाल आ जाता है। उदाहरण के लिए, 2022 में दिल्ली से लखनऊ और दिल्ली से चंडीगढ़ के ऑर्डर में 3 गुना वृद्धि हुई। दिल्ली से कानपुर तक दोगुना और दिल्ली से चंडीगढ़ तक 2.5 गुना अधिक ऑर्डर दिए गए। भारत में, त्योहार परिवारों के मिलने का और उत्सव का समय होता हैं। इनड्राइव.आउटस्टेशन के साथ, लोग सैकड़ों अलग-अलग शहरों में घूम सकते हैं, एक वेरीफाइड ड्राइवर चुन सकते हैं और अपना किराया खुद आगे से बता सकते हैं।

दक्षिण एशिया पीआर मैनेजर पवित नंदा आनंद ने कहा, "इनड्राइव.आउटस्टेशन छुट्टियों के मौसम और साल के बाकी दिनों में शहरों के बीच और लंबी दूरी के लिए ऐसी आरामदायक और सुरक्षित यात्रा को सरल बनाता है। परिवार से मिलने या किसी नई जगह पर आराम से छुट्टियां बिताने का अवसर एक शानदार 'सेट योर ओन प्राइस' मॉडल के साथ आते हैं। यात्री पहले अपनी कीमत बताता है और ड्राइवर या तो इसे स्वीकार कर सकते हैं या मोल भाव कर सकते हैं। यात्री किराया, ड्राइवर रेटिंग और जिस प्रकार की कार में वे यात्रा करना चाहते हैं, उसके आधार पर सवारी चुन सकते हैं। इनड्राइव आउटस्टेशन के साथ एशिया बिजनस डेवलपमेंट स्पेशलिस्ट आकार कुमार ने कहा, "इनड्राइव आउटस्टेशन हमारे अनूठे मॉडल के कारण भारत भर में विस्तार कर रहा है - सबसे पहले, हमारे यात्री अपनी कीमत खुद निर्धारित कर सकते हैं। दूसरा, हम अधिक कवरेज प्रदान देते हैं जो सार्वजनिक परिवहन केंद्रों तक सीमित नहीं है।

रक्त दान से बचाई जा सकती है जरूरतमंद लोगों की जान: सत्यप्रकाश जरावता

गुरुग्राम। पटौदी के विधायक सत्यप्रकाश जरावता ने कहा कि रक्तदान से जरूरतमंद लोगों की जान बचाई जा सकती है। रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है। दुनिया में हर चीज को बनाया जा सकता है, लेकिन रक्त की एक बूंद को किसी भी तकनीक से नहीं बनाया जा सकता है। वे मंगलवार को फरुखनगर स्थित गति कंपनी के वेयर हाउस में आयोजित रक्तदान शिविर में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि एक स्वस्थ व्यक्ति को समय-समय पर रक्तदान करते रहना चाहिए। इससे जरूरतमंदों को रक्त की पूर्ति होगी और रक्त दाता भी स्वस्थ रहेगा। विधायक ने कहा कि रक्तदान करने को लेकर लोगों के बीच भ्रांतियां फैली रहती हैं कि इससे हमारा शरीर कमजोर होता है। ऐसा कुछ नहीं होता। कोई भी व्यक्ति डॉक्टर की देखरेख में अगर रक्तदान करता है तो उसे किसी प्रकार की परेशानी नहीं होती है। शिविर में सरपंच एसोसिएशन गुरुग्राम के अध्यक्ष सुंदर लाल यादव ने कहा कि कोरोना काल में लोगों ने मौत को करीब से देखा है। हमें यह प्रण लेना चाहिए कि मानव की भलाई के लिए हमें कार्य करना है। हम रक्तदान कर न जाने कितने लोगों को जीवनदान दे सकते हैं। इसलिए हमें नियमित समय पर रक्तदान करते रहना चाहिए। इस दौरान 100 से अधिक यूनिट रक्तदान किया गया। इस दौरान एनसीआर के ऑपरेशन हेड वरुण आहूजा, डिस्ट्रीब्यूशन मैनेजर फखबगनर जयदीप शर्मा, जयप्रकाश, नरेंद्र शर्मा, दिनेश वालिया और जितेंद्र भी मौजूद रहे।

फरुखनगर स्थित गति कंपनी के वेयर हाउस में आयोजित रक्त दान शिविर का शुभारंभ करते पटौदी के विधायक सत्यप्रकाश जरावता व सरपंच एसोसिएशन गुरुग्राम के अध्यक्ष सरपंच सुंदर लाल यादव।

डाबर वाटिका ने लॉन्च किया 'रोजमैरी हेयर ग्रोथ ऑयल, हिबिस्कस और कोकोनट ऑयल के साथ'

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

देश की प्रमुख नैचुरल पर्सनल केयर कंपनी डाबर इंडिया लिमिटेड ने आज अपने ब्राण्ड वाटिका के तहत नए हेयर ऑयल के लॉन्च के साथ हेयर केयर की दुनिया में एक और बड़े इनोवेशन की घोषणा की। डाबर वाटिका की ओर से लॉन्च किया यह हेयर ऑयल रोजमैरी, हिबिस्कस और कोकोनट के गुणों से भरपूर है।

'हमारी वाटिका फैमिली में नया 'डाबर वाटिका रोजमैरी हेयर ग्रोथ ऑयल विद हिबिस्कस एंड कोकोनट ऑयल' लॉन्च करते हुए हमें बेहद खुशी का अनुभव हो रहा है। यह नया हेयर ऑयल रोजमैरी, कोकोनट ऑयल और हिबिस्कस के गुणों से भरपूर है। हेयर केयर की बदलती जरूरतों को देखते हुए हम अपनी मौजूदा प्रोडक्ट रेंज में यह नया एडीशन लेकर आए हैं। आजकल आहार, जीवनशैली, प्रदूषण और तनाव की वजह से बालों की समस्याएं बढ़ रही हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए डाबर वाटिका ने डर्मेटोलोजिस्ट्स की मदद से यह स्पेशल प्रोडक्ट तैयार किया है। डर्मेटोलॉजिस्ट की मदद से तैयार किया गया और जांचा-परखा गया यह हेयर ऑयल शक्तिशाली समाधान है जो आपके बालों की पूरी देखभाल करेगा।' डाबर इंडिया लिमिटेड में हेयर केयर के मार्केटिंग हैड अंकुर कुमार ने कहा। नए वाटिका रोजमैरी हेयर ऑयल 200 एमएल- प्रीमियम मोनो कार्टून पैक में 550 रुपए की कीमत पर उपलब्ध है। इस हेयर ऑयल के नियमित इस्तेमाल से आपके बाल मजबूत और चमकदार हो जाएंगे। इस ऑयल को गहन आर एण्ड डी के बाद तैयार किया गया है, जो बालों की समस्याओं को दूर कर इन्हें प्राकृतिक रूप से स्वस्थ बनाएगा।'

'डाबर वाटिका रोजमैरी हेयर ग्रोथ ऑयल, एक आम हेयर केयर प्रोडक्ट से कहीं बढ़कर है। यह उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्ता के प्रोडक्ट्स उपलब्ध कराने की ब्राण्ड की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो उनके बालों को प्राकृतिक रूप से खूबसूरत बना देगा। तो डाबर वाटिका के साथ पाएं, मजबूत, घने और खूबसूरत बाल!"

पीपीपी में सुधार व सदस्यों के नाम जोड़ने, हटाने की सुविधा फिर से शुरू: मंगतराम बागड़ी

गुरुग्राम। पूर्व निगम पार्षद, मंगत राम बागड़ी ने हरियाणा सरकार के परिवार पहचान पत्र (पीपीपी) में सुधार और पारिवारिक सदस्यों के नाम जोड़ने व डिलीट करने की सुविधा पुन: शुरू करने के निर्णय का स्वागत किया है। उन्होंने कहा है कि यह गुरुग्राम सहित प्रदेश के अन्य जिला के निवासियों की मांग थी और प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने जनहित में यह निर्णय लिया है जो स्वागत योग्य है।

भाजपा नेता मंगतराम बागड़ी ने कहा कि इस संबंध में इस योजना के स्टेट कोर्डिनेटर डॉ. सतीश खोला द्वारा मीडिया को जारी सूचना से लोगों को बड़ी राहत मिली है। इस नई व्यवस्था से हजारों परिवारों की कठिनाई दूर होगी, जिन्हें इसके कारण सरकारी सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा था। बागड़ी ने कहा कि उन्होंने पीपीपी में जनता की आवश्यकताओं के अनुरूप सुधार करने की सुविधा मुहैया करवाने की मांग कई बार प्रशासन से की थी।

मंगतराम बागड़ी।

अब प्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने जनहित में यह निर्णय लेकर प्रदेश की जनता को बड़ी राहत देने का काम किया है। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री का आभार जताया। पूर्व पार्षद का कहना है कि सामाजिक सुरक्षा के नाम पर पिछली सरकारों के जमाने में होने वाले घोटाले पर रोक लगाने के लिए पीपीपी एक अच्छी व्यवस्था है।

सेल्सफोर्स रन 2023 : एक बड़ी सफलता जिसने दिलों और 'सोल्स' को संगठित किया!

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

सेल्सफोर्स रन 2023 के सार में है - रोमांच, हँसी, आशा, भाईचारा और एक संयुक्त लक्ष्य के साथ और बहुत कुछ। सेल्सफोर्स के 3500 से ज्यादा कर्मचारियों, उनके परिवार, फ्यूचरफोर्स के सहकर्मियों, हमारे स्टार्टअप प्रोग्राम के सदस्यों और ग्राहकों ने एक उज्जवल भविष्य की ओर बढ़ते हुए रनिंग में हिस्सा लिया, जिसमें संबंध और समुदाय का महत्व सबसे ज्यादा है।

एक संगठित सेल्सफोर्स परिवार के रूप में, हमने मिलकर 1.8 लाख किलोमीटर और 40,000 वीटीओ घंटे से ज्यादा समय तक इस रन में अपना योगदान दिया। इसकी सबसे अच्छी बात क्या थी? हर कदम ने न केवल अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने का स्मरण कराया, बल्कि एक महत्वपूर्ण व सकारात्मक परिवर्तन लाने में भी अपना योगदान दिया।

1. मुस्कान के लिए मील : एक उद्देश्य के लिए दौड़ना

इस रन के लिए उठाया गया हर कदम किसी के सपने पूरे करने की ओर उठाया गया एक बड़ा कदम था। हमारे कर्मचारियों या हमारे प्रियजनों द्वारा दौड़कर या चलकर तय किए गए हर किलोमीटर के लिए, सेल्सफोर्स ने चुने गए चैरिटेबल कार्यों के लिए अपना योगदान दिया। सेल्सफोर्स इंडिया परिवार के इस सामूहिक प्रयास द्वारा इन दो उद्देश्यों के लिए महत्वपूर्ण योगदान मिला।

2. बाल शिक्षा

टीच फॉर इंडिया के साथ साझेदारी में, हमारा उद्देश्य 200 वंचित विद्यार्थियों का सहयोग करना और उनके विकास को कक्षा के अंदर एवं उसके बाद संभव बनाकर उन्हें सफलता की ओर ले जाना है।

3. जैव विविधता का संरक्षण

ग्रीन यात्रा के साथ साझेदारी में, हम मियावाकी वन क्षेत्र में 9,000 स्थानीय पौधे लगाएंगे, ताकि विभिन्न वनस्पतियों और जंतु जीवन के लिए एक अभयारण्य केस विकास हो सके।

प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी से तीन राज्यों में पूर्ण बहुमत से जीती भाजपा

पायनियर समाचार सेवा। मेवात

राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में बीजेपी की ऐतिहासिक जीत के पीछे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जनता के बीच में एक गारंटी वाला रिश्ता है । यही कारण है कि जनता उन पर दिल खोलकर भरोसा करती है। उक्त वक्तव्य पंचनद ट्रस्ट से जुड़े भाजपा नेता दीपक सतीजा ने कहे।

दीपक सतीजा एडवोकेट ने कहा कि राजस्थान में बीजेपी की जीत का श्रेय हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल को भी जाता है। उन्होंने कहा कि कामां, नगर, डीग, तिजारा सहित लगभग एक दर्जन हरियाणा सीमा से लगती विधानसभा क्षेत्रों में बीजेपी की जीत के पीछे मनोहर लाल की ईमानदार छवि और जनहित में काम करने की पारदर्शी सोच का भरपूर लाभ मिला है। दीपक सतीजा ने कहा हरियाणा में बिना भेदभाव से मैरिट पर नौकरी देना और सरकारी योजनाओं को ऑनलाइन करने का

दीपक सतीजा एडवोकेट।

राजस्थान की जनता ने खूब पसंद किया है। भाजपा नेता के मुताबिक भरतपुर जिला की मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र कामां में हरियाणा मेवात की दलित बेटी नौक्षम चौधरी की जीत का सारा श्रेय मनोहर लाल को जाता है। क्योंकि हरियाणा मेवात में नौक्षम चौधरी ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल की रहनुमाई में जो विकास कार्य कराये थे, उसकी वजह से नौक्षम चौधरी की कामां क्षेत्र में पूरी धूम मची रही और मुस्लिम समाज ने बीजेपी के पक्ष में भारी मतदान करके बीजेपी की जीत को सुनिश्चित किया।

उन्होंने कहा कि भरतपुर और अलवर जिला की सभी सीटों पर मुस्लिम समाज ने बीजेपी के पक्ष में बड़ी संख्या में मतदान किया है। इसलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुष्टिकरण से हटकर जो विकास नीति है। सबका साथ - सबका विकास - सबका विश्वास और सबका प्रयास के तहत आगामी लोकसभा और विधानसभा चुनावों में भारी बहुमत से फिर से सरकार बनायेंगे। दीपक सतीजा ने कहा कि विदेश से तालीम हासिल करके आई मेवात की बेटी नौक्षम चौधरी को कैबिनेट मंत्री बनाया जाए ताकि महिलाओं के साथ - साथ राजस्थान के मेवात क्षेत्र की तेजी से तरक्की हो सके।

नगर निगम गुरुग्राम ने 60 कर्तव्यनिष्ठ सफाई कर्मचारियों को किया सम्मानित

गुरुग्राम नगर निगम के सफाई कर्मचारियों को सम्मानित करते कमिश्नर पीसी मीणा।

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम द्वारा 60 कर्तव्यनिष्ठ सफाई कर्मचारियों को सम्मान दिया गया। ये कर्मचारी हड़ताल पर जाने की बजाए अपनी ड्यूटी का पालन करते हुए गुरुग्राम की सफाई व्यवस्था को बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

नगर निगम आयुक्त पीसी मीणा ने इन सभी कर्तव्यनिष्ठ कर्मचारियों का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि हमें ऐसे कर्मचारियों का सम्मान करते हुए खुशी हो रही है, जो जनता के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा से कर रहे हैं। ये कर्मचारी किसी के बहकावे में ना आकर अपनी ड्यूटी निभा रहे हैं तथा ऐसे कर्मचारियों की लगन व मेहनत के बल पर ही नगर निगम गुरुग्राम ने स्वच्छ सर्वेक्षण-2022 में 19वां स्थान प्राप्त किया था तथा पूरे हरियाणा प्रदेश में अव्वल रहे थे। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी हम इन कर्मचारियों की बदौलत ही टॉप-10 स्वच्छ शहरों में अपना स्थान बनाने में कामयाब हो सकेंगे।

संक्षिप्त समाचार

देशवासियों को आगे बढ़ाना संकल्प यात्रा का उद्देश्य

फरीदाबाद। विकसित भारत संकल्प यात्रा जनसंवाद की वैन मंगलवार को गांव कांवरा पहुंची, जहां गांव के सरपंच कृष्ण कुमार और ग्राम वासियों द्वारा इसका जोरदार तरीके से स्वागत किया गया। विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही कई कल्याणकारी योजनाओं के बारे में अधिकारियों द्वारा लोगों को जागरूक किया गया। सरपंच कृष्ण कुमार ने कहा कि भारत को विकसित भारत बनाने का लक्ष्य देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लिया गया और उस दिशा में देश आगे बढ़ रहा है। प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने भी जनसंवाद के माध्यम से जन समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर निपटान करने की पहल शुरू की, जिसके परिणाम स्वरूप प्रदेश के जनप्रतिनिधि लोगों के बीच पहुंचकर जनसंवाद के माध्यम से लोगों की परेशानियों को दूर करने का कार्य कर रहे हैं। विकसित भारत संकल्प यात्रा का उद्देश्य 130 करोड़ देशवासियों को आगे बढ़ाना है। कार्यक्रम के दौरान वहां मौजूद अधिकारियों के साथ ही सम्मानित सदस्यों तथा गांववासियों ने शपथ ली और कहा की विकसित भारत को लेकर तन मन धन से सहयोग करेंगे। कार्यक्रम में जिला बाल संरक्षण का फरीदाबाद एवं महिला एवं बाल विकास विभाग फरीदाबाद का स्टाल मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा। जिसमें पोषण अभियान के तहत प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के बारे महिलाओं को जानकारी दी गयी। गर्भवती महिलाओं को उनके रोजाना के खानपान में मोटा अनाज, अंकुरित मूंग दाल, चना और बाजरे से बने लड्डू, बाजरे की टिकिया, बाजरे की खिचड़ी, सलाद में चुकंदर, गाजर, मूली, टमाटर, खीरा, आवला तथा फलों में अमरूद, संतरा, अनार, केला इत्यादि के सेवन के बारे में बताया गया। कार्यक्रम के दौरान कृषि विभाग द्वारा नवीनतम कृषि को बढ़ावा देने को लेकर ड्रोन टेक्नोलॉजी प्रदर्शित की गई। इस अवसर पर किसान मोर्चा के अध्यक्ष सुखबीर मलेरना, एसएचओ महेंद्र, नंबरदार ईश्वर, हरिराम, पंचायत समिति के मेंबर कपिल भारद्वाज, मनीषा सिंह सहित अन्य अधिकारीगण व गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पारदर्शी वोटर लिस्ट ही पारदर्शी चुनाव का आधार

मेवात। निर्वाचन आयोग की तरफ से युवाओं एवं महिलाओं को नए वोट बनवाने पर आकर्षक उपहार देने की अनूठी पहल शुरू की है। इसके तहत पहली अक्टूबर से 9 दिसंबर तक नई वोट बनवाने वालों को 5 जनवरी 2024 को प्रकाशित मतदाता सूची से निकाले जाने वाले लकी ड्रा में लैपटॉप, स्मार्टफोन और पेन ड्राइव दिए जाएंगे। इसके अलावा इस अवधि के दौरान नए वोट बनवाने वाले मतदाताओं को टी-शर्ट प्रदान की जाएंगी। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी धीरेंद्र खड़गटा ने कहा कि पारदर्शी वोटर लिस्ट ही पारदर्शी चुनाव का आधार है। आयोग का मुख्य ध्येय पारदर्शी मतदाता सूची तैयार करना है। मतदाता बनने का शुरू हुआ त्योहार 'आओ भाग लेकर पाएं आकर्षक उपहार' की पहल प्रदेश के पात्र युवाओं एवं महिलाओं को प्रोत्साहित करने के लिए शुरू की गई है। उन्होंने बताया कि जिनका जन्म 2 जनवरी 2004 से एक जनवरी 2006 के बीच हुआ है और उन्होंने अपना वोट नहीं बनवाया है। ऐसे व्यक्ति वोटर हेल्पलाइन पर ऑनलाइन फार्म 6 भरकर मतदाता बन सकते हैं। इसके साथ ही आकर्षक ईनाम भी जीत सकते है। उन्होंने बताया कि जिनकी आयु जनवरी, अप्रैल, जुलाई व अक्टूबर में 18 वर्ष हो जाती निवार्चन आयोग द्वारा उन्हें नए वोट बनवाने का अवसर प्रदान किया जा रहा है। सभी पात्र व्यक्तियों को अपने वोट अवश्य बनवा लेने चाहिए। उपायुक्त ने बताया कि इसके अतिरिक्त मृतक व्यक्तियों के नाम मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि कि जिनकी आयु 18 वर्ष हो गई है, और अपना वोट बनवाने के लिए पात्र है। उन्हें वोट बनवाने के लिए स्थाई आवास का पता, जन्म तिथि तथा पासपोर्ट साइज का फोटो सहित तीनो की फोटो प्रतियां फार्म 6 के साथ लगानी होंगी। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन मतदाता सेवा पोर्टल के माध्यम से तथा ऑफलाइन बीएलओ के माध्यम से वोट बनवा सकते हैं। उन्होंने कहा कि यदि वोट बनवाने के लिए किसी भी तरह की दिक्कतें आती हैं तो वे वोटर हेल्पलाइन नंबर 1950 तथा वोटर हेल्पलाइन एप पर अपनी शिकायत दर्ज करवा सकते हैं।

अभिभावक बच्चों को करें साइबर क्राइम के प्रति जागरूक

मेवात। पुलिस अधीक्षक नूंह ने अभिभावकों को सलाह दी है कि वे अपने बच्चों को साइबर क्राइम के प्रति जागरूक करें। साथ ही कहा कि हम सब यह सुनिश्चित करना चाहते है कि हमारा बच्चा साइबर अपराध का शिकार न बने। इसके लिए हमें बच्चों की निगरानी करनी पड़ेगी। निगरानी की कमी खतरनाक साबित हो सकती है। हम अक्सर बच्चों को माता-पिता के उपकरणों के साथ-साथ संवेदनशील व्यक्तिगत वित्तीय डेटा तक माता-पिता की निगरानी के बिना एक्सेस करते देखते हैं। अपने माता-पिता के फोन तक पहुंच बेहद खतरनाक है क्योंकि बच्चे इंटरनेट पर हिंसक या आपत्तिजनक सामग्री के संपर्क में आ सकते हैं। अगर बच्चे अपने माता पिता की जानकारी के बिना उनकी ऑनलाइन बैंकिंग सुविधाओंका उपयोग कर ऑनलाइन शॉपिंग करते हैं तो कानूनी रूप से यह एक अपराध है। साइबर अपराध कंप्यूटर नेटवर्क, कंप्यूटर संसाधनों या समग्र रूप से डिजिटल संचार उपकरणों की मदद से किए गए अपराध हैं। जबकि बच्चे इस तरह के अपराधों के लिए सबसे अधिक संवेदनशील होते हैं वे किशोर अपराधियों में भी बदल सकते हैं यदि उन्हें उचित रूप से संवेदनशील नहीं बनाया गया है। कुछ ऐसे भी ऑनलाइन गेम है जो बच्चों को आत्महत्या तक के लिए प्रोत्साहित करते हैं। बच्चे ऑनलाइन गेम के दिखाये जाने वाले दृश्य व संचार आधारित मीडिया द्वारा दिखाई जाने वाली हर चीज सीखते हैं जबकि ये ऑनलाइन गेम उम्र प्रतिबंधों के साथ आते हैं परंतु देखने की बात यह है कि इनकी निगरानी कौन करता है। बच्चे अपने सोशल मीडिया या मैसेजिंग सेवाओं के माध्यम से बिना निगरानी और पर्यवेक्षण के इंटरनेट का उपयोग करते है और वे इंटरनेट के माध्यम से अजनबियो के संपर्क में रहते हैं। इंटरनेट के युग में स्कूल में भी इंटरनेट आधारित असाइनमेंट दिए जाते हैं लेकिन अध्यापकगण बच्चों को ठीक से संवेदनशील नहीं बनाते हैं। कई बच्चे अनजाने में मैसेजिंग साइट्स के जरिए अपने दोस्तों के साथ पर्सनल फोटो या सेल्फी शेयर करते हैं लेकिन ये छिपा हुआ उत्पीड़न हैं। अभिभावक ये कभी नहीं जान पाते कि सामग्री प्राप्त करने वाले बच्चे की अनुपस्थिति में कौन उसका फोन का उपयोग कर सकता है। उन्होंने ने कहा कि माता-पिता के पास अक्सर अपने बच्चों की निगरानी के लिए समय नहीं होता है।माता-पिता की निगरानी से बचने में बच्चे खुद भी होशियार हो गए हैं फिर भी अपने बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए कोशिश करें कि अपने डिजिटल डिवाइस से बच्चे को कभी शांत न करें।

सामाजिक संस्था उन्नति चैरिटेबल और रोटरी क्लब ने सोहना में की वृद्धाश्रम की शुरुआत

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

बेसहराओं की सेवा के लिए दानीदाताओं ने दिल खोलकर दान दिया। आश्रम में रहने वाले वृद्धों को संतान की कमी नहीं होने देने का संकल्प लिया। मंगलवार को शहर के वार्ड-20 में सामाजिक संगठन रोटरी और उन्नति चैरिटेबल ट्रस्ट के सयुक्त रुप से वृद्धाश्रम की शुरुआत की गई है। इस आश्रम के उद्घाटन अवसर पर आए समाज सेवियों ने मंच के माध्यम से दिल खोलकर चंदा दिया।

वक्ताओं ने वृद्ध आश्रम में रहने वाले बेसहाराओं की संतान बनकर सेवा करने का आश्वासन दिया। अपने निजी कोष से वृद्ध आश्रम चलाने के लिए दान दिया गया। वृद्ध आश्रम के सहयोग में क्षेत्र के शहरी और ग्रामीण आंचल से आए लोगों ने

मंगलवार को वृद्ध आश्रम में रहने वाले बुजुर्गों के लिए सेवादान देने वाले समाज सेवियों का सम्मान करते हुए ट्रस्ट के सदस्य।

वृद्धों की तन, मन और धन से सेवा करने का भरोसा दिया।

इस अवसर पर रोटरी क्लब गुरुग्राम से आए राजेंद्र जैन ने उन्नति चैरिटेबल के इस कदम की सहराना करते हुए वृद्धों की सेवा में आधी को भी तैयार रहने का भरोसा दिया। वृद्ध आश्रम के उद्घाटन अवसर पर आए समाज सेवियों के सहयोग को उन्नति चैरिटेबल ट्रस्ट की अध्यक्ष बबीता यादव और कोषाध्यक्ष बलबीर सिंह गब्दा ने व्यर्थ नहीं जाने देने का भरोसा दिया। बलबीर सिंह गब्दा ने ट्रस्ट में आने वाले बेसहारा वृद्ध को स्वास्थ्य से लेकर रहन-सहन, खान-पीने में कोई कमी नहीं आने दी देने का आश्वासन दिया। बबीता यादव ने वृद्धों के लिए योग आश्रम से लेकर उनकी दिनचर्या को खुशियों से भरा बनाया जाएगा। ताकि बेसहारा अपने जीवन की आखिरी सांस तक अपने आपको बेसहारा न समझें।

डेरा प्रेमी ने 30 हजार रुपये का मोबाइल लौटाकर दिया ईमानदारी का परिचय

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

डेरा सच्चा सौदा प्रमुख संत डा. गुरमीत राम रहीम सिंह की शिक्षाओं पर अमल करते हुए एक डेरा प्रेमी ने एक व्यक्ति का 30 हजार रुपये का मोबाइल लौटाकर ईमानदारी का परिचय दिया। मोबाइल मालिक ने पूज्य गुरुजी और डेरा प्रेमी का तहेदिल से आभार जताया। उसके मोबाइल में काफी सारा डाटा और अन्य जरूरी ऐप्लीकेशन थी। गुम हुआ मोबाइल पाकर उन्होंने राहत की सांस ली।

जानकारी के अनुसार जैकबपुरा के रहना वाला एक व्यक्ति कहीं जा रहा था। इसी दौरान कबीर भवन चौक पर सैनी चौपाल के पास मोबाइल गिर गया। इससे पहले कि वह मोबाइल किसी शरारती तत्व या

गुरुग्राम के जैकबपुरा में गुम हुआ मोबाइल मालिक को सौंपते बुजुर्ग डेरा प्रेमी अतर सिंह।

लोभी व्यक्ति के हाथ लगता, वहां से गुजर रहे डेरा प्रेमी हीरा नगर में रहने वाले (मूलरूप से गुरुग्राम के गांव बाघनकी निवासी) हरियाणा सरकार में फूड एंड सप्लाई विभाग में सब-इंस्पेक्टर पद से रिटायर अत्तर सिंह ने उसे उठा लिया। इसी दौरान उस मोबाइल पर कई कॉल आने लगी। अत्तर सिंह ने कॉल उठाई तो मोबाइल के मालिक ने अपना मोबाइल गुम होने की बात कही। डेरा प्रेमी अत्तर सिंह ने उसे पहचान बताकर मोबाइल ले जाने की बात कही। मोबाइल का मालिक उनके पास पहुंचा और पहचान बताई। साथ ही मोबाइल की कीमत 30 हजार रुपये बताई।

अत्तर सिंह ने मोबाइल उसे सौंपकर ईमानदारी का परिचय दिया। साथ ही कहा कि हम मालिक को मानने वाले हैं। किसी से ठगी, बेईमानी करना नहीं, लोगों की मदद करना हमारा काम है। सतगुरु संत डा. गुरमीत राम रहीम सिंह जी इंसा ने उन्हें यही सीख दी है। मोबाइल के मालिक ने बुजुर्ग अतर सिंह का आभार जताया और पूज्य गुरुजी की शिक्षाओं पर चलते हुए डेरा प्रेमियों की ईमानदारी की मिसाल की सराहना की।

मुख्यमंत्री को शिकायत के बाद भी माडीखेड़ा गांव के बीपीएल परिवारों को नहीं मिला कब्जा

मेवात। नूंह जिले के माडीखेड़ा गांव में तकरीबन 143 बीपीएल परिवारों के प्लाटों पर कुछ दबंगों ने अवैध कब्जा किया हुआ है इसे लेकर ग्रामीणों ने नूंह उपायुक्त के दरबार पहुंचकर प्लाटों का कब्जा दिलाने की मांग की है। नूंह उपायुक्त धीरेंद्र खडगटा ने तुरंत मामले को गंभीरता से लेते हुए फिरोजपुर झिरका एसडीएम को आदेश दे दिए गए हैं । फिलहाल बीपीएल गरीब परिवार उपायुक्त के आश्वासन से संतुष्ट दिखाई दिए।

बीपीएल गरीब परिवार के सदस्य उमर ने बताया कि माडीखेड़ा गांव के बीपीएल परिवारों को गत 2011 में कांग्रेस सरकार द्वारा 100-100 गज के प्लाट दिए गए थे कुछ लोगों ने अधिकारियों से मिली भगत कर 2019 में फर्जी तरीके से उसकी रजिस्ट्री अपने नाम करवा ली और अवैध कब्जा कर लिया। ग्रामीणों ने इसकी शिकायत सीएम विंडो जिला

उपायुक्त तथा नगीना थाने में दी थी , इतना नहीं नूंह दौरे पर आए हरियाणा के मुख्यमंत्री सीएम मनोहर लाल को भी बीपीएल परिवारों ने ज्ञापन सोपा था लेकिन आज तक प्लाटों के मामले में कुछ भी कार्रवाई नहीं हुई जिसको लेकर बीपीएल गरीब परिवारों ने नूंह उपायुक्त से मुलाकात की है।

बीपीएल गरीब परिवारों ने कहा कि गरीब परिवार का बीपीएल प्लाटों पर कब्जा नहीं होने की वजह से दर-दर की ठोकरें खा रहा है। उन्होंने जिला प्रशासन से गुहार लगाई है कि जल्द से जल्द बीपीएल परिवारों को उनका कब्जा दिलाया जाए ताकि गरीब परिवार अपना आशियाना बना कर गुजर बसर कर सके।

मेवात मॉडल स्कूल चिलावली का आफताब अहमद ने किया औचक निरीक्षण

बीबीपुर पहुंच लोगों की समस्याएं सुनीं डेढ दर्जन लोगों ने ज्वाइन की कांग्रेस

पायनियर समाचार सेवा। मेवात

नूंह विधायक व कांग्रेस विधायक दल के उप नेता चौधरी आफताब अहमद ने चिलावली स्थित मेवात माडल स्कूल का औचक निरिक्षण किया और पाया कि लगभग तीन साल से निर्मित हो चुका स्कूल अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। अभी तक इस स्कूल में कक्षाएं नहीं लगाई गई हैं।

विधायक आफताब अहमद ने पत्रकारों से कहा कि भाजपा की खट्टर सरकार मेवात की शिक्षा प्रणाली को खोखला कर रही है। लगभग 6000 शिक्षकों के पद रिक्त पड़े हैं, सरकार सो रही है। चिलावली स्थित इस

मेवात माडल स्कूल में कक्षाएं लगाने का मामला विधायक आफताब अहमद ने विधानसभा में तो उठाया ही था बल्कि शिक्षा मंत्री, जिला उपायुक्त, मेवात डेवलपमेंट ऐजेंसी के आला अधिकारी आदि के समक्ष भी उठाया था लेकिन सरकार प्रशासन ने अभी तक स्कूल शुरू नहीं कराया। बीबीपुर मोड पहुंचकर विधायक आफताब अहमद ने लोगों की जन समस्याओं को सुनकर समाधान के लिए अधिकारियों से मौके से ही बात की। स्थानीय लोगों ने भाजपा पर मेवात की अनदेखी का आरोप लगाते हुए कहा कि बीबीपुर में आयोजित हुई विकसित भारत संकल्प यात्रा महज एक ढकोसला साबित हुई। सरकार लोगों के उत्थान के बजाय अपना झूठा गुणगान करने में व्यस्त है।

वहीं विधायक आफताब अहमद ने कहा कि अगर प्रदेश सरकार ने दस साल में विकास किया हुआ होता तो कहीं तो वो नजर आता। कांग्रेस की मंजूरशुदा परियोजनाओं को रोका गया चाहे केंद्रीय विद्यालय सालाहेड़ी हो या ड्राइविंग ट्रेनिंग स्कूल छपेड़ा। इस चिलावली स्कूल को भी शुरू करने में रुचि नहीं ले रही है। विधायक आफताब अहमद ने कहा कि की खट्टर की भाजपा सिर्फ प्रचार, प्रसार और प्रायोजित समाचार की पार्टी बनकर रह गई है। बीते दस साल में मेवात में कोई विकास नहीं हुआ और अब विकसित भारत संकल्प यात्रा के जरिए आवाम को बरगलाने के लिए सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग हो रहा है।

जनता की मेहनत की कमाई से सरकार अपना प्रचार प्रसार कर रही है। इस दौरान नूंह विधायक आफताब अहमद को फिर बडी सफलता हासिल हुई जब डेढ़ दर्जन लोगों ने भाजपा आदि अन्य दलों को छोड़कर कांग्रेस का दामन थाम लिया। इस अवसर पर हाजी जमील, शहीद पूर्व सरपंच, मौहम्मद, यूनष, हरि, मुबारिक, मुबारिक खान, आजाद, रतिया, जानू,महबूब, तरमीन, तस्लीम, मोहम्मद, अकरम, हसन, रज्जाक, बाबूराम, महेंद्र, राजपाल, खुर्शीद आदि कांग्रेस में शामिल हुए।

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव की तैयारी पूरी, झिरका में सजी अयोध्या नगरी

चिराग गोयल। फिरोजपुर झिरका

मज्जिनेंद्र आदिनाथ जिनबिम्ब पंचकल्याणक महोत्सव नौ से 14 दिसंबर तक

मज्जिनेंद्र आदिनाथ जिनबिम्ब पंचकल्याण महोत्सव 9 दिसंबर से 14 दिसंबर तक फिरोजपुर झिरका में वात्सल्य मूर्ति आचार्य मुनिराज रत्नाकर की प्रेरणा व परम पावन सानिध्य में होने जा रहा है। उक्त जानकारी पूर्व अध्यक्ष मार्केट कमेटी सुनील जैन और नगर पालिका अध्यक्ष मनीष जैन ने संयुक्त रूप से दी।

सुनील जैन और मनीष जैन ने जानकारी देते हुए बताया की धर्म वत्सल क्षुल्लिका श्री 105 ज्ञान गंगा माता जी के पावन सानिध्य में पंचकल्याणक महोत्सव का कार्यक्रम होने जा रहा है। जिसकी सभी तैयारियां पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव समिति फिरोजपुर झिरका द्वारा पूरी कर ली गई है पंचकल्याणक महोत्सव को सफल बनाने के लिए जैन समाज के युवाओं द्वारा पूरी ताकत झोकी जा रही है। कार्यक्रम स्थल को अयोध्या नगरी के रूप में सजाया जा रहा है। 6 दिनों तक चलने वाले कार्यक्रम को लेकर 9 दिसम्बर को घटयात्रा,ध्वजारोहण, गर्भ कल्याण (पूर्वरूप), 10 दिसंबर को गर्भ कल्याण (उत्तर रूप), 11 दिसंबर को जन्माभिषेक,12 दिसंबर को तप कल्याणक, 13 दिसंबर को ज्ञान कल्याणक, 14 दिसंबर को मोक्ष कल्याणक होगा।

11 वर्षों बाद होगा फिरोजपुर झिरका में पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव : जानकारी देते हुए जैन समाज के वरिष्ठ सदस्य ज्ञान जैन एवं मुरारी लाल जैन ने बताया कि फिरोजपुर झिरका में 11 वर्षों बाद पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है । इससे पहले वर्ष 2012 में ओर 1957 में फिरोजपुर झिरका में पंचकल्याणक

पंचकल्याणक महोत्सव को लेकर पंडाल के रूप में सजी अयोध्या नगरी।

महोत्सव का आयोजन किया गया था। यह तीसरा आयोजन फिरोजपुर झिरका में होने जा रहा है। जिसको लेकर समस्त जैन समाज के लोगों में भारी उमंग और उत्साह है।

विद्वान पंडित और जैन मुनियों की संगीत में वाणी के साथ होगा पंचकल्याणक महोत्सव का शुभारंभः फिरोजपुर झिरका में तीसरे पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर तैयारियां जोरों पर चल रही है। वहीं कार्यक्रम को बेहतर बनाने के लिए विद्वान पंडितो और जैन मुनियों के साथ संगीतमय तरीके से पूरे कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा जिसके लिए इंदौर, दिल्ली, हस्तिनापुर सहित अन्य जैन धार्मिक स्थलों से विद्वान पंडितों को आमंत्रित किया गया है।

आधुनिक व पारंपरिक झलक के समावेश का होगा पांडाल : प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव की नगरी अयोध्या के नाम पर फिरोजपुर झिरका में कार्यक्रम स्थल का नाम का नाम अयोध्या नगरी रखा गया है। जो की जनता के लिए आकर्षण का केंद्र रहेगा। पांच किला में बसायी जा रही अयोध्या नगरी आधुनिक व पारंपरिक झलक का परिपूर्ण समावेश का मिश्रण होगा। अयोध्या नगरी में बने कार्यक्रम स्थल में लगभग 4000 लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई है।

भोजन शाला में 5000 लोगों के भोजन करने का इंतजाम किया गया है: जानकारी देते हुए बताया कि 60 बाई 250 फुट का कार्यक्रम का मुख्य पंडाल होगा। 60 बाई 60 का व 5 फीट ऊंचा मंच होगा जिस पर विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

शहर के मुख्य मार्गों को तोरण द्वारों से सजाया गया: पंचकल्याणक महोत्सव को लेकर पंडाल में तीन मुख्य द्वार बनाए गए हैं। दिल्ली व अलवर मार्ग से आने वाले यात्रियों के लिए दो द्वार अलग से बनाए गए। शहर के विभिन्न चौराहे मार्गों पर लगभग आठ तोरण द्वार बनाए गए हैं।

आयोजन स्थल के साथ शहर के मुख्य चौक चौराहा को रंग बिरंगी लाइटों से सजाया गया है : पंचकल्याणक महोत्सव में आने वाले दिल्ली, हरियाणा, यूपी, राजस्थान सहित अन्य जैन धार्मिक स्थलों से आने वाले श्रद्धालुओं को शहर जगमग दिखे इसके लिए रंग बिरंगी लाइटों से सजाया जा रहा है। पूरे शहर की विशेष रूप से रंग बिरंगी लाइटिंग की गई हैं। शहर के सभी जैन मंदिरों की विशेष सजावट का इंतजाम किया गया है। महोत्सव के दौरान आने वाले दूर दराज के यात्रियों को ठहराव रहने खाने पीने की पूरी व्यवस्था समाज की ओर से की गई है, पंचकल्याणक के महोत्सव के लिए दूर दराज से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए समुचित व्यवस्था जैन समाज द्वारा की जा रही है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पूछताछ कक्ष, चिकित्सा कक्ष, आवास आवंटन कक्ष, इत्यादि सुविधाओं व जानकारी के लिए अलग-अलग स्वयंसेवकों की जिम्मेदारी लगाई गई है। आने वाले यात्रियों और श्रद्धालुओं के लिए पार्किंग की उचित व्यवस्था पंचकल्याणक महोत्सव के दौरान आने वाले हजारों श्रद्धालुओं के लिए पार्किंग की उचित व्यवस्था कार्यक्रम सफल के नजदीक नवाब शमसुद्दीन स्टेडियम में की गई है।

पायनियर क्लासीफाइड

नाम परिवर्तन

I, Jitender Sharma, R/o H.No. 1H/67, NIT Faridabad, declare that my father,formerly known as Saran Dass, Saran Lal Sharma and S L Sharma, will now be known as Saran Dass for all future purposes.

सार्वजिनक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि मेरी मुवक्किला सुनिता पत्नी स्वर्गीय श्री प्रेम निवासी मकान नम्बर 98, बाई पास रोड़, सेक्टर-18, ओल्ड फरीदाबाद का पुत्र अमर उर्फ चिप्पा उसके कहने में नहीं चलता है, अपनी मनमानी करता है, गलत संगत में रहता है, नशा करता है, मेरी मुवक्किला व उसके परिवार के अन्य सदस्यों के साथ गाली-गलौंच व लड़ाई-झगड़ा करता है तथा झूठे केसों में फंसाने व जान से मारने की धमकी देता है। इसलिए मेरी मुवक्किला ने अपने पुत्र अमर उर्फ चिप्पा से अपने सभी सामाजिक व पारिवारिक सम्बन्ध विच्छेद कर लिये हैं और अपनी तमाम चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। आज के बाद कोई भी व्यक्ति यदि उसके पुत्र अमर उर्फ चिप्पा से किसी भी प्रकार का लेन-देन आदि करता है तो उसका जिम्मेवार वह व्यक्ति स्वयं होगा ना कि मेरी मुवक्किला व उनके परिवार के किसी भी सदस्य की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी। (राजेश अहलावत अधिवक्ता)

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रवीण मोहंती द्वारा सोका क्रिएशन प्राइवेट लिमिटेड, प्लाट नंबर 262 आईकेएल, सेक्टर-24, फरीदाबाद (हरियाणा) से प्रकाशित और बीएफएल इंफोटेक लिमिटेड, सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, जिला- गौतमबुद्ध नगर - 201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गांगुली, स्थानीय संपादक : प्रवीण मोहंती। दूरभाष नंबर : (0129) 4195000। पी.आई.बी. एक्ट के अनुसार सभी विवादित समाचारों की जिम्मेदारी लेखक की होगी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापन के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।

कांग्रेस की कठिनाइयां और गुंजाइशें

चार राज्यों के विधानसभा चुनावों के रविवार को निकले नतीजों में कांग्रेस के हिन्दी पट्टी राज्यों में हुए पराभव से यह साफ है कि उसकी आगे की राह पहले के मुकाबले कहीं अधिक कठिन हो चली है। नवम्बर में विभिह्व चरणों में हुए चुनावों के बाद इनके परिणाम जब निकले तो उसकी छत्तीसगढ़ और राजस्थान की सरकारें छिन चुकी थीं और जिस मध्यप्रदेश को वह भारतीय जनता पार्टी से झटक लेने की मानसिकता में थी, वह भी हाथ नहीं आया। यह सच है कि भारत राष्ट्र समिति को हरा कर दक्षिण भारत का तेलंगाना उसकी झोली में आया है जो एक बड़ी उपलब्धि तो है पर आसन्न लोकसभा चुनाव (2024) के मद्देनजर जो बड़ी छलांग लगाने की वह सोच रही थी, उसमें बड़ी रुकावट तीन राज्यों की पराजय है जिसने कांग्रेस के लिये आगे की सियासी राह को बहुत कठिन कर दिया है। फिर भी ऐसा नहीं कि वह खेल में कभी लौट ही नहीं सकेगी।

कांग्रेस की दिक्कतों एवं सम्भावनाओं पर विचार करते समय पहले उसकी कठिनाइयों पर चर्चा कर ली जाये। उसका सबसे बड़ा अवरोध तो यही है कि उसके बारे में भारतीय जनता पार्टी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ तथा उनके अन्य सहयोगी संगठनों द्वारा बनाई गई अवधारणाएं एवं परिकल्पनाएं इस कदर प्रगाढ़ रूप से लोगों के मन में बिठा दी गई हैं, कि उनका निराकरण सहज रूप से होता सम्भव नहीं लगता। देश की सबसे पुरानी पार्टी एवं उसके नेताओं के बारे में जो जहरखुरानी की गई है उसके चलते जनता का एक बड़ा हिस्सा, खासकर नयी पीढ़ी उसे भ्रष्टाचार व वंश परम्परा का पोषण करने वाली पार्टी मानती है। राममंदिर आंदोलन के बाद से उसे अधर्मी एवं हिन्दू विरोधी दल के रूप में भी स्थापित किया गया है।

2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जब से भारतीय जनता पार्टी केंद्र में काबिज हुई है और आज जब केंद्र के साथ उसकी बड़ी संख्या में राज्य सरकारें बन चुकी हैं, कांग्रेस के प्रति नफरत व नकारात्मकता का भाव सर्वत्र फैला दिया गया है। इसी का यह परिणाम है कि उसकी मुद्दा आधारित राजनीति को इन तीनों राज्यों में स्वीकार्यता नहीं मिल पाई। पिछले करीब एक दशक से भाजपा द्वारा हिन्दुओं व गैर हिन्दुओं के बीच जो अलगाव पैदा किया गया है, उसे मिटाने के लिये जब कांग्रेस के नेता राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा निकालते हैं, तो उसके असर को खत्म करने के भी पुरजोर प्रयास भाजपा व उसके अनुषांगिक संगठन करते दिखाई देते हैं। एक तरह से कांग्रेस की समावेशी विचारधारा को खारिज कराने के सारे प्रयास किए गये हैं। इन तीन राज्यों में तो यही दिखाई दिया है। कम से कम छत्तीसगढ़ व राजस्थान में तो ध्रुवीकरण का मुद्दा मतदाताओं के सिर पर चढ़कर बोला। इसी प्रकार लोगों के मन में कांग्रेस व उसके नेताओं के प्रति भ्रष्टाचारी होने की अवधारणा भी मिटाये नहीं मिट रही है।

अपनी विचारधारा के प्रति लोगों को कैसे सहमत किया जाए, यह अब भी कांग्रेस की समझ से परे है, जिस राहुल के पीछे लाखों की भीड़ चलती रही और जिस कांग्रेस की प्रचार सभाओं में जनता की विशाल भागीदारी हुआ करती थी, उसी के द्वारा शासित राज्य की सरकारें भी उससे छीन जाएं तो इसे अजूबा कहा जाएगा। इसके ठीक विपरीत तेलंगाना भी उदाहरण है, जहां के लोगों ने भावनात्मक मुद्दों की बजाय यथार्थवादी मुद्दों को तरजीह देते हुए उसे शानदार जीत दिलाई। उसके पहले कर्नाटक में उसके द्वारा भ्रष्टाचार, वंश परम्परा के संवाहक तथा कट्टर साम्प्रदायिकता का पर्याय बन चुकी भाजपा को हराने का भी दृष्टांत भी है। और पहले जाएं तो हिमाचल प्रदेश भी है। ये तीनों राज्य बताते हैं कि अभी कांग्रेस के लिये सब कुछ खत्म नहीं हुआ है। अगर वह संगठित तरीके से जनता के बीच जाये, चुनाव पूरी मुस्तैदी से लड़े और लोगों को समझाये तो कहानी बदली जा सकती है। तेलंगाना, कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश के बारे में कहा जा सकता है कि हिन्दी पट्टी से उसकी दूरी के कारण इन राज्यों की मानसिकता अलहदा है जो भावनात्मक मुद्दों को लेकर वैसी उद्वेलित नहीं होती, जिस प्रकार से हिन्दीभाषी व उनसे जुड़े कुछ अन्य इलाके हैं।

अर्थव्यवस्था बढ़ रही लेकिन नयी नौकरियां नहीं

भारत से बहिर्वाह इस समय उतना महत्वपूर्ण नहीं है, क्योंकि उन्नत अर्थव्यवस्थाओं के कई उद्योगपति भारतीय अर्थव्यवस्था को एक अवसर के रूप में देखते हैं।

के आर सुधामन
(लेखक, मशहूर अर्थशास्त्री है)

एक कदम जिसे देश में तत्काल उठाये जाने की जरूरत है, वह है बचत और निवेश दरों को वापस सकल घरेलू उत्पाद का 38 से 39 प्रतिशत तक बढ़ाना। इससे यह सुनिश्चित होगा कि समावेशी विकास के माध्यम से बेरोजगारी की समस्या से निपटने के अलावा वृहद-आर्थिक बुनियाद मजबूत बनी रहेगी। भारत में हमेशा पांच से छह प्रतिशत बेरोजगारी दर रही है और यह एक प्रबंधनीय स्तर है। आजकल अर्थव्यवस्था पर एक घिसा-पिटा बयान दिया जाता है- भारत की अर्थव्यवस्था काफी अच्छी स्थिति में है जबकि कई अन्य देश लड़खड़ा रहे हैं, और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था धीमी हो रही है और भू-राजनीति स्थिति को बदतर बना रही है। यह सच है कि भारतीय अर्थव्यवस्था अब सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और यह निराशाजनक दुनिया, खासकर यूरोप, मध्य-पूर्व और चीन के तुलना में अधिक तेजी से बढ़ रही है।

पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार और विश्व बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री कौशिक बसु का कहना है कि इसमें संदेह करने की कोई बात नहीं है और भारत अब उचित रूप से एक उज्ज्वल स्थान पर है। इसका मतलब यह है कि अर्थव्यवस्था के अच्छा प्रदर्शन करने और तथाकथित जनसांख्यिकीय लाभांश का लाभ उठाने की संभावना है। इसलिए सवाल यह है कि क्या नीति निर्माता इस लाभ को भुनाने के लिए पर्याप्त प्रयास कर रहे हैं। उत्तर निश्चित रूप से नहीं में है। वृहत-आर्थिक बुनियादी सिद्धांतों के साथ कुछ मुद्दे हैं। इसके अलावा पर्याप्त नौकरियां पैदा नहीं हो रही हैं, खासकर युवाओं के बीच।

बसु भारतीय अर्थव्यवस्था में एक अंतर्निहित कमजोरी की ओर इशारा करते हैं और बताते हैं कि हाल के वर्षों में बचत और निवेश दरों में लगातार गिरावट आई है। बसु का मानना है कि मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाले यूपीए शासन के दौरान बचत और निवेश दरें सकल घरेलू उत्पाद के 38 से 39 प्रतिशत तक पहुंच गईं। इससे भारत को इस शताब्दी के पहले दशक में स्थिर मूल्य आधार वर्ष पर लगभग नौ प्रतिशत की उच्च विकास दर प्राप्त हुई। विशेष रूप से घरेलू बचत की उच्च बचत दर ने यह सुनिश्चित किया कि निवेश भी तदनुसार अधिक था, जिसके परिणामस्वरूप कम वृद्धिशील पूंजी उत्पादन अनुपात हुआ।

दुर्भाग्य से, बचत और निवेश दरें दोनों विशेष रूप से मोदी युग के दौरान गिर रही हैं और कोविड के वर्षों के दौरान 28 या 29 प्रतिशत के निचले स्तर तक गिर गई थीं। लेकिन अब अर्थव्यवस्था के पुनरुद्धार के साथ थोड़ी तेजी आ रही है, जो स्वागत योग्य है। हालांकि, बसु बताते हैं कि यह अब 30 प्रतिशत के आसपास मंडरा रहा है, इसलिए निवेश दर की भी ऐसी ही स्थिति है, जो अर्थव्यवस्था के लिए पर्याप्त नहीं है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि देश में बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा हो, विशेष रूप से श्रम प्रधान उद्योगों में भारी निवेश की आवश्यकता है। लेकिन किसी तरह ऐसा नहीं हो रहा है। तथाकथित स्व-रोजगार के माध्यम से अल्प-रोजगार भी बढ़ रही है। 35 साल से कम उम्र की आबादी के बड़े अनुपात वाले भारत के लिए यह अच्छी खबर नहीं है। सीएमआईई डेटा से संकेत मिलता है कि बेरोजगारी, जो 5-6 प्रतिशत तक कम हो गई थी, अब फिर से बढ़ रही है। नवीनतम आंकड़ों से पता चलता है कि यह अब 10 प्रतिशत के आसपास है।

कौशिक बसु के अनुसार, अधिक चिंताजनक बात यह है कि 15-22 वर्ष के आयु वर्ग में बेरोजगारी 22 प्रतिशत तक है। मध्य-पूर्व में 15-22 वर्ष आयु वर्ग में बेरोजगारी की संख्या भी इतनी अधिक थी। इससे तुरंत खतरे की घंटी बजनी चाहिए। जैसा कि कहा जाता है कि निष्क्रिय दिमाग शैतान का घर होता है। दुनिया भर के सशस्त्र बलों में, सैनिकों को कभी भी निष्क्रिय रहने की अनुमति नहीं दी जाती है और उन्हें हमेशा सुबह उठने के समय से ही कुछ न कुछ काम प्रदान किया जाता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे अनुशासित रहें।

जब युवा व्यस्त नहीं होते हैं तो विघटनकारी प्रवृत्तियां उत्पन्न होती हैं। इस संदर्भ में अर्थव्यवस्था और समाज के स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने के लिए रोजगार सृजन पर जोर देना बहुत महत्वपूर्ण है। रोजगार बढ़ाने के लिए बुनियादी ढांचे में वित्त पोषण बढ़ाना महत्वपूर्ण है और सरकार साल दर साल सार्वजनिक व्यय बढ़ाकर अपना काम कर रही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस साल के बजट में सार्वजनिक व्यय को 2022-23 के 7.5 लाख करोड़ रुपये से बढ़ाकर 10 लाख करोड़ रुपये से थोड़ा अधिक कर दिया है। यह एक स्वागत योग्य घटनाक्रम है। निजी निवेश भी बढ़ रहा है।

लेकिन चमड़ा, कपड़ा, खाद्य प्रसंस्करण आदि जैसे श्रम प्रधान उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए और अधिक प्रयास करने की आवश्यकता है। साथ ही इन उद्योगों को पूरे देश में, विशेषकर छोटे कस्बों और शहरों में फैलाना होगा, ताकि ग्रामीण संकट को दूर किया जा सके। इलेक्ट्रॉनिक्स और विनिर्माण को बढ़ावा देना एक स्वागत योग्य कदम है क्योंकि इससे नौकरियां पैदा होती हैं, लेकिन ये उद्योग आमतौर पर बड़े शहरों और उसके आसपास स्थापित होते हैं क्योंकि इसके लिए कुशल और उच्च कुशल जनशक्ति की आवश्यकता होती है। ग्रामीण संकट से निपटने के लिए कौशल विकास को भी बढ़ावा देने की जरूरत है। स्किल मैपिंग से क्षेत्र विशेष के कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलेगी। इन पर कार्य प्रगति पर है।

प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्रवाह में सुधार हो रहा है। उन्नत देशों द्वारा चीन प्लस वन नीति अपनाने से विदेशी निवेश प्रवाह में भारत की ओर झुकाव हो रहा है। लेकिन विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका जैसी उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में ब्याज दरें बढ़ने के साथ, उभरती अर्थव्यवस्थाओं से बहिर्वाह की संभावना है। हालांकि यह कुछ उभरती अर्थव्यवस्थाओं में हो रहा है। भारत से बहिर्वाह इस समय उतना महत्वपूर्ण नहीं है, क्योंकि उन्नत अर्थव्यवस्थाओं के कई उद्योगपति भारतीय अर्थव्यवस्था को एक अवसर के रूप में देखते हैं। लेकिन अस्थिर भू-राजनीतिक स्थिति के साथ, यह प्रवृत्ति कुछ ही समय में उलट हो सकती है। इसलिए इससे बचाव की जरूरत है।

एक कदम जिसे देश में तत्काल उठाये जाने की जरूरत है, वह है बचत और निवेश दरों को वापस सकल घरेलू उत्पाद का 38 से 39 प्रतिशत तक बढ़ाना। इससे यह सुनिश्चित होगा कि समावेशी विकास के माध्यम से बेरोजगारी की समस्या से निपटने के अलावा वृहद-आर्थिक बुनियाद मजबूत बनी रहेगी। भारत में हमेशा पांच से छह प्रतिशत बेरोजगारी दर रही है और यह एक प्रबंधनीय स्तर है। ध्यान देने वाली बात यह है कि युवाओं में बेरोजगारी, वह भी लगभग 20-22 प्रतिशत, परेशान करने वाली हो सकती है। सरकार को इस समस्या के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है ताकि भारत एक जीवंत अर्थव्यवस्था बना रहे।

मजबूत भाजपा या मजबूर भाजपा

> “मजबूर और मजबूत में केवल र और त का अंतर है। लेकिन इस एक अंतर से अर्थों में भारी फर्क आ जाता है।”

त्रिलोचन भट्ट
(लेखक, स्वतंत्र पत्रकार है)

राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान लोगों से उनकी चर्चा का हवाला देते हुए ये बातें कहीं। अगर सरकार को ये आपत्तिजनक लग भी रही हैं, तब भी स्पष्टीकरण देने की उसकी जवाबदेही बनती है।

मजबूर और मजबूत में केवल र और त का अंतर है। लेकिन इस एक अंतर से अर्थों में भारी फर्क आ जाता है। जैसे भाजपा बहुमत के लिहाज से मजबूत है, लेकिन फिलहाल कांग्रेस के आरोपों के आगे मजबूर है। र और त को मिलाकर रत भी बनता है, तर भी। चंदे से तर होकर भाजपा सबसे अमीर पार्टी है और प्रयास रत है कि चंदे की रकम में कभी कमी न आए। भाजपा के रत और तर वाले इसी रवैये पर मंगलवार को राहुल गांधी ने लोकसभा में अपने विचार रखे। संसद के इतिहास में कुछ भाषण अविस्मरणीय माने गए हैं, राहुल गांधी का पूरा भाषण अगर संसद के रिकार्ड में दर्ज हो, तो वह भी ऐतिहासिक भाषणों में ही शुमार होगा। हालांकि इसकी संभावनाएं कम हैं। क्योंकि मौजूदा सरकार के पैमाने में आलोचना के लिए स्थान है ही नहीं। कोई जरा सी मीन-मेख सरकार के कामकाज या मोदीजी के फैसलों पर निकाल कर दिखा दे, तो समूचा तंत्र बचाव के साथ-साथ पलटवार करने में जुट जाता है। गड़े मुर्दे निकालने का सिलसिला शुरु हो जाता है। अगर कोई बता दे कि सिंधु घाटी सभ्यता के दौर में भी कांग्रेस थी और उसने तब कोई गलती की थी, तो भाजपा के पुरातत्ववेत्ता उसे याद दिलाने से भी नहीं चूकेंगे। अच्छा है कि कबीर इस दौर में नहीं हुए, वर्ना निंदक नियरे राखिए जैसा दोहा लिखने पर उन्हें राष्ट्रद्रोह का आरोपी बना दिया जाता। साबुन, पानी, आंगन, कुटि जैसे शब्दों के आधार पर ईडी और आईटी पीछे लग जाती।

उनका हथकरघा किसी निजी कंपनी के हवाले हो जाता और इसे देशहित में

लिया गया धर्मार्थ फैसला बता दिया जाता। वैसे ही जैसे पीएम केयर फंड सरकारी विभागों, निगमों, निजी प्रतिष्ठानों से चंदा लेकर, राष्ट्रीय चिह्न के साथ प्रचारित होकर भी धर्मार्थ फंड बता दिया गया है। धर्म के नाम पर सवाल पूछने की देश में अघोषित मनाही हो चुकी है, इसलिए कोई पीएम केयर फंड का हिसाब-किताब नहीं पूछ सकता। जहां सवाल-जवाब की गुंजाइश ही नहीं, वहां क्या बात की जाए। इसलिए इस मुद्दे को यहीं रहने देते हैं।

लेकिन अदानी मामले को ऐसे ही कैसे रहने दें। क्योंकि जैसा राहुल गांधी ने लोकसभा में कहा कि तमिलनाडु से लेकर केरल, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, सब जगह एक नाम हमें सुनने मिला-अदानी। ये अदानी जी पहले एक-दो बिजनेस करते थे, अब एयरपोर्ट, डेटा सेंटर, सीमेंट, सोलर एनर्जी, विंड एनर्जी, एरो स्पेस एंड डिफेंड, कंज्यूमर फाइनेंस, रिन्यूबल एनर्जी, मीडिया, पोर्ट सब में अदानी का नाम है। राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान लोगों से उनकी चर्चा का हवाला देते हुए ये बातें कहीं।

अगर सरकार को ये आपत्तिजनक लग भी रही हैं, तब भी स्पष्टीकरण देने की उसकी जवाबदेही बनती है। अदानी समूह को निजी मामला बताकर सरकार अपना पल्ला नहीं झाड़ सकती, क्योंकि निजीकरण की मुहिम के कारण कई सरकारी उपक्रमों में अब अदानी समूह की भागीदारी है। जहां सरकार और निजी भागीदारी से काम हो रहा हो, वहां केवल एक पक्ष ही नहीं, दोनों पक्ष जवाबदेह होते हैं। अदानी समूह ने तो हिंडनबर्ग के आरोपों पर अपनी सफाई में कह दिया कि यह देश पर सुनियोजित हमला है। अगर वाकई ऐसा है, तो फिर देश खतरे में है और इस नाते ही सही मोदी सरकार को जवाब तो देना ही चाहिए। संसद में राहुल गांधी इसलिए तो सवाल उठा रहे थे, क्योंकि सवाल देशहित का है। भाजपा उसे अपने हित-अहित से जोड़कर क्यों देख रही है।

राहुल गांधी को आप पसंद कर सकते हैं, नापसंद कर सकते हैं, लेकिन लोकसभा में उनकी कही बातों को हवा में नहीं उड़ा सकते। वैसे भी मंगलवार के उनका भाषण इतना दमदार था कि उसे हवा में नहीं उड़ाया जा सकता। आज की पीढ़ी की भाषा में कहें तो राहुल ने सदन में आग लगा दी थी। अब इस आग को अगर बुझाना है, अगर राहुल के भाषण को खारिज करना है तो फिर भाजपा को उतने ही मजबूत तर्क पेश करने होंगे। केवल कांग्रेस पर लगाए पुराने आरोप दोहराने से बात नहीं बनेगी।

राहुल गांधी ने लोकसभा में प्रधानमंत्री मोदी और गौतम अदानी की विमान में एक साथ बैठी हुई तस्वीर भी दिखाई। हालांकि इस पर लोकसभा अध्यक्ष ने उन्हें फौरन टोका। संसद कवरेज कर रहा कैमरे का फोकस भी फोटो से तत्काल हटा लिया गया। लेकिन उतनी देर में देश और दुनिया ने उस तस्वीर को देख ही लिया, जिसमें दोनों सज्जन काफी सहज, आरामदायक मुद्रा में नजर आ रहे हैं। ये आराम तभी महसूस होता है, जब कोई अपना साथ होता है। राहुल गांधी ने संसद में इसी रिश्ते को बताया और कुछ सवाल पूछे। अब भाजपा इस बात पर नाराज हो गई है। अगर उसकी नाराजगी इस बात पर है कि राहुल गांधी ने एक रिश्ते का जिक्र संसद में कर दिया है, तो उसे बता देना चाहिए कि रिश्ता है या नहीं। अगर नहीं है, तो फिर कोई बात ही नहीं है, तब राहुल से भाजपा माफी की मांग करे। और अगर रिश्ता है तो फिर नाराज होना छोड़ दे।

ग्लेशियर किस तरह दे रहे हैं ग्लोबल वार्मिंग का जवाब

एक नए शोध में कहा गया है कि हिमालय के ग्लेशियर खुद को बचाए रखने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन यह संघर्ष कब तक रहेगा? दुनिया भर में बढ़ते तापमान ने हिमालय के ग्लेशियरों को बर्फ की सतह के संपर्क में आने वाली हवा को तेजी से ठंडा करने के लिए मजबूर किया है। आने वाली ठंडी हवाएं ग्लेशियरों को ठंडा करने और आसपास के पारिस्थितिकी तंत्र को संरक्षित करने में मदद कर सकती हैं। यह शोध इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी ऑस्ट्रिया (आईएसटीए) के प्रोफेसर फ्रांसेस्का पेलिसियोटी की अगुवाई में शोधकर्ताओं की एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने किया है। इस शोध को नेचर जियोसाइंस में प्रकाशित किया गया है।

क्या ग्लोबल वार्मिंग के कारण हिमालय के ग्लेशियर गर्मी के दिनों में आइसक्रीम की तरह पिघल रहे हैं? पहले, वैज्ञानिकों ने ऊंचाई पर बढ़ते तापमान के प्रभाव का दस्तावेजीकरण किया। उन्होंने दिखाया कि पहाड़ों की चोटियों ने ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव पहले से कही अधिक महसूस किया और ये तेजी से गर्म हो गए। फिर भी, नेपाल में माउंट एवरेस्ट पर एक अधिक ऊंचाई वाले जलवायु स्टेशन में एक अप्रत्याशित घटना देखी गई, जहां सतही हवा का तापमान औसतन बढ़ने के बजाय स्थिर रहा। पिरामिड इंटरनेशनल लेबोरेटरी या ऑब्जर्वेटरी क्लाइमेट स्टेशन, माउंट एवरेस्ट के दक्षिणी ढलानों पर खुम्बू और लोबुचे ग्लेशियरों के 5050 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है, जिसने लगभग तीन दशकों से लगातार प्रति घंटा मौसम संबंधी आंकड़े दर्ज किए हैं।

गर्म होती जलवायु ग्लेशियरों में शीतलन प्रतिक्रिया को बढ़ा रही है, यह ढलानों से नीचे बहने वाली ठंडी हवाओं जिन्हें कटाबेटिक हवाएं कहा जाता है, उन्हें जन्म दे रही हैं। लेकिन ग्लेशियर कब तक स्थानीय स्तर पर खुद को ठंडा करके ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों को संतुलित कर सकते हैं? और कौन सी विशेषताएं ग्लेशियरों को ऐसा करने में मदद करते हैं? देखी गई घटना को समझाने के लिए, टीम ने आंकड़ों की बारीकी से जांच की। शोधकर्ता कहते हैं, हमने पाया कि कुल तापमान का औसत एक साधारण कारण से स्थिर लग रहा था। जबकि न्यूनतम तापमान लगातार बढ़ रहा है, गर्मियों में सतह का अधिकतम तापमान लगातार गिर रहा था।

उन्होने कहा, ग्लेशियर सतह के साथ अपने तापमान के आदान-प्रदान को बढ़ाकर गर्म होती जलवायु पर

प्रतिक्रिया कर रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग के कारण ग्लेशियर के ऊपर गर्म वातावरणीय हवा और ग्लेशियर की सतह के सीधे संपर्क में आने वाली हवा के बीच तापमान में अंतर बढ़ जाता है। शोधकर्ता ने बताया कि, इससे ग्लेशियर की सतह पर तापमान में वृद्धि होती है और सतह के वायु द्रव्यमान में ठंडक बढ़ जाती है। जिसके कारण, ठंडी और शुष्क सतह की हवा सघन हो जाती है और ढलानों से नीचे घाटियों में बहती है, जिससे ग्लेशियरों के निचले हिस्से और आसपास के पारिस्थितिकी तंत्र ठंडे हो जाते हैं।

पिरामिड में विशिष्ट रूप से उपलब्ध जमीनी अवलोकनों से आगे बढ़कर, टीम ने जलवायु मॉडल में नवीनतम वैज्ञानिक प्रगति को जोड़ा, वैश्विक जलवायु और मौसम पुनर्विश्लेषण जिसे ईआरए5-लैंड कहा जाता है। ईआरए5-लैंड पुनर्विश्लेषण भौतिकी के नियमों का उपयोग करके मॉडल आंकड़ों को दुनिया भर के अवलोकनों के साथ पूर्ण और सही डेटासेट में जोड़ता है। इन आंकड़ों की व्याख्या करने से टीम को यह प्रदर्शित करने में मदद मिली कि ग्लोबल वार्मिंग से प्रेरित काटाबेटिक हवाएं न केवल माउंट एवरेस्ट पर बल्कि पूरे हिमालयी इलाके में बन रही हैं।

शोधकर्ता ने कहा, यह घटना 30 वर्षों के लगातार बढ़ते वैश्विक तापमान का परिणाम है। अगला कदम यह पता लगाना है कि ग्लेशियर की कौन सी प्रमुख विशेषताएं ऐसी प्रतिक्रिया का पक्ष लेती हैं। शोधकर्ता इस बात का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि कौन से ग्लेशियर ग्लोबल वार्मिंग पर इस तरह से प्रतिक्रिया कर सकते हैं और कितने समय तक यह जारी रहता है। जबकि अन्य ग्लेशियर भारी बदलावों का अनुभव कर रहे हैं, एशिया के ऊंचे पहाड़ों में थर्ड पोल में ग्लेशियर बहुत बड़े हैं, जिनमें विशाल मात्रा में बर्फ हैं, और इनका प्रतिक्रिया करने का समय लंबा है। सोधकर्ता कहते है कि इस तरह, हमारे पास अभी भी ग्लेशियर को बचाने का मौका है। पामीर और काराकोरम ग्लेशियरों की ढलानें आम तौर पर हिमालय की तुलना में सपाट हैं। इस प्रकार, अनुमान लगाया जा सकता है कि ठंडी हवाएं आसपास के वातावरण में नीचे तक पहुंचने के बजाय ग्लेशियरों को स्वयं ठंडा करने का काम कर सकती हैं।

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से pioneerhry@gmail.com पर भी भेज सकते है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्र पराली से बायो इथेनॉल बनाना सीखेंगे

केंद्र सरकार ने दिया 1.41 करोड़ का अनुदान

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में टीम के साथ शोध करती डॉ. मोना शर्मा

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ को केंद्र सरकार ने पराली प्रबंधन के लिए अनुदान जारी किया है। विश्वविद्यालय के पर्यावरण अध्ययन विभाग के छात्र इससे पराली से बायो एथेनॉल बनाना सीख सकेंगे। हकेंवि को केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से 1.41 करोड़ रुपये का अनुदान जारी किया गया है।

विश्वविद्यालयों और उच्च शैक्षणिक संस्थानों में विज्ञान एवं तकनीक के बुनियादी ढांचे के सुधार के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय केंद्र सरकार (डीएसटी-एफआईएसटी) के तहत अनुदान मिला है। इसके माध्यम से अनुसंधान परियोजना के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी अवसंरचना (डीएसटी-एफआईएसटी) में सुधार पर शोध किया जाएगा। वर्ष 2024 से यह शोध कार्य शुरू हो जाएगा। इसके माध्यम से किसानों को पराली से आर्थिक लाभ भी होगा।

हकेंवि की तीन लैब में इस राशि से अत्याधुनिक उपकरणों की खरीद की जाएगी। इसके माध्यम से पराली प्रबंधन पर अनुसंधान में मदद मिलेगी। पराली से होने वाले प्रदूषण के कारण मानव पर पड़ने वाले हानिकारक प्रभावों को कम किया जा सकेगा। पर्यावरण अध्ययन विभाग के सात शिक्षक व करीब 50 विद्यार्थी व शोधार्थी आगामी पांच साल तक शोध करेंगे। पर्यावरण अध्ययन विभाग की अध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा ने बताया कि इस अनुदान से अत्याधुनिक लैब स्थापित करेंगे।

विभाग की ओर से इसके लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किया था और स्क्रीनिंग के बाद पहले एक प्रेजेंटेशन दिया था। इस बजट को प्राप्त करने के लिए गीतम विश्वविद्यालय विशाखापत्तनम में विशेषज्ञ समिति के समक्ष हकेंवि ने प्रस्ताव प्रस्तुत किया था। विभाग को मुख्य रूप से अनुसंधान सुविधाओं से मजबूत करने के लिए बजट स्वीकृत किया गया है। यह मौद्रिक सहायता पहले से ही प्रगति को बढ़ावा देने वाली है। विभाग और विश्वविद्यालय में अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र के संकाय सदस्य और अनुसंधान कर सकेंगे।

विभाग अध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा ने बताया कि पराली व अन्य कचरा को एंजाइम्स के माध्यम से बॉयो एथेनॉल में इन उपकरणों की सहायता से परिवर्तित किया जाएगा। इस प्रक्रिया के दौरान निम्न मात्रा में बॉयोचार नामक अपशिष्ट पदार्थ प्राप्त होगा, जिसे हम खेतों में खाद के रूप में भी इस्तेमाल कर सकते हैं। यह प्रक्रिया जहां पराली प्रबंधन को मजबूती देगी साथ ही किसानों के लिए भी अति फायदेमंद साबित होगी। साथ ही ईंधन (फ्यूल) में वर्ष 2025 तक एथेनॉल के मिश्रण की योजना है। इससे इसकी गुणवत्ता में सुधार, प्रदूषण का स्तर कम करने सहित मानव स्वास्थ्य के लिए लाभकारी परिणाम मिलेंगे।

क्लेरिकल एसोसिएशन ने काली पट्टी बांधकर मनाया संघर्ष दिवस

कुरुक्षेत्र। क्लेरिकल एसोसिएशन वेलफेयर सोसाइटी सम्बंधित भारतीय मजदूर संघ के बैनर तले हरियाणा लिपिक वर्ग ने कुरुक्षेत्र में हरियाणा रोडवेज के बस स्टैंड के पास लिपिक वर्ग ने जिला स्तर पर काले कपड़े पहनकर और काली पट्टी बांधकर संघर्ष दिवस मनाया और सरकार के प्रति रोष प्रकट किया।

एसोसिएशन के जिला प्रधान रविंद्र ने बताया कि 42 दिन चली हड़ताल के बाद सरकार की ओर से लिपिक वर्ग के कार्यो की समीक्षा करने के लिए कार्य समीक्षा कमेटी का गठन किया गया था और कमेटी को सरकार के पास रिपोर्ट जमा करने के लिए 3 महीने का समय दिया गया था, जोकि 23 नवंबर को पूरा हो चुका है। परन्तु 3 महीने बीत जाने के बाद भी अभी तक कमेटी की रिपोर्ट तैयार नहीं हुई है। कमेटी द्वारा रिपोर्ट जमा करने में देरी से लिपिक वर्ग में काफी रोष है। एसोसिएशन के जिला प्रधान रविंद्र ने बताया कि 15 अगस्त को जब हड़ताल को स्थगित किया गया था तब निर्णय लिया गया था कि जब तक सरकार लिपिक वर्ग की कार्य समीक्षा करके उनका वेतनमान 19900 से बढ़ाकर 35400 नहीं करेगी तब तक हर महीने की 5 तारीख को संघर्ष दिवस के रूप में मनाएगा। उसी कड़ी में कुरुक्षेत्र में हरियाणा रोडवेज के बस स्टैंड के पास लिपिक वर्ग ने काली पट्टी बांधकर संघर्ष दिवस मनाया।

अंत्योदय के सपने को साकार कर रही है विकसित भारत जनसंवाद संकल्प यात्रा

पायनियर समाचार सेवा। यमुनानगर

इन्हें किया सम्मानित

विकसित भारत जन संवाद संकल्प यात्रा में मुख्य अतिथि द्वारा गुरमेज,श्याम लाल, प्रेमो देवी, कर्मचंद, श्रीराम को स्वामित्व योजना के तहत रजिस्ट्रियां दी गई। मुख्य अतिथि द्वारा पूर्व सरपंच ऋषिपाल, नम्बरदार मनीराम व गुरनाम, गुरविंद्र सिंह व जयचंद समाजसेवी को सम्मानित किया गया। आंगनवाड़ी वर्कर नेहा कुमारी, पुलिस कर्मचारी नीरज, सैनिक शौकिन, मार्किट कमेटी से चंद्रमोहन को भी सम्मानित किया गया।

भारत को वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने के संकल्प को लेकर विकसित भारत संकल्प यात्रा मंगलवार को क्षेत्र के गांव सरावा व भोगपुर में पहुंची। यात्रा का ग्रामीणों ने जोरदार स्वागत किया और विकसित भारत बनाने के संकल्प की शपथ ली। पूर्व विधायक बलवंत सिंह ने बतौर मुख्य वक्ता अपना संबोधन देते हुए कहा कि मोदी-मनोहर सरकार अंत्योदय के सपने को साकार करने के लिए निरंतर प्रयासरत है और यह यात्रा इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगी।

योजनाओं की जानकारी लेने, पात्रों द्वारा मौके पर ही राशन कार्ड बनाना, परिवार पहचान पत्र में शुद्धिकरण करवाना, स्वास्थ्य विभाग की स्टॉल पर स्वास्थ्य जांच, कृषि विभाग से योजनाओं की जानकारी लेने के लिए काफी संख्या में ग्रामीण पंहुचे। पूर्व विधायक बलवंत सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपने विकसित भारत को साकार करने के लिए विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन देशभर में एक साथ किया जा रहा है। अपने खंड, जिले और हरियाणा में यात्रा को लेकर लोगों में जबरदस्त उत्साह का माहौल है। एक ही स्थान पर ग्रामीणों को योजनाओं का लाभ मिल रहा है। यह संकल्प यात्रा प्रदेश के हर गांव में पहुंच कर समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाने में कारगर साबित होगी। जिला परिषद के चेयरमैन रमेश ठसका ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री मनोहर लाल के प्रयासों से व्यवस्था परिवर्तन का दौर चला है उसी का परिणाम है कि समाज के अंतिम व्यक्ति को घर बैठे सरकार की योजनाओं का लाभ मिल रहा है। सरकार की योजनाओं से वंचित लोगों को भी लाभ देने के उद्देश्य से विकसित भारत संकल्प एवं जनसंवाद यात्रा एक मील का पत्थर साबित होगी।

इस अवसर पर लोगों ने एलईडी वैन के जरिए हरियाणा व राज्य सरकार की उपलब्धियों की लघु फिल्मों को देखा। फिल्मों के जरिए लोगों को सरकार की तमाम उपलब्धियों और योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में मेरी कहानी मेरी जुबानी के तहत विभिन्न विभागों के लाभार्थियों ने अपनी सफलता की कहानी के अनुभवों को भी साझा किया। सूचना जनसंपर्क भाषा एवं संस्कृति विभाग की तरफ से राज्य सरकार की उपलब्धियों तथा केंद्र सरकार की उपलब्धियां भी सभी लोगों को वितरित की गई।

हरियाणा में 7 आईएएस और 5 एचसीएस अफसरों के तबादले

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा सरकार ने तुरंत प्रभाव से सात आईएएस और पांच एचसीएस अधिकारियों के तबादले एवं नियुक्ति आदेश जारी किए हैं।

आदेशों के अनुसार आईएएस लक्षित सरीन ओएसडी, उपायुक्त कार्यालय, अंबाला को उपमंडल अधिकारी (सिविल), अंबाला कैंट तथा अंबाला कैंट के एक्साइजड एरिया की सरकारी भूमि के प्रबंधन के लिए संपदा अधिकारी नियुक्त किया गया है। फरीदाबाद उपायुक्त कार्यालय में सेवारत ओएसडी नरेंद्र कुमार को पलवल के उपमंडल अधिकारी (सिविल) के तौर पर नियुक्त किया गया है। सुश्री निशा, ओएसडी (उपायुक्त कार्यालय) को उपमंडल अधिकारी (सिविल) कालका, सोनू भट्ट,ओएसडी (उपायुक्त कार्यालय ,हिसार) को उपमंडल अधिकारी (सिविल) नारनौंद, विश्वजीत चौधरी, ओएसडी (उपायुक्त कार्यालय, गुरुग्राम) को उपमंडल अधिकारी (सिविल) बादशाहपुर , विवेक आर्य, ओएसडी (उपायुक्त कार्यालय, रोहतक) को उपमंडल अधिकारी (सिविल) रोहतक तथा यश जालुका, ओएसडी (उपायुक्त कार्यालय , यमुनानगर) को उपमंडल अधिकारी (सिविल) जगाधरी नियुक्त किया गया है।

इसी प्रकार , एचसीएस अमित कुमार-1 ,उपमंडल अधिकारी (सिविल) जगाधरी को संपदा अधिकारी, एचएसवीपी, जगाधरी बनाया गया है। सतीश यादव उपमंडल अधिकारी (सिविल) बादशाहपुर को नगर निगम, मानेसर के नए अतिरिक्त आयुक्त, रूचि सिंह बेदी उपमंडल अधिकारी (सिविल) कालका को संयुक्त निदेशक (स्थापना), हाउसिंग बोर्ड में हाउसिंग फॉर ऑल की सह-सचिव और मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना की अतिरिक्त मिशन निदेशक नियुक्त किया गया है। राकेश कुमार सैनी उपमंडल अधिकारी (सिविल) रोहतक को संयुक्त आयुक्त, नगर निगम, रोहतक नियुक्त किया गया है।

युवा साथियों को स्मृति चिन्ह, सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया

करनाल। नेशनल सोशल ऑर्गेनाइजेशन द्वारा हरियाणा की अलग-अलग शाखाओं से 30 युवा साथी हेरिटेज फेस्ट में भाग लेने त्रिपुरा बेझा गया था। हेरिटेज फेस्ट में 24 राज्यो व 4 देशों से 400 से ज्यादा युवा साथी शामिल होने पहुंचे थे। हेरिटेज फ़ेस्ट में युवा शिविर के साथ-साथ राज्यो से आये कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति दी। हरियाणा से गये युवा साथियों द्वारा वॉलंटियर्स ड्यूटी की गई व हरियाणवी लोक नृत्य की प्रस्तुति दी गई। सभी ने त्रिपुरा की नीर महल, अजंता पैलेस, त्रिपुरी सुंदरी मंदिर के दर्शन किए। हेरिटेज फ़ेस्ट त्रिपुरा की संस्था युवा विकास केंद्र द्वारा आयोजित किया गया था जिसके अध्यक्ष देबाशीश मजूमदार है। सभी युवा साथियों को मोमेंटो व सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया।

जिले में 38 स्थानों पर खोली जाएंगी मॉडल फेयर प्राइज की दुकानें

पायनियर समाचार सेवा। जालंधर

डिप्टी कमिश्नर ने निर्माण कार्य की प्रगति का लिया जायजा, 31 दिसंबर तक पूरा करने के दिए निर्देश

डिप्टी कमिश्नर विशेष सारंगल ने जालंधर जिले के उन गांवों में जहां कोई राशन डिपो नहीं हैं, वहां मॉडल फेयर प्राइज की दुकानें (राशन की दुकानें) खोलने के चल रहे काम की प्रगति का जायजा लेते हुए कहा कि पहले चरण के तहत जिले में 38 स्थानों पर ऐसे फेयर प्राइज की दुकानें खोली जाएंगी।

संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की अध्यक्षता करते हुए डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि इन दुकानों को मार्कफेड द्वारा संचालित की जाएंगी, जहां वे स्मार्ट कार्ड (आटा-दाल कार्ड) के लाभार्थियों को राशन की सप्लाई के अलावा मार्कफेड के उत्पाद भी बेच सकेंगे। श्री सारंगल ने कहा कि ये दुकानें इन गांवों में चल रही सहकारी समितियों में संचालित की जाएंगी। डिप्टी कमिश्नर ने अन्य स्थानों पर चल रहे कार्यों में तेजी लाने का निर्देश देते हुए अधिकारियों से कहा कि इस कार्य को प्रथम प्राथमिकता के आधार पर 31 दिसंबर 2023 तक पूरा करना सुनिश्चित करें ताकि योग्य लाभार्थी इस सुविधा का लाभ उठा सकें। इस अवसर पर अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर वरिंदरपाल सिंह बाजवा, एसडीएम त्रषभ बंसल आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

नेत्र चिकित्सा कैंप में 184 मरीजों की हुई जांच

कैंप में जांच कराने पहुंचे मरीज।

सोनीपत। अग्रवाल धर्मशाला गुड़मंडी में दी महाराजा अग्रसेन समिति के सौजन्य से नेत्र चिकित्सा कैंप लगाया गया। जिसमें की आम जनता अपनी आंखों का चेकअप गुरुग्राम इंदिरा गांधी नेत्र चिकित्सालय के डाक्टरों द्वारा किया गया। जांच के दौरान 39 मरीजों को मोतियाबिंद की शिकायत पाई गई, जिनमे से 30 को आज टीम के साथ ऑपरेशन के लिए भेजा गया तथा अन्य 9 मरीजों को 07 दिसम्बर को ऑपरेशन के लिए भेजा जायेगा तथा जिनको कोई अन्य बीमारी थी तो उनको फ्री में दवाइयां दी गई। कैंप में मरीजों की शुगर व ब्लड प्रेशर की जांच की गई। प्रधान टीकाराम मित्तल ने कहा कि हर महीने के पहले मंगलवार को यह कैम्प लगाया जाता है। संजय सिंगला ने कहा कि इस कैंप में 184 मरीजों ने जांच करवाई। कैंप में महाराजा अग्रसेन समिति के सदस्य सभी एकजुट होकर आम जनता की सेवा करते हैं। इस मौके पर ओडी गर्ग, प्रदीप गोयल, दयाराम जैन, डॉक्टर राजेश गुप्ता, आचार्य राजीव गर्ग, लक्ष्य गोयल व डॉक्टर टीम के इंचार्ज सुभाष यादव, डॉक्टर विवेक कुमार, शिवम, फरमान, बालमुकुंद, विकास, सफिया, आर्य, इक़बाल आदि मौजूद रहे।

युवा करेंगे उन्नत राष्ट्र का निर्माण : राधाकृष्ण आर्य

कुरुक्षेत्र। युवाओं के निर्माण से ही उन्नत राष्ट्र का निर्माण संभव है ऐसे में जरूरी है कि हमारे देश के युवा शारीरिक, मानसिक और चारित्रिक रूप से मजबूत हो और युवाओं को उन्नत बनाने का ये कार्य आर्य समाज तथा आर्य वीर दल द्वारा किया जा रहा है। उक्त शब्द घराड़सी के विद्याव्रत सीनियर सैकेंडरी स्कूल में चल रहे योग एवं जीवन निर्माण शिविर के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि पधारे आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा के प्रधान सेठ राधाकृष्ण आर्य ने कहे। उन्होंने कहा कि आज युवाओं में सबसे बड़ी विकृति नशे के कारण आ रही है जिससे बचाव का एकमात्र साधन आर्यसमाज है क्योंकि जो युवा आर्य समाज और आर्यवीर दल से एक बार जुड़ गया वह न केवल स्वयं के जीवन का निर्माण करता है बल्कि दूसरे युवाओं को भी नशा सहित दूसरे दुर्व्यसनों से बचाने का काम करता है। विद्यालय में पहुंचने पर डायरेक्टर बलजिन्द्र सिंह, सत्यवान, राकेश व प्रिंसीपल सुषमा शर्मा ने राधाकृष्ण आर्य सहित गुरुकुल कुरुक्षेत्र के प्रधान राजकुमार गर्ग का जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर वेद प्रचार प्रमुख विशाल आर्य, भजनोपदेशक महाशय जयपाल आर्य, जगदीश आर्य, व्यायाम शिक्षक आर्यमित्र एवं संजय आर्य सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहा। इससे पूर्व व्यायाम शिक्षक आर्यमित्र एवं संजय आर्य के नेतृत्व में विद्यालय के बच्चों ने सूर्य नमस्कार, भूमि नमस्कार, डम्बल, लेजियम, स्तूप निर्माण आदि का भव्य प्रदर्शन किया जिस पर दर्शकों ने तालियां बजाकर बच्चों का उत्साहवर्धन किया। विद्यालय प्रबंधकों द्वारा सेठ राधाकृष्ण आर्य, राजकुमार गर्ग, महाशय जयपाल आर्य, विशाल आर्य सहित सभी अतिथियों को सम्मानित किया गया।

राज्य स्तरीय खेल महाकुंभ लॉन टेनिस स्पर्धा में जीते 9 पदक

स्कूल स्टाफ के साथ ट्रॉफी के साथ विजेता खिलाडी।

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

यमुनानगर में आयोजित राज्य स्तरीय खेल महाकुंभ लॉन टेनिस चैंपियनशिप में लिटल एंजल्स विद्यालय की बालिका वर्ग की खिलाड़ी नैंसी, धात्री, आलिया, खुशी और वैष्णवी ने प्रतियोगिता के फाईनल मैच में राई स्पोर्टस स्कूल की टीम को 6-4, 6-2 के स्कोर से हराकर चैंपियनशिप पर कब्जा किया। वहीं बालक वर्ग में रिदम, अर्जुन, अरन्तया व पुष्कर ने रोहतक की टीम से फाईनल मैच में 4-6, 3-6 के स्कोर से खेलते हुए दूसरा स्थान प्राप्त किया। लिटल एंजल्स के खिलाड़ियों ने 5 स्वर्ण पदक व 4 रजत पदक प्राप्त कर अपने विद्यालय व जिले सोनीपत का नाम रोशन किया।

स्पर्धा में राज्य भर से लगभग 20 टीमों ने हिस्सा लिया। विद्यालय के चेयरमैन तरसेम कुमार गर्ग, सेक्रेटरी डॉ. विशाल गर्ग व विद्यालय की प्रधानाचार्या आशा गोयल ने सभी विजयी खिलाड़ियों को बधाई दी है।

चौथी राष्ट्रीय लोक अदालत 9 दिसंबर होगी आयोजित

यमुनानगर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव गुनीत अरोड़ा ने बताया कि चौथी राष्ट्रीय लोक अदालत 9 दिसंबर 2023 को शनिवार के दिन आयोजित कि जाएगी।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत मे अपराधिक मामले, धारा 138 के तहत एनआई एक्ट के मामले, एमएसीटी मामले, वैवाहिक विवाद, श्रम विवाद, भूमि अधिग्रहण मामले, बिजली और पानी से संबंधित मामले (गैर शमनयोग्य मामलों को छोड़कर) वेतन और भते तथा पुन: परिक्षण लाभ से संबंधित सेवा मामले, और राजस्व व अन्य सहायक मामले जो कि सुलझाने योग्य हैं इस अदालत मे लिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि आपसी सहमति से हल हो सकने वाले मामलों में राष्ट्रीय लोक अदालत बहुत ही कारगर सिद्ध हो रही हैं और राष्ट्रीय लोक अदालत में सुनाए गए फैसले की भी उतनी ही अहमियत है जितनी सामान्य अदालत में सुनाए गए फैसले की होती है।

वार्ड स्तर पर निगम चुनावों के लिए भाजपा नेताओं के आवेदन शुरू

गंदे पानी एवं खराब सीवरेज सिस्टम को ठीक करेंगे : अशोक हिक्की

पायनियर समाचार सेवा। जालंधर

तीन राज्यों में भाजपा की प्रचंड जीत के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं मे भी काफी उत्साह आ गया है। जिसके बाद नगर निगम जालंधर के चुनावों को लेकर भाजपा कार्यकर्ता अपने-अपने वार्ड स्तर पर अपने-अपने मंडल प्रधानों के साथ जिला भाजपा कार्यालय मे आवेदन देने शुरू हो गये हैं। जालंधर भाजपा कार्यालय में वेस्ट विधानसभा वार्ड 60 से कुनाल शर्मा, अनूप सरीन, वार्ड 55 से पवन कश्यप, तरविंद्र सोई, वार्ड 56 1-सतनाम सिंह (डी.सी), वार्ड 61 से रजनी पत्नी शामलाल, वार्ड 58 से सतपाल पप्पू प्रधान, वार्ड 83 से आयशा पत्नी नौशाद आलम, सैंट्रल विधानसभा के वार्ड 70 से वारिंद्र शर्मा गुड्डू व नार्थ विधानसभा के वार्ड 79 से अनीता पत्नी रोशन लाल ने अपना आवेदन जिला भाजपा महामंत्री अशोक सरीन हिक्की (एडवोकेट) को दिया।

जालंधर के सभी 85 वॉर्ड मे भाजपा कार्यकर्ता सक्रिय होकर जनता से संपर्क करना शुरू हो गये हैं। इस विषय पर बात करने पर जालंधर भाजपा के महामंत्री अशोक सरीन हिक्की ने बताया की चुनावों को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं मे काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। जिसके लिये हर वार्ड हर बूथ को जीतने के लिए भाजपा बूथ स्तर पर जनता से संवाद कर मजबूती से योजना बनाकर काम कर रही है। वैसे भी आप और कांग्रस से जनता पूरी तरह नाराज नाखुश है।

टाटा मोटर्स ने ऑल-न्यू इंट्रा वी 70 पिकअप, इंट्रा वी20 गोल्ड पिकअप और ऐस एचटी+ लॉन्च किया

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम / फरीदाबाद

भारत में कमर्शल वाहनों के सबसे बड़े निर्माता टाटा मोटर्स ने ऑल-न्यू इंट्रा वी70, इंट्रा वी20 गोल्ड और ऐस एचटी+ को लॉन्च किया है। कंपनी ने माल या सामान को प्रभावी ढंग से एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाने की प्रतिबद्धता के साथ यह गाड़ियां पेश की हैं।

इन नए वाहनों को भारी सामान कम लागत में लंबी दूरी तक पहुंचाने के लिए डिजाइन किया गया है। इन वाहनों में अपनी श्रेणी के बेहतरीन फीचर्स हैं। यह शहरों और गांवों में ट्रांसपोर्टर्स को बेहतर मुनाफा और उत्पादकता मुहैया कराती है। टाटा मोटर्स ने लोकप्रिय इंट्रा वी50 और ऐस डीजल व्हीकल्स का नया वर्जन लॉन्च किया। इसे स्वामित्व की कम लागत के साथ ईंधन की कम खपत करने के लिए फिर से बनाया गया है। अब देश भर में इन वाहनों की बुकिंग टाटा मोटर्स सीवी डीलरशिप पर खुल गई है।

टाटा मोटर्स के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर गिरीश वाघ ने इन वाहनों को लॉन्च करते हुए कहा, हमारे छोटे कमर्शल वाहन और पिकअप उपभोक्ताओं को उनकी कमाई का साधन मुहैया कराते हैं। ईंधन की खपत को कम से कम रखने के लिए इन गाड़ियों को डिजाइन किया गया है। इससे लंबी दूरी तक ज्यादा माल पहुंचाया जा सकता है। तेजी से बढ़ते शहरीकरण, फलती-फूलती ई-कॉमर्स की व्यवस्था, खपत में बढ़ोतरी, एक हब पर केंद्रित माल के वितरण का मॉडल विकसित हुआ है, लेकिन अब तक माल को बेहतरीन ढंग से एक जगह तक पहुंचाने में सक्षम और प्रभावी ट्रांसपोर्टेशन को उतना महत्व नहीं दिया गया है। टाटा मोटर्स के उपभोक्ता कंपनी की ओर से मिलने वाली कई बेहतरीन सेवाओं से कई तरह के लाभ हासिल कर सकते हैं। इससे भारत के सबसे बड़े सर्विस नेटवर्क का उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा।

युवा नया वोट बनवाकर लक्की ड्रा में जीतें लैपटॉप और स्मार्टफोन

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

निनर्वाचन आयोग की तरफ से युवाओं एवं महिलाओं को नए वोट बनवाने पर आकर्षक उपहार देने की अनूठी पहल शुरू की है। इसके तहत पहली अक्टूबर से 9 दिसंबर तक नया वोट बनवाने वालों को 5 जनवरी 2024 को प्रकाशित मतदाता सूची से निकाले जाने वाले लक्की ड्रा में लेपटॉप, स्मार्टफोन और पेन ड्राइव दिए जाएंगे।

जिला निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार ने कहा कि पारदर्शी वोटर लिस्ट ही पारदर्शी चुनाव का आधार है। आयोग का मुख्य ध्येय पारदर्शी मतदाता सूची तैयार करना है। मतदाता बनने का शुरू हुआ त्योहार 'आओ भाग लेकर पाएं आकर्षक उपहार' की पहल प्रदेश के पात्र युवाओं एवं महिलाओं को प्रोत्साहित करने के लिए शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि जिनका जन्म 2 जनवरी 2004 से एक जनवरी 2006 के बीच हुआ है और उन्होंने अपना वोट नहीं बनवाया है। ऐसे व्यक्ति वोटर हेल्पलाइन पर ऑनलाइन फार्म 6 भरकर मतदाता बन सकते हैं। इसके साथ ही आकर्षक ईनाम भी जीत सकते है। जिनकी आयु जनवरी, अप्रैल, जुलाई व अक्टूबर में 18 वर्ष हो जाती निवार्चन आयोग द्वारा उन्हें नए वोट बनवाने का अवसर प्रदान किया जा रहा है।

निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि इसके अतिरिक्त मृतक व्यक्तियों के नाम मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं। जिनकी आयु 18 वर्ष हो गई है, और अपना वोट बनवाने के लिए पात्र है। उन्हें वोट बनवाने के लिए स्थाई आवास का पता, जन्म तिथि तथा पासपोर्ट साईज का फोटो सहित तीनो की फोटो प्रतियां फार्म 6 के साथ लगानी होंगी।

पैनाटोनी ने भारत में अपना पहला प्रोजेक्ट शुरू किया

दिल्ली एनसीआर में पैनाटोनी पार्क एनएच 71 का फेज 1 लॉन्च

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पैनाटोनी ने प्रोजेक्ट के पहले फेज में 110 करोड़ रुपये का निवेश किया है

पैनाटोनी, दुनिया के एक सबसे बड़े इंडस्ट्रीयल रियल एस्टेट डेवलपर ने भारत में अपने पहले प्रोजेक्ट की घोषणा करते हुए दिल्ली एनसीआर में पैनाटोनी पार्क एनएच71 का फेज 1 लॉन्च किया है।

पैनाटोनी इंडिया का यह अत्याधुनिक और पर्यावरण के प्रति सचेत ग्रेड 'ए' वेयरहाउस पार्क भारत के बाजार में कंपनी का प्रवेश दिखाता है। एक संस्थागत निवेशक के साथ भागीदारी में पैनाटोनी ने प्रोजेक्ट के पहले फेज में 110 करोड़ रुपये का निवेश किया है। अगले एक वर्ष में अपने कई निवेश भागीदारों के साथ मिलकर पैनाटोनी ने देशभर में विभिन्न प्रोजेक्ट्स में 100 मिलियन यूरो का निवेश करने की योजना बनाई है। निर्माण-कार्य मार्च 2024 से शुरू होगा और वित्त-वर्ष 25 की चौथी तिमाही के अंत तक इसे पूरा किया जाएगा। यह पार्क दिल्ली, एनसीआर के व्यस्त क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग 352 पर स्थित है और वेयरहाउसिंग के एक मजबूत क्लस्टर से घिरा है। क्लस्टर के एक ओर लुहारी और फारुखनगर हैं और पार्क को बड़े रिटेलर्स, 3पीएल, ई-कॉमर्स तथा औद्योगिक जगह लेने वालों के एक बड़े समूह से अपनी निकटता का फायदा मिलता है। प्रोजेक्ट का फेज 1 717,000 वर्गफीट का है और इसका संभावित बिल्ट-अप एरिया 360,000 वर्गफीट है। विभिन्न औद्योगिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये डिजाइन किया जा रहा यह प्रतिष्ठान पर्यावरण-हितैषी कार्य-प्रणालियों और अभिनव बुनियादी ढांचे पर जोर देता है। यह पार्क अपशिष्ट जल का 100 फीसदी पुन: चक्रण करता है। इस घोषणा पर अपनी बात रखते हुए, पैनाटोनी के भारत में प्रबंध निदेशक संदीप चंदा ने कहा, भारत के गतिशील औद्योगिक परिदृश्य के द्वार के रूप में काम करते हुए, पैनाटोनी पार्क एनएच 71 भारत के विकसित हो रहे बाजार में हमारा पहला बड़ा कदम है।

तीन राज्यों की हार पर कांग्रेस समर्थकों का एक ही कलाम, गुटबाजी पर लगे लगाम

लाचार बेबस हाईकमान के कारण हरियाणा में नहीं बन पाया संगठन

कांग्रेस की हार से समर्थकों के निशाने पर बड़े नेता

पायनियर समाचार सेवा। रोहतक

मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान में बीजेपी की प्रचंड जीत व कांग्रेस की तीनों ही राज्यों में बुरी तरह हार होने के बाद भले ही कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अपनी अपनी राजनीति के लिए भविष्य की रणनीति बनाने में व्यस्त हो लेकिन हरियाणा में कांग्रेस पार्टी से जुड़े समर्थकों को इस हार ने इस कदर तोड़ दिया है कि अब वो खुले मन से यह कह रहे है कि कांग्रेस के नेताओं को मुख्यमंत्री की कुर्सी के लोभ ने ही कांग्रेस की नांव में छेद बना दिया है।

चुनाव परिणामों से पहले हरियाणा में कांग्रेस के समर्थक कांग्रेस की गुटबाजी के नुक्सान को नकारते हुए यह मान कर चल रहे थे कि अबकी बार राहुल गांधी की पदयात्रा और भाजपा सरकार की विरोधी लहर के बल पर वो हरियाणा में कांग्रेस की सरकार बन सकती है। लेकिन तीन राज्यों में कांग्रेस की गुटबाजी के कारण मिली करारी हार से कांग्रेस समर्थको यह मिथक भ्रम भी टूट गया कि बिना अच्छे संगठन और

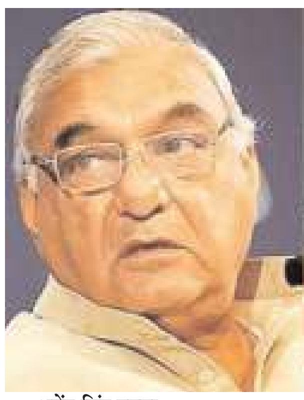

भूपेंद्र सिंह हुड्डा

कुमारी शैलजा

गुटबाजी खत्म हुए बिना भी कांग्रेस की सत्ता में वापसी हो सकती है और अब ऐसे में वे गुटबाजी करने वाले नेताओं को पानी पी कर कोसने का काम कर रहे है। प्रदेश कांग्रेस में मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर जिस प्रकार की गुटबाजी कांग्रेस के बड़े नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा व एसआरके गुट के नेताओं के बीच चल रही है ऐसे में ये दोनों ही गुट कांग्रेस के समर्थकों के निशाने पर आ गये है क्योंकि समर्थकों को मानना है कि यदि दोनों गुट के नेता अपनी मुख्यमंत्री बनने की चाह छोड़कर एकजुट हो कर काम नही करेगे तो आने वाले लोकसभा और विधान सभा चुनाव परिणाम भी इन तीनों राज्यों जैसे होंगे।

तीन राज्यों के चुनाव में मिली हार से कांग्रेस के समर्थक अब यह कहने लगे कि कांग्रेस के सभी नेताओं का तीनों राज्यों की गुटबाजी से सबक लेना चाहिए ताकि आने वाले समय में हरियाणा के चुनावों का हर्ष तीन राज्यों जैसा न हो। लेकिन कांग्रेस में अपनी अपनी ढफली और अपना अपना राग है। कोई हाईकमान के दम पर मुख्यमंत्री बनने के स्वपन देख रहा है तो कोई हाईकमान पर दबाब बनाकर अपने आप को मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करने पर अड़ा हुआ है। समर्थकों का मानना है कांग्रेस में जिस भी व्यक्ति को मुख्यमंत्री का पद मिल जाता है वो ताउम्र पार्टी की ओर से मुख्यमंत्री पद का दावेदार बना रहना चाहता है वो कभी किसी दूसरे नेता को मौका नही देना चाहता। कांग्रेस की इस गुटबाजी के कारण राजस्थान में सत्ता में रहते हुए भी पार्टी को बड़ी हार का सामना करना पड़ा, वहीं मध्य प्रदेश में भी कमलनाथ और दिग्विजय की गुटबाजी का खामियाजा पार्टी को भुगतना पड़ा है। पार्टी के एक नेता ने कहा कि जिस चुनाव में वे एकतरफा जीत की उम्मीद कर रहे थे उसे गुटबाजी ने बहुमत से दुर कर दिया है। छत्तीसगढ़ की प्रभारी व प्रदेश की कद्दावर नेता कुमारी शैलजा गुट से जुड़े एक नेता का कहना है कि वो छत्तीसगढ़ को आसानी से जीत लेते यदि सीएम पद के दावेदार बने सिंहदेव-बघेल में आपसी गुटबाजी नही होती। गुटबाजी का परिणाम झेल चुकी कांग्रेस हाईकमान भी इन स्थानीय नेताओं पर लगाम लगाने पर बेबस नजर आ रही है जिसका परिणाम यह है कि हरियाणा में कांग्रेस पिछले दो दशक से संगठन नाम की कोई चीज खड़ा नहीं कर पाई है।

कांग्रेस से जुड़े लोगों का कहना है कि पूर्व मुख्यमंत्री और एसआरके गुट के दो धड़ो में बट चुकी कांग्रेस के दोनों धड़ों का मकसद पार्टी के लिए संगठन खड़ा करने की बजाय अपने समर्थकों को संगठन में स्थापित करना व अपने समर्थकों को टिकट दिलाकर विधायक बनवाना है ताकि वो बहुमत आने पर अपने समर्थक विधायकों के दम पर पार्टी हाईकमान को आंख दिखाकर मुख्यमंत्री की कुर्सी हथिया सके। कांग्रेस पार्टी से जुड़े लोगों का मानना है कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा व एसआरके गुट की गुटबाजी के कारण हाईकमान भी संगठन के गठन के मामले को आगे खिसकाता जा रहा है। नेताओं की इस सत्तालोलुपता के चलते कांग्रेस हाईकमान भी बेबस और लाचार होता दिखाई दे रहा है।

पूर्व में मंत्री रहे हरियाणा कांग्रेस के एक नेता का आरोप है कि कांग्रेस के अति-महत्वाकंक्षा वाले एक नेता ने अपने आप को मजबूत करने के लिए कांग्रेस की हरियाणा में जड़े काटने का काम किया है। कांग्रेस से जुड़े लोगों का भी यही मानना है कि कांग्रेस में कुछ ऐसे आदमी आ गये जिन्होंनें पार्टी की विचारधारा के विपरीत अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए कांग्रेस को बर्बाद कर दिया है। हरियाणा के अलावा अन्य प्रदेशों में भी गुटबाजी का दंश झेल रही कांग्रेस हाईकमान के साथ समर्थकों में भारी निराशा है। गुटबाजी पर लगाम कब लगेगी यही एक बात चर्चा में बनी रहती है।

मांगों को लेकर भूख हड़ताल पर बैठे कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

लघु सचिवालय के गेट पर सरकार के खिलाफ की नारेबाजी

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर नगर निगम सोनीपत के इकाई के प्रधान भारत कंडेरा की अध्यक्षता भूख हड़ताल के दूसरे दिन जारी रही। भूख हडताल में मंच संचालक इकाई सचिव राजा भाई ने किया। नगर पालिका एवं अग्निशमन कर्मचारी के प्रति सरकार की बेरुखी, वायदा खिलाफी, तानाशाही व गुरुग्राम के 3480 सफाई कर्मचारियों सहित अन्य छंटनी ग्रस्त कर्मचारियों को ड्यूटी पर वापस लेने समझौते को लागू करने की मांग को लेकर पंचायत भवन से उपायुक्त कार्यालय तक प्रदर्शन किया।

जिला प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के आहवान पर प्रदेश भर में प्रदर्शन किये गये। सरकार की कर्मचारी विरोधी नीतियों के खिलाफ सड़कों पर आक्रोश प्रदर्शन किया। नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्य प्रेस सचिव राजीव खत्री व सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के जिला प्रधान देशराज नैन, जिला सचिव सुनील दत्त, सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्य उप प्रधान बिजेंद्र चहल, ओमप्रकाश मलिक, नरेश सोनीपत ब्लाक प्रधान आनन्द हुड्डा ने कहा कि हरियाणा सरकार ने 29 अक्टूबर और 5 अप्रैल को संघ से वार्ता के दौरान दर्जनों मांगों पर सहमति जताई थी, लेकिन आज तक मानी गई मांगो के पत्र जारी नहीं किए गए।

सरकार ने 8 फरवरी को सफाई कर्मचारी व सीवरमैनों के रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से वर्षों से लगे अनुबंध सफाई कर्मचारियों को अनुभव के आधार पर नियमित नियुक्ति करने के आदेश जारी किए थे, लेकिन आज तक इस पत्र को लागू नहीं किया गया सहित अन्य मागों को लेकर कर्मचारियों ने रोष प्रदर्शन किया।

भूख हडताल के दौरान महिला सब कमेटी की प्रधान कमलेश, उपप्रधान कमलेश, रानी , बिमला, मीना बबीता, भारत बहोत, दीपक बहोत कैशियर, विशाल, तेजपाल, विक्की, फायर से नितीन, जोगेन्दर, जितेन्द्र गिरी, विनोद, अमित सैनी, संदीप दहिया, दीपक सैनी, राजपाल , सचिन, सुमित आदि कर्मचारी मौजूद रहे।

सागर शर्मा बने अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण सभा के युवा प्रदेश अध्यक्ष

कैथल। अखिल भारतवर्षीय ब्रह्माण सभा की ब्राह्मण धर्मशाला में सभा के प्रदेश स्तरीय पदाधिकारियों के नाम की घोषणा की। पंडित संजय गौतम की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय प्रभारी पंडित केसी गौड, मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित रविंद्र कुमार शर्मा, अति विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष पंडित प्रमोद शर्मा व प्रदेश अध्यक्ष हरियाणा पंडित कर्मवीर शर्मा मौजूद रहे। संचालन दीपक निर्मल ने किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान परशुराम के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं पुष्प अर्पित करके हुआ। कार्यक्रम में समाज के उत्थान, समाज को एकजुट करने व समाज को आगे बढ़ाने के मुद्दों पर चर्चा हुई। इसमें सभी ने अपने विचार प्रकट किए। इस दौरान सागर शर्मा को युवा प्रकोष्ठ का प्रदेश अध्यक्ष, सुरेंद्र शर्मा को प्रदेश उपाध्यक्ष, रिंकू शर्मा को प्रदेश सचिव व संजय गौतम को विद्वत प्रकोष्ठ का प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किया गया। सभी मनोनीत पदाधिकारी को ब्राह्मण समाज के हित में काम करने की शपथ दिलाई गई।

कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष मुकेश शर्मा, संजीत शर्मा, सतीश पाराशर प्रदेश उपाध्यक्ष हरियाणा, अमित शर्मा सुनील शर्मा, मोहित शर्मा, मनजीत शर्मा, विशाल शर्मा, मंगल शर्मा, संदीप शर्मा, अमन शर्मा, रितेश शर्मा, मनीष शर्मा, दीपक शर्मा, संजीव शर्मा, साहिल शर्मा व नवीन शर्मा मौजूद रहे।

आधुनिक भारत के निर्माता थे, बाबा साहब अंबेडकर: डॉ. सैनी

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

डीएवी पीजी कॉलेज करनाल में वंचितों, महिलाओं एंव शोषित समाज के मुक्तिदाता,भारत रतन डॉ. भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर डॉ अंबेडकर चेयर एवं की ओर से आयोजित कार्यक्रम में कॉलेज के प्राचार्य डॉ रामपाल सैनी ने स्टाफ के साथ डॉ. भीम राव अंबेडकर की तस्वीर के समक्ष श्रृद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें श्रृद्धांजलि दी।

प्राचार्य डॉ रामपाल सैनी ने बाबा साहेब के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि विश्व में ज्ञान के प्रतिक डॉ अंबेडकर ने जीवन भर महिलाओं गरीबों, दलितों, शोषितों,अभाव में जी रहे लोगों के अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी और संविधान के माध्यम से उन्हें समाज में वो सभी अधिकार दिलवाएं जो प्रत्येक भारतीय को समाज में सम्मान से जीने का हौंसला देते हैं। और उन्हें समानता, बधुंता, मानवता, भाईचारे की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि उनके महापरिनिर्वाण दिवस पर उनको सच्ची श्रृंदाजलि यही होगी कि हम उनके विचारों को ग्रहण कर समाज में समानता लाने और सबको समाज के प्रथम पायदान पर खड़ा करने का प्रयास करे, ताकि सभी को बराबरी के साथ समाज की मुख्यधारा में लाया जा सके।

इस मौके डॉ संजय शर्मा, डॉ बलराम शर्मा, डॉ आशिष गुप्ता, डॉ विजय कुमार, पुस्तकालयाध्यक्ष संजय गुप्ता, विक्रम हरित,उप-अधीक्षक (कार्यवाहक) सहित सभी स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

अंबेडकर का जीवन सामाजिक क्रांति का सशक्त उदाहरण : कटारिया

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

सूरज भान कटारिया।

केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के सदस्य एवं वरिष्ठ भाजपा नेता सूरजभान कटारिया ने कहा कि संविधान निर्माता डॉ. अंबेडकर एक महान भारतीय राजनीतिज्ञ और समाज सुधारक थे। भारतीय संविधान के निर्माता, सामाजिक न्याय के पुरोधा, क्रान्तिकारी डॉ भीमराव आंबेडकर को सिर्फ शोषित, वंचित, पिछड़ों के नेता तक ही सीमित करना जातिगत मानसिकता का परिचायक है।

उन्होंने कहा कि आज हमें अगर कहीं भी खड़े होकर अपने विचारों की अभिव्यक्ति करने की आजादी है, समानता का अधिकार है तो यह डॉ आंबेडकर जी के संघर्षों से मुमकिन हो सका है। भारत वर्ष का जनमानस सदैव उनका कृतज्ञ रहेगा। सूरज भान कटारिया ने कहा संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. अंबेडकर, देश - समाज के अहम कार्यो से सर्वश्रेष्ठ बने है, ऐसे महापुरुष बाबा साहब डॉ. अंबेडकर दलित समाज के ही नहीं देश के धरोहर है। डॉ. भीमराव अंबेडकर के 68वे महापरिनिर्वाण दिवस की पूर्व संध्या पर डॉ. बी. आर. आंबेडकर इंस्टिट्यूट ऑफ फामेर्सी गांव मथाना में कटारिया ने कहा कि हम सभी को भारत रत्न बाबा साहब को याद करके श्रद्धाजंलि अर्पित करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर समाज के महापुरुषों का जीवन संदेश देश की उन्नित में अहम भूमिका निभाता है। डॉ अंबेडकर का जीवन सामाजिक क्रांति का सशक्त उदाहरण है हम सभी को अपने महापुरुषों की सामाजिक जीवनी को जीवन में धारण करना चाहिए।

गांव बनियानी पर गैंगस्टरों का साया, लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने एक महिला व दो शिक्षकों को दी धमकी

पायनियर समाचार सेवा। रोहतक

लॉरेंस बिश्नोई गैंग की तरफ से एक महिला टीचर सहित दो शिक्षकों को फोन कर जान से मारने की धमकी देने का मामला प्रकाश में आया है। कॉल करने वाले ने एक शिक्षक को कहा कि स्कूल में तेरा व्यवहार ठीक नहीं है। तू अपनी जान से हाथ धो लेगा। पिछले कई दिनों से मिल रही धमकियों के बाद इसकी शिकायत पुलिस को दे दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। वहीं साइबर टीम की मदद से जांच पड़ताल कर रही है।

रोहतक विराट शास्त्री ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह बनियानी के गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल में पीटीआई के पद पर कार्यरत है। उसके मोबाइल पर एक कॉल आई। उस वक्त वह घर पर सो रहे थे। फोन करने वाले ने उसे धमकी देते हुए कहा कि स्कूल में तेरा व्यवहार ठीक नहीं है, तू अपनी जान से हाथ धो लेगा। इसके बाद फोन कट गया। उसने दोबारा उस नंबर पर कॉल की तो नंबर नहीं लग सका। इसके बाद अन्य नंबर से कॉल आई, जिसे उसने परेशान होकर उठा लिया।

युवक बोला, जब कॉल उठाई तो धमकी देते हुए सामने वाले ने कहा कि कॉल नहीं उठाने से बचने वाला नहीं है। जिसमें सामने वाले ने एनकाउंटर करने की धमकी दी। इसके बारे में अपने स्कूल के अध्यापकों से बातचीत की तो पता चला कि मैथ पीजीटी उर्मिला को भी ऐसी ही जान से मारने की धमकी भरा कॉल आया था। पहले तो महिला शिक्षक ने कॉल रिसीव नहीं की। जब कॉल रिसीव की तो कहा गया कि कहा कि वे बिश्नोई गैंग के सदस्य हैं। अपहरण करके ले जाएंगे।

अर्बन एस्टेट थाना प्रभारी इंस्पेक्टर प्रहलाद सिंह ने कहा कि पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। अभी कॉल की कोई रिकार्डिंग नहीं आई है। साइबर टीम की मदद से इन कॉल की हिस्ट्री पता लगाई जा रही है। जिसके आधार पर मामले की जांच की जाएगी। यह किसी छात्र की शरारत हो सकती है।

जल्दी आरोपियों को काबू कर लिया जाएगा। आपको बता दे गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई। लॉरेंस का पूरा सिंडिकेट बना हुआ है। जिसमें काला जठेड़ी, गोल्डी बराड़ जैसे कई कुख्यात गैंगस्टर शामिल हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक उसके पास 700 शूटरों की फौज है। उसने बॉलीवुड स्टार सलमान खान को भी धमकी दी है।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में दिखा रैड ब्रैस्टिड पैराकीट पक्षी

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

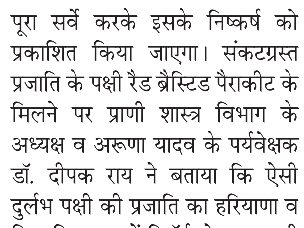

रैड ब्रैस्टिड पैराकीट पक्षी।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय का हरा-भरा परिसर अपने आप में जैव विविधता से परिपूर्ण है। शोधार्थी अरूणा यादव ने बताया कि गत सोमवार को रैड ब्रैस्टिड पैराकीट पक्षी को देखा गया व उसके घोसले की भी पहचान की गई। उपस्थित लिट्रेचर और विशेषज्ञों से चर्चा करके यह पता चला है कि पहले हरियाणा राज्य के पूरे क्षेत्र यह पक्षी नहीं देखा गया।

शोधार्थी अरूणा यादव केयू के जूलॉजी विभाग में डॉ. दीपक राय बब्बर के निर्देशन में पक्षियों की विविधता पर अपना शोध कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि इस पक्षी पर पूरा सर्वे करके इसके निष्कर्ष को प्रकाशित किया जाएगा। संकटग्रस्त प्रजाति के पक्षी रैड ब्रैस्टिड पैराकीट के मिलने पर प्राणी शास्त्र विभाग के अध्यक्ष व अरूणा यादव के पर्यवेक्षक डॉ. दीपक राय ने बताया कि ऐसी दुर्लभ पक्षी की प्रजाति का हरियाणा व विश्वविद्यालय में रिपॉर्ट होना बहुत ही सुखद बात है। इस प्रजाति के पक्षी एक स्थिर भौगोलिक क्षेत्र में रहते हैं।

दुकानों पर काम कर रहे थे 12 बाल मजदूर, 5 दुकानदारों के खिलाफ मामला दर्ज

कैथल। राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग की टीम ने पांच दुकानों पर छापेमारी कर 12 बाल मजदूरों को मुक्त कराया। दुकानदार उनसे 5 से 10 हजार प्रति माह की पगार पर 12 घंटे से अधिक काम ले रहे थे।

चीका पुलिस ने सभी दुकानदारों के खिलाफ बाल मजदूरी निषेध एवं नियमन अधिनियम के तहत फिर दर्ज की है। राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग के स्टेट कोऑर्डिनेटर पुनीत शर्मा की अगवाई में बाल कल्याण समिति के सदस्य प्रदीप कुमार लेबर इंस्पेक्टर अशोक कुमार, चाइल्ड प्रोटेक्शन ऑफिस से अमरजीत सोनू वह पुलिस के सब इंस्पेक्टर मदनलाल शामिल थे। कोऑर्डिनेटर पुनीत शर्मा ने बताया कि बाल संरक्षण आयोग ने 10 दिसंबर तक बाल मजदूरी के खिलाफ अभियान चला रखा है। उन्हें हरियाणा के लिए अधिकृत किया गया है। उन्होंने चीका शहर में विभिन्न दुकानों का टीम के साथ निरीक्षण किया।

फरल जनआशीर्वाद रैली में उमड़ेगा विशाल जनसैलाब: सुल्तान

कैथल। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुल्तान सिंह जडौला ने कहा कि 23 दिसंबर को गांव फरल में जन आशीर्वाद रैली हाथ से हाथ जोड़ो भीड़ के सभी रिकार्ड तोड़ते हुए ऐतिहासिक होगी। रैली को राज्ससभा सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा मुख्यातिथि के रूप में संबोधित करेंगे और अपने प्रिय नेता को सुनने के लिए लोगों का जनसैलाब उमड़ेगा।

हमें समाज में दिव्यांगों के अधिकारों के प्रति जागृति फैलानी चाहिए : प्रो. सुषमा शर्मा

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

उदयन शालिनी फेलोशिप, कुरुक्षेत्र की तरफ से विकलांग व्यक्तियों के अंतरराष्ट्रीय दिवस का निरीक्षण करने के लिए एक ऑनलाइन सत्र किया गया। इस सत्र में यूएसएफ की संयोजक डॉ. सुषमा शर्मा दवारा 2023 वर्ष की थीम %विकलांग व्यक्तियों के लिए, उनके साथ और उनके द्वारा, सतत विकास लक्ष्यों को बचाने और प्राप्त करने के लिए एकजुट होने पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हमें समाज में दिव्यांगों के अधिकारों के प्रति जागृति फैलानी चाहिए तथा उनके सम्मान के लिए कार्य करना चाहिए। उन्हें बताया गया है कि दिव्यांग बच्चों की विशेष देखभाल की जाती है और उन्हें शिक्षा के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है।

प्रजनन के लिए सबसे उपयुक्त समय माहवारी के बीच : डॉ. नंदिनी जैन

पायनियर समाचार सेवा। रेवाडी।

परिवार नियोजन में मिल सकती है मदद

व्यक्तिगत स्वास्थ्य और परिवार नियोजन में प्रजनन क्षमता व प्रजनन स्वास्थ्य की एक अहम भूमिका होती है। गर्भधारण और प्रजनन देखभाल के संबंध में निर्णय लेने के लिए प्रजनन के लिए सबसे उपयुक्त समय को जानना महत्वपूर्ण है। प्रजनन के लिए सबसे सही समय माहवारी के बीच होता है, जब गर्भधारण होने की संभावना सबसे ज्यादा होती है। यह समय आमतौर से ऑव्यूलेशन से पहले या उसके दौरान होता है, जब ओवरीज से अंडा निकलता है, जो शुक्राणु द्वारा निषेचित किया जा सकता है। अगर आपको इस समय के बारे में मालूम होता है, तो उससे परिवार नियोजन में मदद मिल सकती है, फिर चाहे आपका उद्देश्य गर्भधारण करना हो या उसे रोकना।

डॉ. नंदिनी जैन, कंसल्टैंट, बिरला फर्टिलिटी एंड आई. वी. एफ ने बताया कि माहवारी की अवधि लगभग 28 दिनों की होती है, लेकिन अलग-अलग महिलाओं में यह अलग-अलग हो सकती है। प्रजनन के लिए सबसे उपयुक्त समय इस अवधि के मध्य में हुआ करता है, जो आम तौर से अगली अपेक्षित माहवारी से 12-14 दिन पहले होता है। ओवरीज से अंडा आम तौर से 28 दिनों के चक्र में 14 वें दिन निकला करता है, हालांकि इस समय में भी अंतर हो सकता है। माहवारी के चक्र को अच्छी तरह से समझने से प्रजनन के लिए सबसे उपयुक्त समय की पहचान करने में मदद मिल सकती है। ऑव्यूलेशन के संकेतों, जैसे सर्विकल म्यूकस के गाढ़ेपन में परिवर्तन, इसका ज्यादा साफ और इलास्टिक होना, यौनेच्छा बढ़ना, और पेट में हल्की बेचैनी को पहचानने से प्रजनन के लिए उपयुक्त समय की महत्वपूर्ण जानकारी मिलती है। इस समय किया गया संभोग, जो आम तौर से ऑव्यूलेशन से 5 दिन पहले और ओव्यूलेशन के दिन होता है, गर्भधारण की संभावना को सबसे ज्यादा बढ़ा देता है।

नशा मुक्ति के लिए प्रहरी बने राम भक्त : सीएम मनोहर लाल

रामलीला कलाकारों और कमेटी पदाधिकारियों को सम्मानित कर की नई शुरुआत

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा में समाज निर्माण में संतो-महात्माओं की भूमिका को महत्वपूर्ण समझते हुए हरियाणा सरकार द्वारा शुरू की गई संत-महापुरुष सम्मान एवं विचार प्रचार-प्रसार योजना के बाद अब एक नई शुरुआत करते हुए पहली बार श्रीराम भक्तों यानि रामलीला का मंचन करने वाले कलाकारों व रामलीला कमेटी के पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया। जिला कुरुक्षेत्र के पुरुषोत्तपुरा बाग में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने 325 से अधिक रामलीला कमेटी के पदाधिकारियों व कलाकारों को सम्मानित किया।

हरियाणा में गरीब परिवारों के बुजुर्गों को तीर्थ स्थलों के भ्रमण के लिए विशेष रूप से मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना चलाई जा रही है, जिसके तहत बीपीएल परिवार के 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के लोग तीर्थ स्थलों का मुफ्त भ्रमण कर सकेंगे। इसी कड़ी में मंगलवार को मुख्यमंत्री ने इस योजना के पोर्टल का विधिवत शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पोर्टल के शुरू होते ही अब तक रेलवे की एक बोगी की बुकिंग हो चुकी है। 22 जनवरी के बाद अयोध्या के लिए पहला जत्था रवाना होगा। आगामी समय में इस योजना का विस्तार भी किया जाएगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने श्रीराम भक्तों को नशा मुक्ति प्रहरी बनने का आह्वान करते हुए कहा कि वे अपने रंगमंच के माध्यम से युवाओं को नशे से दूर रहने का संदेश दें। उन्होंने कहा कि ऐसी सामाजिक बुराइयों से लड़ने के लिए समाज में आप जैसे लोगों का सहयोग आवश्यक है। जिस प्रकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 22 जनवरी, 2015 को पानीपत से बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान की शुरुआत की गई थी और इस अभियान को सरकारी प्रयासों के साथ-साथ सामाजिक व धार्मिक संगठनों के सहयोग से सफल बनाया गया। जिसका परिणाम यह हुआ कि बेटियों को मारने वाले प्रदेश के रूप में कलंकित हरियाणा को अब बेटियों को बचाने वाला प्रदेश कहा जाता है। उसी प्रकार अब नशे को जड़ से खत्म करने के लिए जनजागरण के साथ-साथ जो लोग नशे की लत में फंस चुके हैं, उनका नशामुक्ति केंद्रों के माध्यम से पुनर्वास कर समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है। इस पुनीत कार्य में आप जैसे लोग नशा मुक्त प्रहरी बन कर महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि ड्रग्स के सप्लायर या इस काम में संलिप्त लोगों पर रोक लगाने के लिए कानूनी कार्रवाई सरकार द्वारा की जा रही है। मादक पदार्थों को जब्त किया जा रहा है और पिछले एक वर्ष में 140 करोड़ रुपये से अधिक के मादक पदार्थों को नष्ट किया गया है और नशे के कारोबार में संलिप्त 90 लोगों की संपत्तियों को भी ध्वस्त किया गया। ऐसे लोगों को जेल में भी डाला गया है।

पायनियर
हरियाणा, बुधवार, 06 दिसंबर, 2023

सरकार के आर्थिक विकास के दावों का प्रभाव जमीन पर क्यों नहीं दिख रहा : चिदंबरम

एजेंसी। नई दिल्ली

महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दों पर केंद्र सरकार को घेरते हुए कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने प्रश्न किया कि जब वह यह दावा करती है कि भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व में सबसे तेजी से विकास कर रही है तो उसका प्रभाव जमीन पर क्यों नहीं दिखाई पड़ रहा है? उच्च सदन में देश में आर्थिक स्थिति विषय पर अल्पकालिक चर्चा में भाग लेते हुए चिदंबरम ने कहा, हम बड़ी अर्थव्यवस्था हैं, हम तेजी से विकास कर रहे हैं, हम नवोन्मेषक हैं, हमारे देश में सबसे अधिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश हो रहा है, किंतु यह जमीन पर क्यों नहीं दिख रहा? उन्होंने यह बात विशेष तौर पर जाननी चाही कि इसका प्रभाव मुद्रास्फीति और रोजगार के आंकड़ों पर क्यों नहीं दिख रहा?

उन्होंने कहा, अंतत: प्रश्न है कि यह सरकार किसके लिए है? क्या यह गरीबों के लिए है और इसकी नीतियां इतनी तोड़ी मरोड़ी गई हैं कि यह अमीरों के पक्ष में है। उन्होंने कहा कि भाजपा अब हर साल दो करोड़ नए रोजगार जोड़ने की बात नहीं करती है। उन्होंने कहा कि अच्छी बात है कि वह अब चुनावी जुमला नहीं दोहराती है। चिदंबरम ने सरकारी आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि देश में कामगार आबादी दर 46 प्रतिशत है, जिसका मतलब है कि आबादी के अनुपात में कामगार का प्रतिशत 46 है। उन्होंने कहा कि इसमें पुरूष कामगारों की आबादी 69 प्रतिशत तथा महिलाओं की केवल 22 प्रतिशत है।

उन्होंने कहा कि कामगार आबादी में से मात्र 50 प्रतिशत ही वास्तव में काम करती है। उन्होंने कहा कि इसका मतलब है कि देश की मात्र 23 प्रतिशत आबादी ही काम करती है और भाजपा के पिछले नौ साल के शासन में यह स्थिति स्थाई रूप से बनी रही। चिदंबरम ने प्रश्न किया कि जब अर्थव्यवस्था इतनी तेज गति से विकास कर रही है तो कामगारों के आंकड़ों में वृद्धि क्यों नहीं हो रही है? उन्होंने कहा कि 25 वर्ष की आयु तक चार में से एक स्नातक युवा बेरोजगार है और 35 वर्ष की आयु तक हर दस में से एक स्नातक बेरोजगार है।

उन्होंने कहा कि भारत में 55 प्रतिशत रोजगार स्वरोजगार है। उन्होंने कहा कि नियमित वेतन पाने वाले कर्मचारियों की संख्या 24 प्रतिशत से घटकर 21 प्रतिशत रह गई है। उन्होंने कहा कि रोजगार के क्षेत्र में मात्रा ही नहीं गुणवत्ता में भी कमी आई है। उन्होंने कहा, पिछले दस वर्ष का वैभवपूर्ण काल का प्रभाव रोजगार में क्यों नहीं प्रतिबिंबित हो रहा है? पूर्व वित्त मंत्री ने महंगाई का मुद्दा उठाते हुए कहा कि पिछले कुछ महीनों में इसकी दर अवश्य कम हुई है किंतु अब तक सीपीआई (उपभोक्ता मूल्य सूचकांक) वहन करने योग्य 4-6 प्रतिशत की दर से अधिक बना हुई है।

बच्चों के पोषण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है

उन्होंने कहा कि महंगाई दर और बेरोजगारी दर अधिक होने का असर घरेलू खर्च करने की क्षमता पर प्रतिकूल तरीके से पड़ता है। उन्होंने कहा कि इसका मतलब है कि हम कम खपत कर रहे हैं और अधिक ऋण ले रहे हैं एवं अपनी घरेलू संपत्ति एवं बचत को खत्म कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसका प्रभाव है कि देश की निबल वित्तीय बचत पिछले पचास साल के सबसे निचले स्तर 5.1 प्रतिशत पर आ गई है। कांग्रेस नेता ने कहा कि इसका बच्चों के पोषण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। उन्होंने कहा कि इससे बच्चों के शारीरिक ही नहीं मानसिक विकास पर भी असर पड़ रहा है। उन्होंने सरकार से प्रश्न किया कि इस अमृत काल में क्या देश की अर्थव्यवस्था मार्च 2024 तक बढ़कर 200 लाख करोड़ रुपये हो जाएगी? उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को इसका जवाब देना चाहिए।

ट्रेन में ऑडियो विज्ञापन शुरू करेगा डीएमआरसी

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) वायलेट लाइन पर छह ट्रेनों में शुरुआती परियोजना के रूप में ऑडियो विज्ञापन शुरू करेगा। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ये विज्ञापन इस महीने से कश्मीरी गेट और बदरपुर बॉर्डर के बीच चलने वाली ट्रेनों पर एक साल के लिए प्रसारित किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि नई सुविधा को आवश्यक सेवा उद्घोषणाओं के साथ सहजता से संचालित करने के लिए सोच-समझकर डिजाइन किया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यात्रियों के लिए कुल मिलाकर मेट्रो में सफर का अनुभव अच्छा रहे। डीएमआरसी के एक अधिकारी ने कहा, ये ऑडियो विज्ञापन यात्रा में एक सुखद और आकर्षक आयाम जोड़ने को तैयार हैं, जो यात्रियों की दिनचर्या में एक स्वागत योग्य बदलाव लाएंगे। उन्होंने कहा, प्रायोगिक परियोजना को लेकर मिले फीडबैक के आधार पर, राजस्व पैदा करने वाले इस माध्यम का अन्य लाइनों तक विस्तार किया जा सकता है।

जम्मू कश्मीर में नेहरू की गलतियों को पीएम मोदी की सरकार ने सुधारा : ठाकुर

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने जम्मू कश्मीर में प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के समय की गई गलतियों को सुधारा है और पिछले चार वर्ष में केंद्रशासित प्रदेश में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। लोकसभा में जम्मू कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक और जम्मू कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक पर चर्चा के दौरान कुछ विपक्षी सदस्यों के बयानों पर जवाब देते हुए ठाकुर ने यह बात कही।

इससे पहले नेशनल कॉन्फ्रेंस के हसनैन मसूदी और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की सुप्रिया सुले समेत कई सदस्यों ने संविधान का अनुच्छेद 370 समाप्त होने के चार साल बाद भी जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव नहीं होने का मुद्दा उठाया था। ठाकुर ने कहा कि विपक्षी सदस्य सवाल उठा रहे हैं कि अनुच्छेद 370 और अनुच्छेद 35ए को हटाने के बाद क्या हुआ? उन्होंने कहा कि इन प्रावधानों को समाप्त करने के बाद राज्य में कोविड महामारी के दौर में भी जिला विकास परिषदों का चुनाव होना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। ठाकुर ने कहा कि विपक्षी सदस्य कश्मीर का जिक्र आने पर वहां के कुछ परिवारों के नाम तो लेते हैं लेकिन महाराजा हरि सिंह और सरदार वल्लभ भाई पटेल का नाम लेना भूल जाते हैं। उन्होंने कहा, नेहरू जी की गलतियों को सुधारने का काम 5 अगस्त (2019) को मोदी सरकार ने संसद में किया था। केंद्रशासित प्रदेश में पिछले कुछ महीनों के दौरान आतंकवादी हमलों में सैन्यकर्मियों के शहीद होने के संबंध में राकांपा सदस्य सुप्रिया सुले के बयान पर ठाकुर ने कहा कि जवानों की शहादत पर सभी को दुख है।

उन्होंने कहा कि राकांपा सांसद ने सहयोगात्मक संघवाद के लिए भाजपा के वरिष्ठ नेताओं दिवंगत अरुण जेटली और सुषमा स्वराज को याद किया। ठाकुर ने कहा कि जब संसद में पांच अगस्त, 2019 को जम्मू कश्मीर से संबंधित अनुच्छेद 370 के प्रावधान समाप्त किए गए थे, तब अस्वस्थ अवस्था में ही सुषमा स्वराज ने प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को फोन कर इस फैसले पर खुशी जताई थी। उन्होंने कहा, सुषमा जी एम्स में भर्ती थीं।

हम तो जम्मू कश्मीर में आरक्षण के लिए कानून पारित करा रहे हैं

उन्होंने कहा कि देश में करीब 60 साल तक कांग्रेस का शासन रहा और इस दौरान जम्मू कश्मीर में 45 हजार से अधिक सैनिक और आम नागरिक मारे गए। उन्होंने कहा, तब कोई नहीं बोला। आप भी दस साल उस सरकार का हिस्सा रहे थे। सैनिकों को बुलेटप्रूफ जैकेट नहीं मिली। शायद उसमें भी कमीशन खोज रहे थे। ठाकुर ने कहा, हम तो जम्मू कश्मीर में आरक्षण के लिए कानून पारित करा रहे हैं। पिछले चार वर्ष में केंद्रशासित प्रदेश में बड़ा बदलाव देखने को मिला है।

शांतिनिकेतन में शीतकालीन पौष मेले का आयोजन नहीं

कोलकाता। शांतिनिकेतन में शीतकालीन पौष मेला का लगातार चौथे वर्ष आयोजन नहीं होगा। अधिकारियों ने मेले की तैयारियों के लिए समय की कमी का हवाला देते हुए आयोजन को रद्द कर दिया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

वर्ष 2020, 2021 और 2022 में भी मेला आयोजित नहीं किया जा सका था। विश्व भारती और शांतिनिकेतन ट्रस्ट ने एक संयुक्त बयान में कहा कि नेक इरादों के बावजूद इस साल मेला आयोजित करना संभव नहीं लगता है। केंद्रीय विश्वविद्यालय ने दो दिसंबर को घोषणा की थी कि मेले के आयोजन पर आम सहमति बन गई है। विश्व भारती की प्रवक्ता महुआ बनर्जी ने संयुक्त बयान में कहा, सभी उपस्थित लोगों द्वारा गहन चर्चा के बाद सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि शांतिनिकेतन ट्रस्ट और विश्वविद्यालय के लिए सभी नेक इरादों के बावजूद 2023 में पौष मेला आयोजित करना संभव नहीं लगता है। बयान में कहा गया है कि मेले को आगे नहीं बढ़ाने का निर्णय शांतिनिकेतन ट्रस्ट के तीन सदस्यों की एक बैठक में लिया गया, जिसमें पूर्व कार्यवाहक कुलपति सबुजकली सेन, विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद के सदस्य, शिक्षाविद और प्रशासनिक अधिकारी शामिल थे।

जानलेवा कालाजार बीमारी का कब खात्मा करेगा भारत

एजेंसी। नई दिल्ली

बांग्लादेश ने सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए कालाजार बीमारी को जड़ से समाप्त कर दिया है। इसके साथ ही यह सवाल पैदा हो गया है कि भारत आखिरकार इस जानलेवा बीमारी का कब खात्मा करेगा? विशेषज्ञों ने कहा कि इस बीमारी के खिलाफ लड़ाई जारी है लेकिन इसका खात्मा अभी पूरी तरह नहीं हुआ है। इस बीमारी के खिलाफ लड़ाई को जारी रखने के रास्ते में चुनौतियां बनी हुई हैं- खासतौर से बीमारी के बाद के लक्षणों और इसके साथ एचआईवी संक्रमण होने की आशंका से निपटने में। इस बीमारी से सबसे अधिक प्रभावित चार राज्यों में से एक बिहार में कालाजार मेडिकल रिसर्च सेंटर के कार्यक्रम निदेशक श्याम सुंदर ने कहा, रोग के मामले 2014 में 44,533 से कम होकर 2023 में तकरीबन 463 रह गए हैं जो मामलों में 99 फीसदी की गिरावट है।

ड्रग फॉर नेगलेक्टेड डिजीज इनिशिएटिव, दक्षिण एशिया निदेशक कविता सिंह ने कहा, अब ध्यान भारत पर है और हम उसकी घोषणा का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। विसेरल लीशमैनियासिस (वीएल) या कालाजार सैंड फ्लाई या मरूमक्षिका के काटने से फैलने वाला परजीवी रोग है। इसके लक्षणों में बार-बार बुखार आना, वजन कम होना, तिल्ली और यकृत का बढ़ना तथा एनीमिया है। अगर इसका उपचार न किया जाए तो 95 फीसदी मामलों में यह बीमारी जानलेवा साबित होती है। वैश्विक रूप से इस बीमारी के ज्यादातर मामले ब्राजील, पूर्वी अफ्रीका और भारत में सामने आते हैं। हर साल दुनिया में कालाजार के तकरीबन 50000 से 90000 नए मामले सामने आते हैं, जिनमें से केवल 24-45 प्रतिशत मामले डब्ल्यूएचओ में दर्ज किए जाते हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने इस साल जनवरी में कहा था कि भारत में कालाजार के मामलों में 98.7 फीसदी की गिरावट आई है। देश में 2007 में इसके 44,533 मामले थे जो 2022 में 834 रह गए हैं। उन्होंने इस साल के अंत तक इस बीमारी के उन्मूलन की प्रतिबद्धता दोहराई थी। एक बड़ी उपलब्धि में, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 31 अक्टूबर को घोषणा की कि बांग्लादेश कालाजार बीमारी को खत्म करने वाला दुनिया का पहला देश बन गया है। इसे इस तथ्य के आधार पर सफलतापूर्वक मान्यता दी गई कि देश के प्रत्एक उप-जिले में लगातार तीन वर्षों तक बीमारी के रिपोर्ट किए गए मामलों की संख्या प्रति 10000 लोगों पर एक से कम थी।

सालाना 6000 रुपये की राशि को बढ़ाने का कोई प्रस्ताव नहीं : तोमर

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना के तहत किसानों को दी जाने वाली राशि को मौजूदा 6000 रुपये प्रतिवर्ष से बढ़ाने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

तोमर ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में लोकसभा को बताया, इस समय पीएम-किसान योजना की राशि 6000 रुपये से बढ़ाने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। केंद्र सरकार ने दिसंबर 2018 में इस योजना को लागू किया था, जिसके तहत किसानों के बैंक खातों में हर साल 6,000 रुपये की राशि 2,000 रुपये की तीन किस्तों में हस्तांतरित की जाती है।

तोमर ने अपने उत्तर में यह भी बताया कि केंद्र ने अब तक 11 करोड़ से अधिक किसानों के खातों में 2.81 लाख करोड़ रुपये इस योजना के तहत प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) माध्यम से हस्तांतरित किए हैं। ग्रामीण विकास राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने सदन में प्रश्नकाल के दौरान एक सदस्य के पूरक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि पीएम-किसान के तहत राज्य सरकारों से करीब 11 करोड़ किसानों की सूची केंद्र को मिली थी, जिनमें दो करोड़ नाम फर्जी निकले थे। उन्होंने कहा, सरकार की इच्छा है कि किसान सम्मान निधि योजना को अधिकतम स्तर पर लाया जाए, यानी देश के समस्त किसानों को इसका लाभ मिले और इस दिशा में काम हो रहा है।

राजस्थान में नेता प्रतिपक्ष का फैसला कांग्रेस आलाकमान करेगा

एजेंसी। जयपुर

कांग्रेस विधायक दल की बैठक मंगलवार को यहां पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में हुई। बैठक में राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष का नाम तय करने का फैसला पार्टी आलाकमान पर छोड़ने का प्रस्ताव पारित किया गया।

कांग्रेस महासचिव स्वर्णिम चतुर्वेदी ने बैठक के बाद बताया कि प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में हुई बैठक में एक प्रस्ताव पारित किया गया, जिसमें नेता प्रतिपक्ष का नाम तय करने के लिए पार्टी आलाकमान को अधिकृत किया गया है। इस बैठक में निवर्तमान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, वरिष्ठ नेता सचिन पायलट के साथ ही पार्टी की ओर से नियुक्त विशेष पर्यवेक्षक भूपेंद्र सिंह हुड्डा, मुकुल वासनिक एवं मधुसूदन मिस्त्री भी शामिल हुए। चतुर्वेदी ने बताया कि बैठक के बाद पर्यवेक्षकों ने एक-एक कर विधायकों से बात की। उल्लेखनीय है कि राज्य की 200 सदस्यीय विधानसभा की 199 विधानसभा सीट पर मतदान हुआ, जिसके वोटों की गिनती रविवार को की गई। इसमें भाजपा को 115 सीट के साथ बहुमत मिला जबकि कांग्रेस 69 सीटों पर सिमट गई। नतीजे आने के बाद अशोक गहलोत ने राज्यपाल कलराज मिश्र को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा सौंप दिया।

जबरन धर्म परिवर्तन के लिए तीन के खिलाफ मामला दर्ज

एजेंसी। प्रयागराज

प्रयागराज के कर्नलगंज थाना क्षेत्र में छोटा बघाड़ा के तीन लोगों के खिलाफ जबरन धर्म परिवर्तन कराने का मामला सामने आया है। छोटा बघाड़ा की संगीता गुप्ता ने मंगलवार इन लोगों के खिलाफ उनका, उनकी बेटी और उनके पिता का जबरन धर्म परिवर्तन कराने का मामला दर्ज कराया। कर्नलगंज थाने में दर्ज कराई गई प्राथमिकी में महिला ने आरोप लगाया है कि छोटा बघाड़ा के मुस्ताक अली ने उनके पिता को लालच देकर अपने घर पर बनी मजार पर बुलाया और जबरन उनका धर्म परिवर्तन करा दिया।

प्राथमिकी के मुताबिक, संगीता के पिता की मृत्यु के बाद मुस्ताक अली ने उन्हें और उनकी बेटी स्मृति गुप्ता को डरा-धमका कर मजार पर बुलाया और जादू-टोना करके उनकी बेटी को भी जान से मारने की धमकी दी एवं अपने बेटों- अकरम, जुनैद और फैजान की मौजूदगी में उनका धर्म परिवर्तन कराया। प्राथमिकी में महिला ने अपनी बेटी और अन्य महिलाओं के साथ यौन शोषण किए जाने का भी आरोप लगाया है। पुलिस ने अकरम, जुनैद और फैजान के खिलाफ भादंसं की धाराओं 147 (बलवा), 323 (चोट पहुंचाना), 504 (अपमान करना), 342 (बंधक बनाना), 354 (क) (यौन उत्पीड़न) और उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम, 2021 की धारा तीन के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार चूंकि मुस्ताक अली का निधन हो चुका है, इसलिए उसके खिलाफ मामला दर्ज नहीं किया।

सरकार के गठन पर चर्चा के लिए जेडपीएम की बैठक आज शाम को

आइजोल। मिजोरम में जोराम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) के मुख्यमंत्री पद के चेहरे लालदुहोमा राज्य में अगली सरकार के गठन पर निर्णय लेने के लिए मंगलवार शाम को पार्टी के नवनिर्वाचित विधायकों और अन्य नेताओं के साथ बैठक करेंगे। पार्टी के एक नेता ने यह जानकारी दी। जेडपीएम ने मिजोरम विधानसभा चुनाव के लिए सोमवार को हुई मतगणना में कुल 40 में से 27 सीट पर जीत हासिल की। उन्होंने कहा कि मंत्रिपरिषद का गठन और विभागों का बंटवारा बैठक का शीर्ष एजेंडा होगा। जेडपीएम के नेता ने कहा, लालदुहोमा मंगलवार रात आठ बजे निर्वाचित विधायकों, पार्टी की निर्णय लेने वाली इकाई वैल यूपीए काउंसिल और अन्य नेताओं के साथ बैठक करेंगे। हम बैठक के बाद सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे।

भारत में अवैध रूप से रह रही बांग्लादेशी महिला गिरफ्तार

बरेली। बरेली जिले में देवरनिया क्षेत्र के उदयपुर गांव में पिछले 35 वर्षों से अवैध रूप से रहने के आरोप में एक बांग्लादेशी महिला को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि पकड़ी गई 55 वर्षीय अनीता देवी बांग्लादेश के एशोर के सरसा स्थित बेदी नारायणपुर नझारन गांव की मूल निवासी है और वह बरेली के देवरनिया थाना क्षेत्र के उदयपुर गांव में मंगल सेन नामक व्यक्ति की पत्नी बनकर पिछले 35 वर्षों से रह रही थी। सूत्रों के मुताबिक बांग्लादेश में उसका एक रिश्तेदार बीमार है और उसी से मिलने जाने के लिए अनीता ने पासपोर्ट के लिए आवेदन किया था। उन्होंने बताया कि आवेदन की जांच करने के लिए जब पुलिस गांव पहुंची तब महिला के बांग्लादेशी होने और उसके अवैध रूप से भारत में रहने की बात सामने आई। उनके अनुसार उसके बाद मुकदमा दर्ज करके उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

तालचर यूरिया संयंत्र का निर्माण कार्य अगले साल तक पूरा होने की संभावना : केंद्र

नई दिल्ली। सरकार ने मंगलवार को राज्यसभा में कहा कि तालचर स्थित कोयला गैसीकरण आधारित यूरिया संयंत्र का निर्माण कार्य निर्धारित समय से पीछे चल रहा है और इसके अगले साल सितंबर तक पूरा होने की उम्मीद है। रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री भगवंत खुबा ने एक सवाल के लिखित जवाब में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि तालचर यूरिया संयंत्र के निर्माण कार्य में देरी का प्रमुख कारण कोविड-19 वैश्विक महामारी का फैलना और संबंधित प्रासंगिक मुद्दे (यात्रा प्रतिबंध आदि) हैं। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के सितंबर 2024 तक पूरा होने की उम्मीद है और इस परियोजना पर अब तक 4200 करोड़ रुपये का खर्च आया है। मंत्री ने कहा कि कोविड के कारण पूरे देश में लंबे समय तक लॉकडाउन रहा, जिससे परियोजना के लिए प्रारंभिक इंजीनियरिंग कार्य में देरी हुई।

ईडी की कार्रवाई के बाद सरकारी बैंकों को 15000 करोड़ रुपये वापस मिले : सीतारमण

एजेंसी। नई दिल्ली

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को राज्यसभा में कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धनशोधन रोकथाम कानून के तहत कार्रवाई करते हुए 15186.64 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है तथा इनमें से लगभग सभी राशि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को वापस लौटा दी गई है। वित्त मंत्री ने उच्च सदन में प्रश्नकाल के दौरान पूरक सवालों के जवाब देते हुए यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि ऋणों का भुगतान नहीं करने वालों, खासकर जानबूझकर कर ऐसा करने वालों के खिलाफ विभिन्न कानूनी प्रावधानों के जरिए कार्रवाई की जा रही है और उसके फलस्वरूप, बड़ी मात्रा में धनराशि बैंकों को वापस मिल रही है। सीतारमण ने कहा कि 31 मार्च, 2023 तक 13,978 ऋण खातों के खिलाफ वसूली के लिए कानूनी मुकदमे दायर किए गए जबकि 11483 मामलों में सरफेसी कानून के तहत कार्रवाई शुरू की गई है, वहीं 5674 मामलों में प्राथमिकी दर्ज की गई है और कुल 33801 करोड़ रुपये की वसूली हुई है। वित्त मंत्री ने कहा, एक दिसंबर, 2023 तक, धनशोधन कानून के तहत 15,186.64 करोड़ रुपये की संपत्ति ईडी ने जब्त की है, जिसमें से 15,183.77 करोड़ रुपए सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को वापस कर दिए गए हैं। इस दौरान उच्च सदन के सभापति जगदीप धनखड़ ने उनसे फोन बैंकिंग का अर्थ बताने के लिए कहा। वित्त राज्य मंत्री भागवत कराड ने एक पूरक सवाल का जवाब देते हुए फोन बैंकिंग शब्द का उल्लेख किया था।

सीतारमण ने कहा कि समस्या की जड़ 2004 से 2014 के बीच संप्रग शासनकाल के दौरान थी, जब ऐसे लोगों को ऋण देने के लिए कहा गया जो पात्र नहीं थे। उन्होंने कहा, भारतीय बैंकों की समस्याओं को सुलझाने का बोझ हम पर आ गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मेरे पूर्ववर्ती अरुण जेटली (पूर्व वित्त मंत्री) सहित विभिन्न लोगों के साथ बैठे। हमें यह समझने में काफी समय लग गया कि समस्या कहां है और हमने आरबीआई के साथ मिलकर काम किया।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और उसने पिछली तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 7.6 प्रतिशत दर्ज की। वित्त मंत्रालय के अनुसार पिछले दो वित्त वर्ष में, वाणिज्यिक बैंकों में गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनएपी) खातों की संख्या 2.19 करोड़ से घटकर 2.06 करोड़ हो गई है, जो 6.2 प्रतिशत की कमी स्पष्ट करती है। इसी प्रकार, इस अवधि के दौरान ऐसे खातों का कुल बकाया (सकल एनपीए) 7.41 लाख करोड़ रुपये से घटकर 5.72 लाख करोड़ रुपए हो गया है, जो 22.9 प्रतिशत की गिरावट दिखाता है।

वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि सभी वाणिज्यिक बैंकों के लिए शुद्ध एनपीए अनुपात 2017-18 में 5.94 प्रतिशत था, जो 2022-23 में घटकर 0.95 प्रतिशत रह गया है। राज्य के स्वामित्व वाले बैंकों के मामले में, शुद्ध एनपीए 2017-18 में 5.94 प्रतिशत था, जो अब 1.24 प्रतिशत रह गया है।

राजनीतिक हस्तक्षेप ने हमारे सभी बैंकों की स्थिति को खराब

वित्त मंत्री सीतारमण ने फोन बैंकिंग का जिक्र करते हुए कहा कि फोन बैंकिंग वह तरीका है, जिसके जरिए (2004-2014 के दौरान संप्रग शासनकाल में) राजनीतिक हस्तक्षेप ने हमारे सभी बैंकों की स्थिति को खराब कर दिया और उन्हें घाटे में ला दिया। उन्होंने कहा, उस समय फोन बैंकिंग के तहत लोग बैंकों को फोन करते थे और कहते थे कि अमुक व्यक्ति आपके बैंक से ऋण लेने आएगा, कृपया उसे दे दें। उसका अर्थ है कि उनकी पात्रता आदि पर गौर करने की कोई आवश्यकता नहीं है तथा ऋण अवश्य दिया जाना चाहिए।

मदरसा शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष ने की मदरसों की जांच स्थगित करने की मांग

एजेंसी। लखनऊ

उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा परिषद के अध्यक्ष इफ्तिखार अहमद जावेद ने मंगलवार को राज्य के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री धर्मपाल सिंह को पत्र लिखकर सरकार से अनुदानित मदरसों के शिक्षकों एवं अन्य कर्मचारियों की शैक्षिक योग्यता तथा वहां उपलब्ध सुविधाओं की जांच को स्थगित करने का आग्रह किया।

जावेद ने पत्र में कहा है कि उनके संज्ञान में आया है कि अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की निदेशक जे. रीभा ने राज्य सरकार से अनुदान एवं स्थायी मान्यता प्राप्त मदरसों की जांच का आदेश दिया जबकि अभी मदरसों में वर्तमान सत्र की परीक्षा की तैयारी की जा रही है। उन्होंने कहा है कि ऐसे में उनका अनुरोध है कि फिलहाल जांच स्थगित कर परीक्षा कार्य को वरीयता दी जाए ताकि छात्र-छात्राओं का भविष्य सुरक्षित रह सके। उन्होंने यह भी लिखा कि मदरसों में परीक्षा की तैयारी के साथ-साथ परीक्षा केंद्रों पर अनुपस्थित छात्र-छात्राओं का परीक्षाफल घोषित करने की कार्यवाही भी चल रही है, ऐसी स्थिति में जांच कराने से इन महत्वपूर्ण कार्यों के प्रभावित होने की प्रबल संभावना है।

जावेद ने पत्र में कहा, बोर्ड की मंशा है कि मदरसों में वार्षिक परीक्षा भी अन्य शिक्षा परिषदों की तरह समय से करा ली जाएं। चूंकि जांच से असमंजस की स्थिति पैदा हो रही है, ऐसे परीक्षा कार्य देर से शुरू होने की स्थिति में समय से परीक्षा कराना संभव नहीं हो पाएगा। खासकर तब, जब अगले ही साल लोकसभा चुनाव भी होने हैं।

एसआईटी ने 700 फाइलों को खंगाला

● नोएडा प्राधिकरण में 2015-16 में सबसे ज्यादा बरती गई अनियमितता

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा में बीते 12 घंटों से एसआईटी की टीम फाइलों को खंगालने का काम कर रही है। फाइलों पर वित्त नियंत्रक एसके गुप्ता, एसीईओ संजय खत्री व सीईओ लोकेश एम जवाब दे रहे है। मंगलवार को भी सुबह करीब 11 बजे के आसपास बोर्ड ऑफ रेवेन्यू के चेयरमैन एवं एसआईटी के हेड हेमंत राव, मेरठ मंडल की कमिश्नर सेल्वा कुमारी जे और एडीजी मेरठ राजीव सभरवाल पहुंचे। बोर्ड रूम में हेमंत राव खुद फाइलों को देख रहे है। अब तक करीब 700 से ज्यादा फाइलों के दस्तावेजों को खंगाला गया। इसकी एक सूची तैयार की गई और जमीन अधिग्रहण, आपसी समझौते और न्यायालय के आदेश पर कितना मुआवजा दिया गया।

इसका मिलान प्राधिकरण की सालाना बैलेंस शीट से कराया जा रहा है। ये बैलेंस शीट प्राधिकरण की वित्तीय बैठक में प्रस्तुत की जाती है। इसमें साल भर का प्राप्तियां और आय व्यय, मुआवजा का विवरण होता है।

कुछ कमियां निकलकर सामने आई है। हालांकि एसआईटी की टीम जनवरी 2015.2016 की फाइलों पर ज्यादा ध्यान दे रही है। क्योंकि सुप्रीम कोर्ट में जो मामला गया है वो इन्हीं तरीखों में किया गया घोटाला है। इस दौरान 15 मामलों में करीब 100 करोड़ रुपए अतिरिक्त बांटा गया था। तत्कालीन सीईओ से लेकर भू लेख विभाग, वित्त, नियोजन विभाग के अधिकारियों के हस्ताक्षरों का मिलान भी किया जा रहा है। इन सभी को नोटिस जारी किया जा सकता है। इनसे पूछताछ भी हो सकती है। बता दे इस मामले में प्राधिकरण ने एक एफआईआर 8 अक्टूबर को की थी। जिसमें 11 प्रकरणों का जिक्र करते हुए कुल 82 करोड़ रुपए राजस्व नुकसान की जानकारी दी गई।

इसमें किसान दलीप सिंह, भुल्लड़, गोपी, विद्यावति, सोहनलाल, रामरिख, महेंद्र, रामे, हंसराज, राम रतन और हो राम है। इन सभी के अलावा इस सत्र से जुड़ी मुआवजे की फाइलों को खंगाला जा रहा है। इनके वारिसों से रकम वापस लाने के लिए प्राधिकरण आरसी जारी की है। इसके अलावा उच्च न्यायालय में लंबित और जिन फाइलों पर आदेश हुए उन सभी प्रकरणों को सूचिबद्ध करते हुए जांच की जा रही है।

पकड़ी गई थीं अनियमितता

■ 5 नवंबर	2015	91712426
■ 7 जनवरी	2016	72680427
■ 3 नवंबर	2015	21582527
■ 10 अगस्त	2015	41639607
■ 10 अगस्त	2015	15350397
■ 4 सितंबर	2015	23899744
■ 9 सितंबर	2015	194026437
■ 2 नवंबर	2015	3342825
■ 9 अक्टूबर	2015	10761110
■ 11जनवरी	2016	19966711
■ 7 जनवरी	2016	38066690
■ 19 अक्टूबर	2015	9641365

आईपीएल के लिए तैयार होगा नोएडा का क्रिकेट स्टेडियम

नोएडा। नोएडा क्रिकेट स्टेडियम को आईपीएल के लिए तैयार किया जा रहा है। सेक्टर.21ए में स्थित ये स्टेडियम अगले साल होने वाले आईपीएल तक पूरी तरह से तैयार हो जाएगा। स्टेडियम को बीसीसीआई और आईसीसी के मानकों के अनुसार बदला जा रहा है। इसमें फ्लड लाइट लगाई जाएगी। जिससे डे-नाइट मुकाबले यहां हो सकेंगे।

40 हजार दर्शकों की क्षमता वाले नोएडा क्रिकेट स्टेडियम का इन्फ्रास्ट्रक्चर अंतरराष्ट्रीय मैचों को देखते हुए तैयार किया गया था। लेकिन फ्लड लाइट सबसे बड़ी बाधा थी। इसके चलते यहां इंटरनेशनल मुकाबले कराने के लिए नोएडा प्राधिकरण आगे नहीं आ रहा था।

अब स्टेडियम में फ्लड लाइट लगाई जाएंगी। इसके अलावा 30 हजार कुर्सियों के साथ 15 वीआइपी बॉक्स लगाए जाएंगे। प्रैक्टिस पिच समेत अन्य सुविधाओं पर भी काम होगा। इसका टेंडर हो चुका है

नोएडा में नहीं मिली अतीक की संपत्ति

● दस फाइलों की जांच हुई, अधिकारियों को शक- किसी दूसरे नाम पर खरीदी गई प्रॉपर्टी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

माफिया अतीक अहमद ने कितनी प्रॉपर्टी बनाई थी, ये सवाल अब भी कायम है। क्योंकि प्राधिकरण की जांच में नोएडा में अतीक की संपत्ति का विवरण नहीं मिला है।

अधिकारियों को शक है कि अतीक और उसके परिवार के नाम पर यहां संपत्ति न होकर किसी और नाम से ली गई हो सकती है। इसके लिए प्रयास किए जा रहे है। हालांकि प्रयागराज कमिश्नरेट को नोएडा प्राधिकरण की ओर से जवाब भेज दिया गया है। प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी संजय खत्री ने बताया कि प्रयागराज कमिश्नरेट की ओर से जारी पत्र के अनुसार प्राधिकरण के लैंड, ग्रुप हाउसिंग, इंडस्ट्री, कॉमर्शियल में अतीक और उससे जुड़े 9 लोगों की संपत्ति का विवरण तलाश किया गया। करीब 10 दिन तक फाइलों को खंगाला गया।

लेकिन, एक भी संपत्ति का विवरण इन लोगों से संबंधित नहीं मिला। हालांकि वह इस बात से इनकार नहीं कर रहे कि इन लोगों से जुड़ी संपत्ति नोएडा में नहीं है।

हो सकता है वह किसी और नाम से ली गई हो। इसलिए प्रयास अब भी जारी है। इस साल अप्रैल में भाई अशरफसंग अतीक के मारे जाने के बाद अतीक का परिवार इन बची हुई संपत्तियों को मैनेज करने के लिए परेशान है।

पता चला है कि पिछले कुछ समय से परिवार नोएडा की प्रॉपर्टी बेचने की फिराक में है। अतीक के बेटों के दोस्त सौदा तय कर रहे हैं। कई रिश्तेदार भी इसमें लगे हैं। उधर, पुलिस अवैध रूप से अर्जित करोड़ों की जमीन की तलाश में है। इस क्रम में ये पत्र नोएडा प्राधिकरण को भेजा गया था। पत्र में स्पष्ट था कि अतीक समेत कुल 9 लोगों के खिलाफ गैंगस्टर 14 आई एक्ट के तहत कार्यवाही की जा रही है।

इस क्रम में अतीक अहमद, अशरफ अतीक की पत्नी शाइस्ता, अशरफ की पत्नी जैनम और अतीक के पुत्र अली, उमर, असद, एहजम और आबान की संपत्ति का विवरण तलाशने के लिए कहा गया था। बता दें अतीक और उसके गैंग आईएस-227 से जुड़े गैंग मेंबरों की अवैध तरीके से अर्जित नामी.बेनामी संपत्ति जब्त करने का सिलसिला जारी है। पुलिसए ईडी ने अब तक अतीक, अशरफ और उसके परिवार की 12 हजार करोड़ की संपत्ति को चिह्नित कर कार्रवाई की है।

अतीक की ज्यादातर संपत्ति दूसरे के नामों पर रही हैं। अब परिवार के लोग चुपके से उस जमीन को बेच रुपए अर्जित करने में लगे हैं ताकि करोड़ों की इस जमीन को भी कुर्क न कर लिया जाए। वहीं पुलिस मामले की जांच कर रही है। बेनामी संपत्ति पर निगाह बनाये हुए है।

लोकसभा चुनाव में पार होगा 400 सीटों का आंकड़ा

● मंत्री जितिन प्रसाद पहुंचे ग्रेटर नोएडा, 36 करोड़ की परियोजना का किया शिलान्यास

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

उत्तर प्रदेश सरकार के लोक निर्माण विभाग के मंत्री जितिन प्रसाद ग्रेटर नोएडा पहुंचे। दादरी के आनंदपुर गांव में उन्होंने 36 करोड़ की योजना का शिलान्यास किया।

इस दौरान उन्होंने कहा कि तीन राज्यों में जीत केवल झांकी है। 2024 में हम 400 से ज्यादा सीटें जीतेंगे। लोक निर्माण विभाग मंत्री जितिन प्रसाद ग्रेटर नोएडा पहुंचे। दादरी विधानसभा के आनंदपुर गांव में एक कार्यक्रम में वह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने दो सड़कों का शिलान्यास किया।

करीब 36 करोड़ की लागत से इन दो सड़कों का चौड़ीकरण होगा। इन कार्यक्रम में राज्य मंत्री बृजेश सिंह, स्थानीय सांसद डॉक्टर महेश शर्मा, दादरी विधायक तेजपाल नागर, क्षेत्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र सिसोदिया रहे। इन दोनों सड़कों के कार्य पूरा होने से दादरी के गांव को ग्रेटर नोएडा से कनेक्टिविटी मिलेगी। दादरी विधानसभा के दर्जनों गांव के लोगों को ग्रेटर नोएडा जाने में काफी राहत मिलेगी। इस दौरान जितिन प्रसाद ने कहा कि पूरे उत्तर प्रदेश में इस समय विकास हो रहा है।

योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश की अलग पहचान बनी है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में लगातार सड़कें बना रही है। आम जनता के हित में कार्य हो रहा है। तीन राज्यों में जीत पर उन्होंने कहा कि अभी तो यह केवल झांकी है। 2024 में हम लोकसभा की 400 से ज्यादा सीट जीतेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में और उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री के नेतृत्व में विकास कार्य हो रहे हैं। देश आगे बढ़ रहा है और आगामी 2024 के चुनाव में एक बार फिर भाजपा की सरकार बनेगी और 400 से ज्यादा सीट इस बार जीतेंगे।

मेट्रो में ऑडियो विज्ञापन शुरू करेगा डीएमआरसी

● वायलेट लाइन पर छह ट्रेनों में परियोजना को किया जाएगा शुरू

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) वायलेट लाइन पर छह ट्रेनों में शुरुआती परियोजना के रूप में ऑडियो विज्ञापन शुरू करेगा। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ए विज्ञापन इस महीने से कश्मीरी गेट और बदरपुर बॉर्डर के बीच चलने वाली ट्रेनों पर एक साल के लिए प्रसारित किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि नई सुविधा को आवश्यक सेवा उद्घोषणाओं के साथ सहजता से संचालित करने के लिए सोच-समझकर डिजाइन किया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यात्रियों के लिए कुल मिलाकर मेट्रो में सफर का अनुभव अच्छा रहे। डीएमआरसी के एक अधिकारी ने कहा, ये ऑडियो विज्ञापन यात्रा में एक सुखद और आकर्षक आयाम जोड़ने को तैयार हैं, जो यात्रियों की दिनचर्या में एक स्वागत योग्य बदलाव लाएंगे। उन्होंने कहा, प्रायोगिक परियोजना को लेकर मिले फीडबैक के आधार पर, राजस्व पैदा करने वाले इस माध्यम का अन्य लाइनों तक विस्तार किया जा सकता है।

ग्रेटर नोएडा में दो छात्र गुटों में मारपीट

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के कोतवाली दादरी क्षेत्र में स्थित सुपरटेक जार सोसाइटी में चल रही एक पार्टी में 6 लोगों ने हमला बोल दिया। मारपीट कर एक छात्र को अगवा करने का प्रयास किया। इस हंगामा के बाद आसपास के लोग इकट्ठा हो गए।

किसी ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल दिया। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए पांच लोगों को हिरासत में लिया है। छात्रों के दो गुटों में हुए विवाद को कारण बता रहे है। पुलिस ने युवक के अगवा होने की बात से इनकार किया है। कुछ युवक एक युवक के साथ मारपीट कर उसे जबरन कार में ले जाते हुए लोगों का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। यह घटना सोमवार की है।

सुपरटेक जार सोसाइटी में रहने वाले उज्जवल भाटी के घर पर पार्टी चल रही थी।

रैपिड रेल के दूसरे फेज की तैयारियां तेज

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

मेरठ रैपिड रेल कॉरिडोर का पहला खंड साहिबाबाद–दुहाई शुरू होने के बाद दूसरे खंड दुहाई डिपो मेरठ दक्षिण की तैयारियां तेज कर दी हैं।

इस कड़ी में मुरादनगर रिसीविंग सब स्टेशन से मुरादनगर स्टेशन के सहायक सब स्टेशन में 33केवी क्षमता पर बिजली सप्लाई मंगलवार से आरंभ कर दी गई है। इस सब स्टेशन से मुरादनगर, मोदीनगर साउथ, मोदीनगर नॉर्थ, मेरठ साउथ और परतापुर रैपिड रेल स्टेशन तक बिजली आपूर्ति की जाएगी। इस सब स्टेशन की क्षमता 70 मेगावाट की है।

यहां कुल 4 ट्रांसफार्मर लगाए गए हैं। प्रवक्ता पुनीत वत्स ने कहा, रैपिड रेल की बिजली सप्लाई के लिए उप्र पॉवर ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन लिमिटेड से करार किया गया है। ग्रिड सबस्टेशन से 220 केवी वोल्टेज पर बिजली मुरादनगर रिसीविंग सब स्टेशन में आ रही है।

विदेशियों के खिलाफ अपराधों में हुई बढ़ोतरी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार दिल्ली में वर्ष 2022 में विदेशियों के खिलाफ अपराध के मामलों में 48 प्रतिशत की वृद्धि हुई। आंकड़ों के अनुसार, 2022 में दिल्ली में विदेशियों के खिलाफ अपराध के कुल 40 मामले दर्ज हुए, जो 2021 में दर्ज किए गए 27 मामलों से अधिक हैं। हालांकि ये 2020 में दिल्ली में दर्ज विदेशियों के खिलाफ अपराध के 62 मामलों की तुलना में कम हैं। एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली में विदेशियों द्वारा किए गए अपराधों में 20 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। दिल्ली में 2022 में विदेशियों द्वारा किए गए अपराधों के कुल 256 मामले दर्ज हुए, जबकि 2021 में यह संख्या 322 और 2020 में 168 थी।

शातिर चोरों के गिरोह का पुलिस ने किया खुलासा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा के कासना थाना पुलिस ने चोरों के गिरोह का खुलासा किया। इस दौरान चोरों के गिरोह के चार चोरों को गिरफ्तार किया गया।

इन चोरों के कब्जे से 6 मोबाइल, 30 हजार की नकदी व तमंचे आदि बरामद किए है। घरों में रेकी करने के बाद यह चोरी की घटना को अंजाम दिया करते थे। ग्रेटर नोएडा के कासना थाना क्षेत्र में एक घर में अज्ञात चोरों के द्वारा चोरी की घटना को अंजाम दिया गया था। इस घटना के बाद पुलिस के द्वारा दो टीमों का गठन किया गया। इन चोरों की तलाश में दोनों टीम जुट गई। लोकल इंटेलीजेंस और गोपनीय सूचना के आधार पर पुलिस ने अमीचंद इंटर कॉलेज के पास से चार चोरों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने इन लोगों की निशानदेही पर चोरी किया हुआ सामान भी बरामद किया। कासना पुलिस ने इन लोगों के कब्जे से तीन अवैध तमंचे कारतूस 6 मोबाइल फोन 30 हजार रुपये की नकदी वह अन्य सामान बरामद किया। इस दौरान पुलिस ने दनकौर निवासी अंकित, दिल्ली निवासी पीयूष, कासना निवासी आयुष और बुलंदशहर निवासी हिमांशु को गिरफ्तार किया।

युवक की हत्या, खेत में मिला शव

गाजियाबाद। लोनी थाना क्षेत्र अंतर्गत खड़खड़ी गांव के पास एक युवक की हत्या कर दी गई। उस अज्ञात युवक का शव समाधी के पास स्थित एक खेत में पड़ा मिला।

उक्त मर्डर की सूचना के बाद मौके पर पहुंची लोनी थाना पुलिस ने युवक की हत्या की गुत्थी सुझाने व उसकी शिनाख्त करने के प्रयास शुरू कर दिये थे। पुलिस के मुताबिक प्रथम दृष्टया ऐसा लग रहा है कि वह व्यक्ति मौके प स्थित आठ.दस फिट ऊंची बाउंड्री वॉल से गिरकर मर गया होगा। इस संदर्भ में एसीपी लोनी सूर्यबली मौर्य का कहना है कि पुलिस युवक की मौत की गुत्थी सुलझाने के लिये कई एंगिल पर जांच कर रही है।

छूट के लिए संपत्ति की जियोटैगिंग जरूरी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम ने संपत्ति कर में छूट का लाभ उठाने के लिए सभी प्रकार की संपत्तियों की जियोटैगिंग को अनिवार्य कर दिया है। यदि कोई करदाता 31 जनवरी 2024 तक अपनी संपत्तियों को जियो–टैग करने में विफल रहता है, तो वे 30 जून तक अगले वित्तीय वर्ष 2024–25 में कर के एकमुश्त अग्रिम भुगतान पर 10 प्रतिशत छूट का लाभ नहीं उठा पाएंगे। एमसीडी ने संपत्ति मालिकों से अनुरोध किया है कि वे अपनी संपत्ति की जियो–टैगिंग की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूरा करें और राष्ट्रीय राजधानी के विकास में योगदान दें।

गैर–आवासीय संपत्तियों के कई मामलों में, निगम अधिकारी खुद भी जियो–टैगिंग कर रहे हैं, हालांकि, यह करदाताओं को सुनिश्चित करना है कि उनकी संपत्ति की जियो–टैगिंग हो जाए। यदि किसी संपत्ति को एमसीडी अधिकारियों द्वारा पहले ही जियो–टैग किया जा चुका है, तो उसे दोबारा जियो–टैग करने की कोई आवश्यकता नहीं है।

जियो-टैगिंग के फायदे

करदाताओं द्वारा संपत्तियों की जियो-टैगिंग व्यक्तिगत संपत्तियों की स्थान–वार पहचान प्रदान करेगी और दिल्ली नगर निगम द्वारा नागरिकों को सेवा वितरण के बेहतर प्रावधान को सक्षम बनाएगी। संपत्तियों की जियो–टैगिंग किसी भी यूपीआईडी के लिए वर्तमान स्थान का चयन करके जीआईएस मानचित्र पर एक संपत्ति के लिए एक अद्वितीय अक्षांश-देशांतर स्थिति (Unique Longitude-Latitude) निर्दिष्ट करने को संदर्भित करती है ताकि सभी संपत्तियों को उनके स्थान को एक अद्वितीय अक्षांश-देशांतर स्थिति द्वारा पहचाना जा सके।

संक्षिप्त समाचार

लोनी बार एसोसिएशन के बैनर तले वकीलों ने कलेक्ट्रेट पर ज्ञापन सौंपा।

वकीलों ने कलक्ट्रेट पर ज्ञापन सौंपा

गाजियाबाद। गाजियाबाद जिले की लोनी बार एसोसिएशन के बैनर तले वकीलों ने मंगलवार को एक ज्ञापन कलक्ट्रेट में सौंपा। वकीलों ने कहा कि लोनी नगर पालिका को गाजियाबाद नगर निगम में शामिल करने की तैयारी चल रही है। लेकिन हम चाहते हैं कि लोनी नगर पालिका एकदम अलग नगर निगम बने। बार एसोसिएशन अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार ने कहा लोनी पूरे उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा जनसंख्या वाली नगर पालिका परिषद है। ये क्षेत्र दिल्ली से एकदम सटा हुआ है। भाजपा अपने तमाम प्रयासों के बावजूद यहां पर अपना चेयरमैन नहीं बना पाई है। ऐसे में लोनी सहित गैर भाजपा शासित नगर पंचायतों–पालिकाओं की संवैधानिक लोकतंत्र जनमत व्यवस्था को खत्म करने की साजिश की जा रही है। इसके तहत लोनी नगर पालिका को गाजियाबाद नगर निगम में शामिल करने की तैयारी चलने की खबरें चर्चाओं में हैं। जनहित में ये प्रस्ताव निरस्त किया जाए और लोनी नगर पालिका को ही अलग से नगर निगम बनाया जाए। लोनी बार एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री के नाम ये ज्ञापन एडीएम को सौंपा और इस पर अमल करने की मांग की। वकीलों ने कहा कि अगर लोनी नगर पालिका को गाजियाबाद नगर निगम में शामिल किया जाता है तो इसके खिलाफ आंदोलन करेंगे। क्योंकि ये जनता की भावनाओं के साथ खिलवाड़ होगा।

गाजियाबाद में यू–टर्न पर 3 कार आपस में भिड़ीं

गाजियाबाद। गाजियाबाद के क्रॉसिंग रिपब्लिक थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे 09 पर यू टर्न पर तीन गाड़ियां आपस में भिड़ गई। सुबह के समय सर्दी के चलते कोहरा छाया हुआ था। पुलिस के मुताबिक इस हादसे में कोई घायल नहीं हुआ है। साथ ही किसी ने कोई शिकायत थाने में नहीं दी है। गाजियाबाद में सर्दी के कोहरे का साइड इफेक्ट दिखाई दिया है। यहां थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक के क्षेत्र में नेशनल हाईवे 09 पर एबीएस कॉलेज के सामने यू टर्न पर तीन कार आपस में भिड़ गई। कारों के भिड़ने का कारण सुबह छाया हुआ कोहरा बताया जा रहा है। क्रॉसिंग रिपब्लिक थाना प्रभारी रवि बालियान ने बताया कि सुबह तीन गाड़ियों के आपस में टकराने की सूचना मिली थी। जिस पर मौके पर पुलिस पहुंच गई थी। गनीमत रही की इस हादसे में कोई घायल नहीं हुआ।

गाजियाबाद में नॉनवेज दुकानें बंद हों

गाजियाबाद। जयपुर में हवामहल से बीजेपी विधायक बाल मुकुंदाचार्य नॉनवेज की दुकानों को बंद कराने को लेकर आजकल चर्चाओं में हैं। इस बीच गाजियाबाद में लोनी क्षेत्र से बीजेपी विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने मीट की दुकानों और होटलों को बंद कराने की मांग कर डाली है। विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने मंगलवार को इस बाबत एक पत्र गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट को लिखा है। इसमें विधायक ने कहा लोनी के सभी थाना क्षेत्रों में कथित नेताओं के संरक्षण में सुविधा शुल्क लेकर मीट की दुकानें, मांसाहारी होटल और कट्टीघर संचालित हो रहे हैं। ऐसी सूचना मेरे जनता दरबार में प्राप्त हुई है। ये चिंताजनक है और प्रदेश सरकार की मंशा के खिलाफ है। नंदकिशोर गुर्जर ने पत्र में कहा इस मामले में सभी थाना क्षेत्रों को सख्त कार्रवाई हेतु निर्देशित करें।

ग्रेटर नोएडा में अतिक्रमण पर चला बुलडोजर

नोएडा। अतिक्रमण के खिलाफ ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण का अभियान लगातार जारी है। इसी कड़ी में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने छपरौला में अधिसूचित एरिया पर अवैध कब्जे को ध्वस्त कर दिया और करीब 25000 वर्ग मीटर जमीन को अतिक्रमण से मुक्त करा लिया है। यह जमीन करोड़ों रुपए की बताई जा रही है। कॉलोनाइजर यहां पर अवैध कॉलोनी काट रहे थे।

आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में वैज्ञानिक क्षमता की बड़ी भूमिका: डॉ. जितेंद्र

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री ने एनडीएमसी विद्यालयों के वार्षिक विज्ञान मेले का किया उद्घाटन किया

● मेले में लगभग 60 से अधिक मॉडल प्रदर्शित किए

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

फोटो: रंजन डिमरी

एनडीएमसी विद्यालय के वार्षिक विज्ञान मेले का उद्घाटन करते मंत्री जितेंद्र सिंह।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (स्वतंत्र प्रभार), राज्य मंत्री – डॉ. जितेंद्र सिंह ने एनडीसीसी कन्वेंशन सेंटर में नई दिल्ली नगरपालिका परिषद विद्यालयों के वार्षिक विज्ञान मेले का उद्घाटन किया। विज्ञान मेला का उद्घाटन करने के बाद, केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री, श्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि युवा दिमाग विज्ञान और प्रौद्योगिकी और इनोवेशन के साथ भारत के भविष्य के विकास को आगे बढ़ाएंगे।

आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में भारत की वैज्ञानिक क्षमता की बहुत बड़ी भूमिका होने वाली है। डॉ. जितेंद्र सिंह ने यह भी कहा कि, हमारी सबसे बड़ी संपत्ति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं, जिनकी न केवल विज्ञान के प्रति स्वाभाविक रुचि है, बल्कि वे विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी आधारित पहलों और परियोजनाओं को समर्थन और बढ़ावा देने में भी आगे आ रहे हैं। इस अवसर पर, पालिका परिषद के अध्यक्ष अमित यादव, उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय, सदस्य एनडीएमसी, विशाखा शैलानी, अन्य वरिष्ठ अधिकारी, शिक्षक और अभिभावक भी उपस्थित थे।

दो दिवसीय एनडीएमसी स्कूलों के वार्षिक विज्ञान मेले का आयोजन कर रही है। इसमें अपने स्कूलों के उभरते वैज्ञानिकों द्वारा मॉडल और चार्ट के रूप में इस मेले का आयोजन किया गया है।

विज्ञान मेले का विषय प्रौद्योगिकी और खिलौने है। विज्ञान खेल, प्रश्नोत्तरी, वाद-विवाद, स्वास्थ्य मेला, विज्ञान खिलौने आदि भी इस विज्ञान मेले के मुख्य आकर्षण हैं। पालिका परिषद के इस विज्ञान मेले में 60 से अधिक मॉडल्स प्रदर्शित किये गये है, जो भविष्य के वैज्ञानिकों के वैज्ञानिक स्वभाव, योग्यता और नवीन दिमाग को प्रदर्शित करते हैं। विज्ञान/गणित के आविष्कारी प्रदर्शन, पालिका टिंकरिंग लैब/अटल टिंकरिंग लैब के प्रदर्शन, और विज्ञान के साथ मनोरंजन, चमत्कारों के पीछे का विज्ञान पर छात्रों के लिए इंटरेक्टिव कार्यशालाएं और राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र के साथ विज्ञान के चमत्कारों की खोज भी विज्ञान में शामिल किये गये हैं।

विज्ञान मेलें में डिजिटल इंडिया मिशन और राष्ट्रीय शिक्षा नीति में उल्लिखित उद्देश्यों पर भी प्रकाश डाला गया है। यह विज्ञान प्रदर्शनी कार्यक्रम सभी स्कूलों के छात्रों, माता-पिता, अभिभावकों, शिक्षकों, स्कूल प्रशासकों और विज्ञान के प्रति उत्साही लोगों के लिए नि:शुल्क खुला है।

एनडीएमसी जीवन के सभी क्षेत्रों से लोगों को एक साथ आने और युवा वैज्ञानिकों की प्रतिभा को देखने और स्थायी भविष्य के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का जश्न मनाने का आग्रह करता है। यह आयोजन सीखने और जुड़ाव के लिए एक अनूठा अवसर देने का वादा भी करता है।

संश्लेषित तेल से गठिया दर्द में राहत

बोस्टन वैज्ञानिकों ने एक ऐसा सिंथेटिक पॉलिमर तैयार किया है जिसका इस्तेमाल जोड़ों के लिए लुब्रिकेंट के रूप से किया जा सकेगा। इससे गठिया के रोगियों को दर्द में बड़ी राहत मिलेगी। यह जानकारी एक अध्ययन में दी गई है। 'बोस्टन यूनिवर्सिटी बायोमेडिकल इंजीनियरिंग' के शोधकर्ताओं ने हड्डियों के जोड़ों के लिए एक नए लुब्रिकेंट का विकास किया है। इससे अस्थिसंधिशोध (आस्टीयोआर्थ्राइटिस) के लाखों पीड़ितों को लंबे समय तक राहत मिल सकेगी। नया सिंथेटिक पॉलिमर हड्डियों के जोड़ों में प्राकृतिक रूप से मौजूद 'साइनोवायल द्रव' का पूरक होगा। इस रोग के लिए जो अभी इलाज उपलब्ध है, उससे यह कहीं बेहतर काम करेगा। प्रोफेसर मार्क डब्ल्यू. ग्रीननस्टाफ (बीएमई, एमएसई, रसायन) के मुताबिक, हड्डियों के लिए मौजूदा पूरक द्रव से पीड़ितों को तो मामूली राहत मिलती है, लेकिन यह हड्डियों की उपास्थि की सतह का क्षरण रोकने के लिए वाजिब मात्रा में लुब्रिकेंट मुहैया नहीं करा पाता। इन दोनों उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए ग्रीनस्टाफ (बेथ इजरायल डिकानेस मेडिकल सेंटर), आर्थोपेडिक सर्जन ब्रायन स्नाइडर (हावर्ड मेडिकल स्कूल) और बोस्टन यूनिवर्सिटी के रसायन और इंजीनियरिंग के छात्रों की टीम ने प्रथम सिंथेटिक साइनोवायल द्रव का विकास किया। उन्होंने इस अनोखे पॉलिमर और उसके कार्य निष्पादन को 'जर्नल ऑफ द अमेरिकन केमिकल सोसायटी' में प्रकाशित किया है। ग्रीनस्टाफ ने कहा कि जब हमने इस नए पॉलिमर का इस्तेमाल किया, तो दो उपास्थि के बीच घर्षण कम हो गया। इससे इनका क्षरण कम हुआ। यह एक तरह से हड्डियों के जोड़ों के लिए तेल है।

गोल्डन एज में ओल्ड बनाए डिप्रेशन

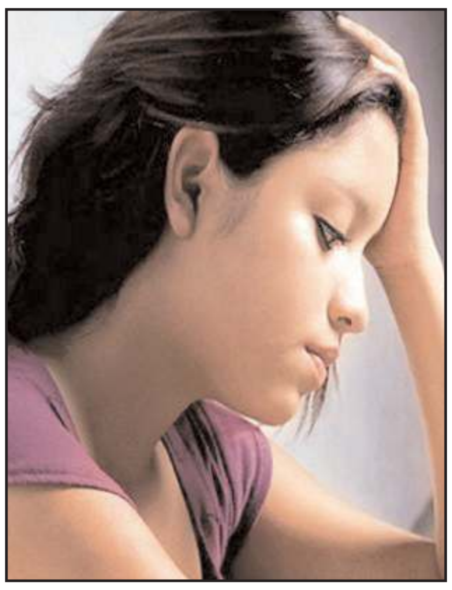

पिछल कुछ सालों में बेशक महिलाओं ने बहुत प्रगति की है और उनकी प्रोफैशनल पोजीशन में भी काफी परिवर्तन आया है लेकिन इसी के साथ उनकी टैंशन भी बढ़ गई है। इसी का नतीजा है कि 40 साल की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते महिलाओं में डिप्रेशन भी डबल होने लगा है। वुमन हैल्थ पर हुई एक स्टडी में पता लगा है कि घरेलू और प्रोफैशनल काम के डबल होने की वजह से पुरुषों के मुकाबले महिलाएं डिप्रेशन का शिकार ज्यादा होती हैं।

मैरिड वुमन- स्टडी के अनुसार हर जगह खुद को परफैक्ट साबित करने के चक्कर में दूसरों ने नहीं बल्कि महिलाओं ने भी खुद से काफी उम्मीदें लगा ली हैं और इनके पूरे न हो पाने का नतीजा होता है डिप्रैशन क्योंकि प्रत्येक महिला मल्टी-टास्कर बनकर हर जिम्मेदारी को बेहतर तरीके से निभाना चाहती है। जाहिर है ऐसे में उसके पास अपने लिए बिल्कुल भी वक्त नहीं बचता। इसके अलावा महिलाएं अक्सर हार्मोनल इम्बैलेंस का शिकार होती हैं जिस वजह से उन्हें मूड स्विंग की प्रॉब्लम भी रहती है।

डॉक्टर्स की मानें तो आजकल की शादीशुदा वे महिलाएं जिनके बच्चे भी हैं, उन्हें सबसे ज्यादा स्ट्रैस प्रॉब्लम्स रहती हैं। दरअसल उनके आगे वर्क प्रैशर, इन लॉज की डिमांड्स, सपोर्ट न करने वाला हसबैंड, फाइनांशियल डिफीकल्टीज और बच्चों की हैल्थ व एजुकेशन जैसी तमाम परेशानियां रहती हैं। यही नहीं, अगर कोई महिला लिव इन रिलेशनशिप से हुए ब्रेकअप वाली या फिर डायवोर्स की स्थिति से गुजर रही है तो उस दौरान उसे डिप्रेशन होने के सबसे ज्यादा चांस होते हैं।

सिंगल वुमन- इन दिनों मैरिड की अपेक्षा सिंगल रहने वाली महिलाओं की संख्या ज्यादा है। कभी प्रोफैशन तो कभी हालात के चलते अधिकांश युवतियां शादीशुदा लाइफ का रुख नहीं कर पातीं, ऐसे में स्मोक और ड्रिंक करने वाली इस मॉडर्न जैनरेशन की लाइफ में रिलेशनशिप से जुड़ी परेशानियां काफी हद तक देखने को मिलती हैं। कुछ साल पहले तक महिलाओं में एंजाइटी ईटिंग डिसऑर्डर और इनसोम्रिया जैसी प्रॉब्लम्स ज्यादा हुआ करती थीं, हालांकि आज महिलाएं डिप्रैशन और स्ट्रैस को लेकर पहले से ज्यादा अवेयर हुई हैं।

देखा जाए तो युवतियों पर अकादमिक और करियर सहित अनेक बोझ हैं। इस वजह से वे देर से शादी करती हैं लेकिन ज्यादा उम्र तक कुंवारी रहने की वजह से उन्हें ये प्रॉब्लम्स हो जाती हैं। अमूमन 25 से 30 उम्र की तमाम सिंगल वुमन अकेलेपन का शिकार हो जाती हैं क्योंकि अपने लंबे वर्किंग ऑवर्स की वजह से उनके पास रोमांटिक रिलेशनशिप या शादी के लिए वक्त ही नहीं होता। इसके अलावा जंक फूड खाने, हैल्दी फूड अवॉइड करने और एक्सरसाइज की कमी तथा नींद पूरी नहीं कर पाने की वजह से उनकी फिजिकल हैल्थ पर भी बुरा असर पड़ता है। इसके अलावा जॉब की तलाश में अपनी फैमिली व फ्रैंड्स से दूर बड़े शहरों का रुख करने वाली लड़कियों में भी डिप्रैशन होने के चांसेज ज्यादा रहते हैं।

बैलेंस रखें- इसमें कोई दो राय नहीं कि भारतीय महिलाएं काम और घर के बीच पिसती हैं। इस वजह से उन्हें कहीं न कहीं डिप्रैशन हो जाता है। एक वक्त में उन पर तमाम तरह के प्रैशर हावी रहते हैं। इनमें काम व दूसरों से बेहतर दिखने का प्रैशर मुख्य है जिससे महिलाएं आसानी से डिप्रैशन का शिकार हो जाती हैं। इसके अलावा लुक एवं फिगर यदि अच्छी नहीं है तो भी उनमें हीन भावना के चलते डिप्रेशन के चांस ज्यादा रहते हैं।

इन पर भी दें ध्यान- आजकल हर एक लड़की यंग और ब्यूटीफुल दिखने के लिए पतली कमर चाहती है। ऐसे में मोटी और खराब फिगर वाली लड़कियों का तनावग्रस्त होना भी स्वाभाविक है। इस बात का ध्यान रखना जरूरी है कि आज के लाइफ स्टाइल में प्राब्लम्स तो रहेंगी ही परंतु तनाव से बचने के लिए महिलाओं को कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। सबसे पहले तो लाइफ में अपना उद्देश्य निर्धारित करें परंतु स्वयं पर उम्मीदों का बोझ न लादें और इमोशनल क्राइसिस में प्रोफैशनल्स की मदद लें।

देखा जाए तो युवतियों पर अकादमिक और करियर सहित अनेक बोझ हैं। इस वजह से वे देर से शादी करती हैं लेकिन ज्यादा उम्र तक कुंवारी रहने की वजह से उन्हें ये प्रॉब्लम्स हो जाती हैं। अमूमन 25 से 30 उम्र की तमाम सिंगल वुमन अकेलेपन का शिकार हो जाती हैं क्योंकि अपने लंबे वर्किंग ऑवर्स की वजह से उनके पास रोमांटिक रिलेशनशिप या शादी के लिए वक्त ही नहीं होता। इसके अलावा जंक फूड खाने, हैल्दी फूड अवॉइड करने और एक्सरसाइज की कमी तथा नींद पूरी नहीं कर पाने की वजह से उनकी फिजिकल हैल्थ पर भी बुरा असर पड़ता है। इसके अलावा जॉब की तलाश में अपनी फैमिली व फ्रैंड्स से दूर बड़े शहरों का रुख करने वाली लड़कियों में भी डिप्रेशन होने के चांसेज ज्यादा रहते हैं।

बच्चों की शिक्षा में मां और बाप की भागीदारी जरूरी

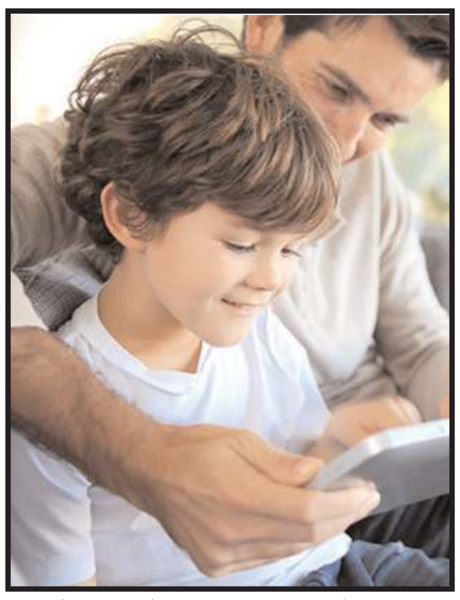

बच्चे के सहज और स्वाभाविक विकास के लिए स्कूल एक महत्वपूर्ण स्थान है। बच्चा स्कूल के माहौल में ही अपने दूसरे साथियों के साथ तालमेल बिठाना सीखता है। उसकी स्वयं की छवि भी स्कूल में जाकर ही बनती है। वहीं पर उसे अपनी कार्यक्षमता का अहसास भी होता है। बच्चे के लिए घर से बाहर की पहली दुनिया स्कूल ही होती है। आमतौर पर होता यह है कि बच्चे को स्कूल भेजने के बाद कई बच्चों के माता-पिता स्वयं को तमाम जिम्मेदारियों से मुक्त मान लेते हैं। उन्हें लगता है कि बच्चा अब सिर्फ स्कूल की जिम्मेदारी बन गया है। कई बार देखने में आता है कि बच्चों की शिक्षा में माता-पिता जितनी रूचि लेते हैं उसका खासा असर बच्चों की शिक्षा पर पड़ता है। जिन बच्चों के माता-पिता बच्चों के स्कूल से लौट कर आने के बाद उनकी डायरी देखते हैं, समय-समय पर उनका होमवर्क करवाते हैं वे बच्चे पढ़ाई में अपेक्षाकृत ज्यादा अच्छे निकलते हैं।

बच्चे के स्कूल से लौट कर घर आने के बाद मां की जिम्मेदारी बनती है कि वह बच्चे के गुजरे छोटे से छोटे अनुभव के साथ अपनी साझेदारी करे ताकि बच्चा उस माहौल में ढल सके। आमतौर पर देखने में आता है कि बच्चा स्कूल से घर लौट कर आने के बाद गंदे हाथों से ही कुछ भी खा पी कर अपने दूसरे भाई-बहनों के साथ खेलने में लग जाता है और दूसरे दिन जब स्कूल जाने का समय होता है तो उसे अपने अधूरे होमवर्क और गंदी यूनीफार्म में ही बेमन से स्कूल जाना पड़ता है। बच्चा जब स्कूल से लौट कर आए तो मां को इसके लिए पहले से ही पूरी तैयारी रखनी चाहिए। बच्चे के आने के बाद उसके हाथ-मुंह धुला कर, उसकी यूनीफार्म बदल कर उसे दोपहर का खाना खिलाना चाहिए। बच्चा स्कूल से लौट कर आने के बाद सबसे महत्वपूर्ण स्वयं को ही समझता है।

बच्चे के खाना खाने के दौरान ही उसके स्कूल में उसके साथ क्या कुछ गुजरा, विषय पर उससे पूछा जा सकता है। कामकाजी माता-पिता के बच्चे अकसर स्कूल से लौटने के बाद या तो क्रेच में जाते हैं या फिर घर में आने के बाद घरेलू नौकरों या दादा-दादी के संरक्षण में रहते हैं। ऐसे बच्चों के माता-पिता भले ही दोपहर में न सही लेकिन शाम को आफिस से लौटने के बाद या फिर रात के खाने के समय उसके स्कूल के अनुभवों के बारे में पूछ सकते हैं। अकसर स्कूल में शिक्षकों की शिकायत रहती कि कामकाजी महिलाएं अपने बच्चों का पूरा ध्यान नहीं रखतीं जिससे ऐसी माताओं को अपराधबोध महसूस होता है। उन्हें इस अपराधबोध से थोड़ा उबरना पड़ेगा। ऐसी महिलाओं को चाहिए कि वह चाहे जहां कहीं भी हों लेकिन बच्चे के स्कूल से आते ही कम से कम उससे फोन पर तो बात कर ही लें। ध्यान रखें कि आप जो भी समय बच्चे को दे रहे हैं उसकी उपयोगिता हो। यह जरूरी नहीं है कि बच्चे के सामने हर समय मौजूद रहें। लेकिन आपके बच्चे के मन में आपकी मौजूदगी सदा बनी रहे, इसके लिए प्रयास जरूर करें।

भारत में खाद्य व्यवसाय के साथ-साथ फूलों की खेती से उत्पादन, निर्माण और गुणवत्ता दोनों में सुधार होगा

जांच से पता चला है कि खाद्य बीजों के साथ की गई फूलों की खेती से न केवल पारण करने वाले को फायदा होगा, साथ ही बीजों की खेती और गुणवत्ता में भी सुधार किया जा सकता है।

एम एसनाथन रायच फाउंडेशन और यूनिवर्सिटी ऑफ इंटेलीजेंस के चित्र दक्षिण भारत में एक अध्ययन से पता चला है कि खाद्य व्यवसाय के साथ-साथ फूलों की खेती से न केवल व्यवसाय करने वाले द्वारा लाभ उठाया जाएगा, साथ ही इसमें मियामी की कंपनी और भी शामिल है। गुणवत्ता में भी सुधार किया जा सकता है।

भारत में अपनी तरह के पहले अध्ययन के नतीजे जर्नल ऑफ एप्लाइड आईकोलॉजी में प्रकाशित हुए हैं। अपने इस अध्ययन में एरोबिक ने मोरिंगा ईसाइन (ड्रामास्टिक) की फल पर ध्यान केंद्रित किया है, जिसे सुपरफूड के रूप में भी जाना जाता है। भारत में इसकी खेती आमतौर पर छोटे किसानों द्वारा की जाती है।

आम तौर पर सहजन का उपयोग हॉल के रूप में किया जाता है। लेकिन वास्तव में यह कई पोषक तत्वों से भरपूर होता है। साथ ही इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट गुण इसे खास बनाते हैं। वहीं बौद्ध तंत्र के अवलोकन से देखें तो पारण बेहद महत्वपूर्ण है जो वैश्विक खाद्य सुरक्षा में भी अहम भूमिका निभा रहा है। इन पैरांकों की भूमिका से यह भी समझ में आ सकता है कि यह किट 80 प्रतिशत से अधिक के मुख्य मानकों को पूरा करती है, जिसमें अनगिनत आयु वर्ग के भोजन के प्रमुख स्रोत शामिल हैं। इस अध्ययन के दौरान बागीचों में मोरिंगा के पेड़ों के साथ-साथ गेंदे के फूल और लाल चने की व्यावसायिक बिक्री से लेकर सब्जियों को फूलों पर आने वाले युवाओं की रुचि और विविधता बढ़ाने में मदद मिली, जिसके परिणामस्वरूप फलों और सब्जियों की खेती में सुधार हुआ। वृद्धि का आकलन भी किया गया।

इस बारे में यूनिवर्सिटी ऑफ इंटेलीजेंस से जुड़े इंजीनियर डॉक्टर दीपा सेनापति का कहना है कि, कृषि भूमि पर जंगली फूल उगाने की एक जांच-पड़ताल विधि है जो ब्रिटेन और पूरे यूरोप में कई कृषि क्षेत्रों और बगीचों में मौजूद है। यह कृषि तकनीक वैज्ञानिकों की संख्या बढ़ाने के लिए जानी जाती है।

उनका कहना है कि, दक्षिण भारत में किसानों के सहयोग से इस शोध का मकसद मोरिंगा के बगीचों में देशी पेड़ों और अन्य पैरांकों की उपस्थिति को बढ़ाना था, ताकि सबसे प्रभावशाली सह-फूल वाली मशीनों को डिजाइन किया जा सके। तमिल में सहजन और पारणको का अध्ययन किया गया।

इस अध्ययन के दौरान इलेक्ट्रोनम ने कन्नीवाड़ी क्षेत्र में मोरिंगा के 24 बागों में छोटे किसानों के साथ मिलकर काम किया। जहां 12 बगीचों में उन्होंने लाल चना और गेंदा के फूल लगाए, जबकि अन्य 12 बगीचों में कोई सह-फूल वाली फेल नहीं हुई थी।

इन बगीचों की तुलना करने पर पता चला कि जिन बगीचों में लाल चने और गेंदें के फूल लगाए गए वहां परांटकों की संख्या 50 प्रतिशत और उनकी विविधता 33 प्रतिशत अधिक थी। इन स्टालों पर फूलों पर आने वाले सैनिकों की संख्या और भी अधिक थी। वहीं इसके साथ ही मोरिंगा की बीज की गुणवत्ता में भी सुधार देखा गया, जहां मोरिंगा के फलियां कहीं ज्यादा बड़ी हुई थीं।

वहीं लाल चने और गेंदे के फूल वाले वे स्थान जो पहले परागण की कमी से पीड़ित थे, उनके कारण वहां अधिक उत्पादन दर्ज किया गया। इसी तरह जिन बागीचों में फूल लगाए गए थे, वहां बिना फूल बागीचों की तुलना में मोरिंगा की कटाई के फल योग्य में 30 प्रतिशत की वृद्धि आंकी गई।

ऐसे में वॉर्न का कहना है कि जहां छोटे किसानों को स्वस्थ और पोषक आहार मिल से अधिक बनाया जाए और बेहतर गुणवत्ता दी जाए। साथ ही वो अपने आहार में प्रोटीन के स्रोत के रूप में लाल चने का उपयोग कर सकते हैं, वहीं गेंद के फूल बेचकर भी यह किसान अतिरिक्त आय प्राप्त कर सकते हैं।

शोध के अनुसार भारत में आम और सहजन जैसी कई ऐसी फसलें हैं जो पोषण और आर्थिक दृष्टिकोण से बेहद महत्वपूर्ण हैं। हालाँकि इन डिजिटल सेवाओं में महत्वपूर्ण वृद्धि और सुधार की भी संभावना है।

भारत में रासायनिक रसायनों और आधुनिक उत्पादों के व्यापक उपयोग के साथ-साथ गहन कृषि तकनीकों ने भी प्राकृतिक आवासों को प्रभावित किया है। मूलत: भारत में जैव विविधता पर भी इलेक्ट्रानिक प्रभाव पड़ते हैं, जिससे देशी मधुमखियां और अन्य पारण करने वाले जीव भी प्रभावित होते हैं।

रेगिस्तानी जंगलों में विशेष रूप से छोटे किसान, प्रोफूट फसलों के देशी परानकों पर प्रतिबंध है, वो इन पर प्राकृतिक प्रभाव के प्रति अत्यधिक संवेदनशील हैं। ऐसे अध्ययन के नतीजों में कहा गया है कि यह किसान अपनी जमीन का कहीं बेहतर तरीके से प्रबंधन करके कैसे अपना उत्पादन बढ़ा सकता है।

हृदय के स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद है अंगूर

दुनिया में शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति हो जिसे अंगूर पसंद न हों। द्राक्ष, रसाला, मधुफला, फलोत्रमा आदि नाम अंगूर के ही हैं। मीठे, रसीले और ठंडक प्रदान करने वाले इस फल का जन्म स्थल रूस के आरमेनिया नामक स्थान को माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि कि ईरान तथा अफगानिस्तान से होता हुआ यह फल भारत में भी पहुंचा। यह फल केवल ताजा नहीं बल्कि सुखाकर किशमिश व मुनक्के के रूप में भी प्रयोग किया जाता है।

शराब बनाने के लिए भी इसका प्रयोग किया जाता है। बाजार में अंगूर की बहुत सी किस्में उपलब्ध हैं। जैसे रंग के आधार पर अंगूर की दो किस्में हैं काले तथा हरे अंगूर। कुछ अंगूरों का आकार लम्बा होता है तो कुछ का गोल। इसी प्रकार छोटे और बड़े अंगूर भी पाए जाते हैं। कुछ अंगूरों में बीज होते हैं जबकि बेदाना में बीज नहीं होते। हालांकि इनमें प्रोटीन, वसा, विटामिन और खनिज लवण बहुत ही कम मात्रा में होते हैं। इसमें कार्बोहाइट्रेट शर्करा के रूप में पाया जाता है इसमें ग्लूकोज तथा फ्रक्टोज किस्म की शर्करा पाई जाती है इसी कारण इनका सेवन काफी स्फूर्तिदायक सिद्ध होता है। दूसरी और किशमिश में शर्करा की मात्रा अंगूर से ज्यादा होती है इससे उसमें मिलने वाली ऊर्जा की मात्रा भी ज्यादा है। ताजा अंगूरों की सौ ग्राम मात्रा से जहां लगभग सत्तर कैलोरी ऊर्जा प्राप्त होती है वहीं किशमिश की इतनी ही मात्रा से लगभग तीन सौ आठ कैलोरी ऊर्जा की प्राप्ति होती है। अंगूर हमारे स्वास्थ्य का भी रक्षक होता है। अंगूर को सुखाकर तैयार की जाने वाली मेवा किशमिश तथा बड़े बीज वाले अंगूर को सुखाकर तैयार किया जाने वाला मुनक्का दोनों ही बहुत लोकप्रिय हैं। इनके विविध औषधीय प्रयोग किए जाते हैं।

आयुर्वेदिक तथा यूनानी दवाओं में अक्सर इनका प्रयोग किया जाता है। कफ, दुर्बलता तथा कब्ज को दूर करने के लिए इनका प्रयोग फायदेमंद होता है। इसके लिए पंचामृत अवलेह नामक मिश्रण तैयार किया जाता है। इसे बनाने के लिए एक-एक भाग सोंठ, पीपल, काली मिर्च तथा सेंधा नमक मिलाकर पीस लें। फिर उसमें चालीस भाग मुनक्का मिलाकर उसका सेवन करें। आमतौर पर इसकी एक छोटी चम्मच मात्रा का सुबह-शाम प्रयोग पर्याप्त होता है।

कब्ज, कफ तथा मंदाग्नि में इससे आशातीत लाभ होता है। यकृत (लीवर) तथा किडनी के रोगों में भी अंगूर तथा किशमिश का प्रयोग लाभकारी होता है। सभी प्रकार के बुखारों तथा क्षय रोग (टीवी) के समय शरीर को अधिक ऊर्जा व बल की जरूरत होती है ऐसे अंगूर का सेवन करना श्रेष्ठ होता है। यों तो अंगूर के रस को संरक्षित कर बोतलों में रखा जा सकता है परन्तु ऐसा करने से आप उससे प्राप्त होने वाले फाइबर (रेशे) से वंचित हो जाएंगे। शर्करा की मात्रा अधिक होने के कारण अंगूरों का खमीरीकरण करके अच्छी किस्म की मदिरा भी तैयार की जाती है। अंगूरों की तासीर ठंडी होती है। सेवन करने पर ये शीतलता प्रदान करते हैं अत: दाह तथा हॉट फ्लशज के उपचार के लिए इनका प्रयोग किया जा सकता है।

इधर परीक्षण यह बताते हैं कि अंगूर जीवनदायी गुणों से भरपूर है। हृदय की सुरक्षा में ताजे अंगूरों का बहुत महत्व है। ताजा अंगूरों में पालिफिनाल नामक तत्व होता है जो हमारे हृदय के लिए फायदेमंद होता है। रेडवाइन की तरह ताजा अंगूर भी रोगियों के हृदय तथा धमनियों को आक्सीडेशन से होने वाले नुकसान से बचाता है। अंगूर तथा वाइन दोनों में एक जैसे पॉलीफिनोल पाए जाते हैं। केटेचिन्स, रेसवेराट्रोल, एंथोसायेनिन तथा क्वेरसिटिन जैसे पॉलीफिनोल, जो अंगूरों में भी पाए जाते हैं, वास्तव में सभी बीमारियों से लड़ने वाले फाइटोन्यूट्रिएंट हैं जो हमारे हृदय के मददगार साबित होते हैं। अंगूरों में उपस्थित पॉलिफिनोल दो प्रकार से एटी आक्सिडेंट की भूमिका निभाते हैं। पहले ये फ्री-रेडिकल्स को निष्क्रिय कर देते हैं फिर आक्सीजन के एक बाय-प्रोडक्ट मेलोडायएल्डीहाइड के बनने की प्रक्रिया को धीमा कर देते हैं। ये सभी स्थितियां हृदय के लिए आदर्श होती हैं।

अंगूर के उत्पाद तो फायदेमंद होते ही हैं, अंगूर भी हृदय का बचाव करने में अव्वल हैं। अंगूरों का सेवन, हार्ट अटैक के बाद आश्चर्यजनक लाभ देता है। परीक्षणों से ज्ञात हुआ कि अंगूरों के सेवन से न केवल रोगी के खून के दबाव में सुधार आता है बल्कि हृदय के खून पम्प करने की क्षमता भी बढ़ जाती है। यही नहीं हार्ट अटैक के बाद मृत होने वाले हिस्से अथवा जिस हिस्से को नुकसान पहुंचा हो, का क्षेत्र भी काफी घट जाता है। इसी प्रकार अंगूर का जूस एलडीएल के आक्सीकरण को रोकता है और खून के थक्के बनने की प्रवृत्ति को कम करता है। अब जबकि इस छोटे, रसीले और गुच्छों में लगने वाले फल के इतने अधिक फायदे उजागर हो चुके हैं, इसे सिर्फ एक सजावटी टेबल फ्रूट समझना उचित नहीं क्योंकि अंगूर जीभ के स्वाद के साथ-साथ आपके हृदय का भी ख्याल रखते हैं इसलिए इन्हें आसानी से आपके दिल का मददगार कहा जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

न्यूजसी, चार्लोट में होंगे कोपा अमेरिका सेमी मैच

अटलांटा। अमेरिका के 14 शहरों में अगले साल कोपा अमेरिका फुटबॉल टूर्नामेंट खेला जाएगा और सेमीफाइनल न्यूजर्सी तथा चार्लोट में खेले जाएंगे। मेजबान अमेरिका को ग्रुप सी में रखा गया है और वह 23 जून को एरलिंगटन, टैक्सास में पहला मैच खेलेगा। क्वार्टर फाइनल चार, पांच और छह जुलाई को क्रमश: ह्यूस्टन, टैक्सास, एरिजोना और लास वेगास में खेले जाएंगे। टूर्नामेंट के ड्रॉ बृहस्पतिवार को मियामी में निकाले जाएंगे। मौजूदा कोपा अमेरिका और विश्व कप चैम्पियन लियोनेल मेस्सी की अर्जेंटीना को ग्रुप ए में रखा गया है।

इबेन्यो, एहुआलाव होंगे आकर्षण का केंद्र

कोलकाता। विश्व चैंपियनशिप के 10 हजार मीटर के रजत पदक विजेता कीनिया के डेनियल सिमियु इबेन्यो और इथोपिया की 10 किमी दौड़ की विश्व रिकॉर्ड धारक यालेमजर्फ एहुआलाव 17 दिसंबर को यहां होने वाली टाटा स्टील कोलकाता 25के (25 किमी) दौड़ के क्रमश: पुरुष और महिला वर्ग में आकर्षण का केंद्र होंगे। इबेन्यो ने अगस्त में बुडापेस्ट विश्व चैंपियनशिप में 10 हजार मीटर दौड़ का रजत पदक जीता था और इसके बाद रीगा में पहली विश्व रोड रनिंग चैंपियनशिप में हाफ मैराथन में दूसरे स्थान पर रहे। वह अक्टूबर में दिल्ली हाफ मैराथन में भी चैंपियन बने। इबेन्यो को अपने दो हमवतन धावकों रोंसर किपकोरिर कोंगा और बर्नार्ड बिवोट से कड़ी टक्कर मिलेगी जिनका हाफ मैराथन (21.0975 किमी) में निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 60 मिनट से कम का है। एहुआलाव यहां पहली बार चुनौती पेश करेंगी।

हॉकी: अरिजीत की हैट्रिक से जीता भारत

कुआलालंपुर। अरिजीत सिंह हुंदल की हैट्रिक की मदद से भारत ने मंगलवार को यहां दक्षिण कोरिया को 4-2 से हराकर एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी विश्वकप में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। अरिजीत ने 11वें, 16वें और 41वें मिनट में गोल किए। भारत की तरफ से एक अन्य गोल अमनदीप ने 30वें मिनट में किया। दक्षिण कोरिया की तरफ से दोह्युन लिम (38वें) और मिंकवोन किम (45वें) ने गोल किए। भुवनेश्वर में 2021 में खेले गए विश्वकप में कांस्य पदक के मैच में फ्रांस से हारने वाले भारत ने कोरिया पर शुरू से ही दबाव बनाए रखा। अरिजीत ने पहले क्वार्टर में ही पेनल्टी कार्नर को गोल में बदलकर भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई। भारत ने इसके बाद भी दबदबा बनाए रखा। अरिजीत और अमनदीप ने दूसरे क्वार्टर में मैदानी गोल किए, जिससे भारत मध्यांतर तक 3-0 से आगे था। दक्षिण कोरिया ने तीसरे क्वार्टर में लिम के गोल से वापसी करने की कोशिश की।

बुमराह को अपना रन अप लंबा करना चाहिए

ओलंपिक पदक विजेता नीरज की स्टार गेंदबाज को सलाह

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत के स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा को क्रिकेट में भी काफी रुचि है। वह हाल ही में हुए विश्व कप फाइनल को देखने के लिए अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मौजूद थे। उस मैच के दो हफ्ते बाद नीरज चोपड़ा ने क्रिकेट के कई पहलुओं को लेकर बयान दिया है। उन्होंने अपने पसंदीदा पेसर का नाम लिया है और पेसर को अपनी स्पीड और बढ़ाने के लिए सलाह भी दी है। उन्होंने जेवलिन थ्रो के अनुभव को बताते हुए बुमराह को गति बढ़ाने की सलाह दी।

टोक्यो ओलंपिक और विश्व चैंपियनशिप के गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा ने जसप्रीत बुमराह को अपना पसंदीदा तेज गेंदबाज बताया है। नीरज ने कहा- मुझे बुमराह पसंद हैं। उनकी बॉलिंग एक्शन यूनिक है। मुझे लगता कि बुमराह अपना रन अप लंबा करना चाहिए ताकि उनकी गति बढ़े। यह मैं अपने जेवलिन थ्रो के अनुभव से बता रहा हूं। हम अक्सर बात करते हैं कि गेंदबाजों को किस प्रकार गति बढ़ानी चाहिए। अगर वह थोड़ा पीछे से अपना रन अप लें तो यह संभव है। मुझे बुमराह का स्टाइल पसंद है। बुमराह भारत के सबसे बेहतरीन पेसर्स में से एक हैं। वह फिलहाल तीनों प्रारूप में टीम इंडिया के स्ट्राइक बॉलर हैं। 29 साल के बुमराह ने अब तक 30 टेस्ट में 128 विकेट, 89 वनडे में 149 विकेट और 62 टी-20 में 74 विकेट लिए हैं। नीरज की बात करें तो 2023 उनके लिए शानदार रहा था। वह विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने थे। नीरज भारत के महान एथलीट्स में से एक हैं। एशियाई खेलों में उन्होंने लगातार दूसरी बार स्वर्ण पदक अपने नाम किया। नीरज का अगला बड़ा असाइनमेंट 2024 पेरिस ओलंपिक है।

डायमंड लीग का हो सही तरीके से प्रसारण

नीरज चोपड़ा क्रिकेट विश्व कप 2023 के दौरान अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में उपस्थित थे। जब नीरज से पूछा गया कि टीवी पर प्रसारण के दौरान उन्हें विशाल टीवी स्क्रीन या टेलीविजन पर नहीं दिखाया है, जबकि कई मशहूर हस्तियों को कैमरे पर दिखाया गया तो जवाब में नीरज ने कहा कि वह कैमरे द्वारा उन्हें दिखाए जाने के बारे में नहीं सोच रहे थे और उन्होंने प्रसारकों से डायमंड लीग जैसे आयोजनों को सही तरीके से दिखाने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा, मैं चाहता हूं कि जब मैं परफॉर्म करूं तो वे मुझे ठीक तरीके से दिखाएं। जब मैं डायमंड लीग में हिस्सा लेता हूं तो वे इसे ठीक से प्रसारित नहीं करते हैं। वो चीज है असली। उस समय प्रसारक केवल हाइलाइट्स दिखाते हैं। मैं सिर्फ मैच देखने के लिए अहमदाबाद गया था और मैंने इसका पूरा लुत्फ उठाया। अगर भारत जीतता तो निश्चित तौर पर मुझे अधिक मजा आता, लेकिन मैंने स्टैंड में अच्छा समय बिताया।

दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाज कोएत्जी ने रचाई शादी

दक्षिण अफ्रीका के युवा तेज गेंदबाज गेराल्ड कोएत्जी ने भारत के खिलाफ शुरू होने वाली टी-20 सीरीज से पहले शादी कर ली। कोएत्जी ने हाल ही में खेले गए वनडे विश्वकप में कमाल का प्रदर्शन किया था। 23 वर्षीय कोएत्जी अपने पहले विश्वकप में 8 मैचों में 19.80 की औसत से 20 विकेट अपने नाम किए थे।

इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 श्रृंखला का आगाज आज से

बेहतर प्रदर्शन करने उतरेगी भारतीय महिला टीम

एजेंसी। मुंबई

भारतीय महिला क्रिकेट टीम पिछले कुछ अर्से के अच्छे प्रदर्शन से प्रेरणा लेकर इंग्लैंड के खिलाफ द्विपक्षीय रिकॉर्ड बेहतर करने के इरादे से बुधवार से शुरू हो रही तीन मैचों की टी-20 श्रृंखला में उतरेगी।

हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारत ने टी-20 प्रारूप में अच्छा प्रदर्शन किया है। एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के अलावा भारत ने बांग्लादेश में 2 -1 से जीत दर्ज की और दक्षिण अफ्रीका तथा वेस्टइंडीज के खिलाफ त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में पहुंची।

दूसरी ओर दुनिया की दूसरे नंबर की टीम इंग्लैंड श्रीलंका से 1-2 से मिली पराजय को भुलाकर नए सिरे से शुरूआत करने उतरेगी। दुनिया की चौथे नंबर की टीम भारत का इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टी-20 श्रृंखलाओं में रिकॉर्ड खराब रहा है। मेजबान टीम इसे दुरूस्त करने के इरादे से उतरेगी। इंग्लैंड के खिलाफ भारत ने नौ मैचों में से भारत ने सिर्फ दो जीते हैं। आखिरी जीत पांच साल पहले मार्च 2018 में मिली थी जब ब्रेबोर्न स्टेडियम पर आठ विकेट से इंग्लैंड को हराया था। इंग्लैंड के खिलाफ अब तक कुल 27 मैचों में से भारत ने सिर्फ सात जीते हैं।

भारत ने मार्च 2021 में जीता था आखिरी मैच

भारतीय महिला टीम ने आखिरी बार अपनी सरजमीं पर टी-20 मैच मार्च 2021 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लखनऊ में जीता था। उसके बाद से भारत अपने देश में चार मैच हार चुका है और एक टाई रहा। भारत ने घरेलू 50 टी20 मैचों में से सिर्फ 19 जीते हैं, 30 हारे और एक टाई रहा। भारत और इंग्लैंड दोनों ने पिछले टी-20 विश्व कप में सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। अगला टूर्नामेंट सितंबर अक्टूबर 2024 में होना है और उसकी तैयारी का यह सुनहरा मौका है। दीप्ति शर्मा ने भारत के लिए 16 मैचों में 19 विकेट लिए हैं जबकि बल्लेबाजी में हरमनप्रीत ने 13 टी-20 में 323 रन बनाए हैं। जेमिमा रौड्रिग्स ने 16 मैचों में 342 रन बनाए हैं जबकि स्मृति मंधाना ने 15 मैचों में सर्वाधिक 369 रन का योगदान दिया है। हरमनप्रीत ने बिग बैश लीग में 14 मैचों में 321 रन बनाए।

तीन नए स्पिन चेहरों को दिया मौका

भारत ने तीन नए चेहरों कर्नाटक की स्पिनर श्रेयांका पाटिल, पंजाब की स्पिनर मन्नत कश्यप और बंगाल की स्पिनर साइका इशाक को मौका दिया है। कश्यप इस साल की शुरूआत में आईसीसी अंडर 19 महिला टी-20 कप में टीम का हिस्सा थी जबकि इशाक ने पहली महिला प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस के लिए 15 विकेट लिए। श्रेयांका ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के लिए नौ विकेट चटकाए और महिला कैरेबियाई प्रीमियर लीग में खेलने वाली पहली भारतीय बनी। इंग्लैंड के लिए नेट स्किवेर ब्रंट ने महिला प्रीमियर लीग में 332 रन देने के अलावा दस विकेट लिए थे। उन्होंने आठ टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 271 रन बनाए। डैनी वियाट ने 278 रन बनाए हैं जबकि सोफी एक्सेलेटन ने 16 विकेट लिए।

दोनों टीम की खिलाड़ी

भारत: हरमनप्रीत (कप्तान), स्मृति मंधाना, जेमिमा रौड्रिग्स, शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, यस्तिका भाटिया, रिचा घोष, अमनजोत कौर, श्रेयांका पाटिल, मन्नत कश्यप, साइका इशाक, रेणुका ठाकुर, टिटास साधू, पूजा, कनिका आहूजा, मिन्नू मनी।

इंग्लैंड: लौरेन बेल, माइया बूचिएर, एलिस कैप्सी, चार्ली डीन, सोफिया डंकली, सोफी एक्सेलेटन, माहिका गौर, डेनिएले गिब्सन, सारा ग्लेन, बेस हीथ, एमी जोंस, फ्रेया केम्प, हीथर नाइट, नेट ब्रंट, डेनिएले वियाट।

मैच: शाम 7 बजे से।

मैंने विराट को कप्तानी से नहीं हटाया

गांगुली बोले टी-20 की कप्तानी नहीं करना चाहते थे कोहली

एजेंसी। नई दिल्ली

टी-20 विश्वकप 2021 के बाद का समय भारतीय क्रिकेट के लिए काफी बुरा रहा था। उस समय बीसीसीआई अध्यक्ष रहे सौरव गांगुली और टीम के कप्तान रहे विराट कोहली के बीच जमकर विवाद देखने को मिला था। दरअसल, टी-20 विश्व कप के बाद विराट को टी-20 और वनडे की कप्तानी से हटा दिया गया था। इसको लेकर दोनों के बयान वायरल हो गए थे। विराट ने जहां बीसीसीआई और गांगुली पर निशाना साधा था, वहीं गांगुली ने भी कोहली को लेकर बयान दिए थे। अब पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष गांगुली ने कहा है कि उन्होंने विराट को कप्तानी से नहीं हटाया था।

पूर्व भारतीय कप्तान गांगुली ने एक मीडिया हाउस से बातचीत में कहा था कि कोहली से वनडे की कप्तानी लेने से पहले उनसे बात की गई थी और उनकी सहमति के बाद ही यह फैसला हुआ था। बीसीसीआई ने विराट से कहा था कि वह टी-20 की कप्तानी नहीं छोड़ें, लेकिन विराट नहीं माने और इस्तीफा दे दिया। वहीं, चयनकर्ताओं को सीमित ओवर क्रिकेट में दो अलग-अलग कप्तानी रखने का फैसला सही नहीं लगा।

इसके बाद विराट ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में गांगुली की बातों को गलत करार देते हुए कहा था कि उन्हें बीसीसीआई के अधिकारियों ने उन्हें 90 मिनट पहले बताया था कि अब रोहित उनकी जगह वनडे टीम के कप्तान होंगे। इससे पहले बीसीसीआई ने उनसे कोई बातचीत नहीं की थी। कोहली ने कहा- जब मैंने टी-20 की कप्तानी छोड़ी थी, मैं सबसे पहले बीसीसीआई के पास गया था। उन्हें अपने फैसले को लेकर जानकारी दी थी। मैंने अपने विचार और परेशानियां रखी थीं। बोर्ड ने इसे स्वीकार किया और मेरी परेशानियों को समझा। उन्होंने मुझसे एक बार भी अपने फैसले को पुनर्विचार करने के लिए नहीं कहा।

गांगुली ने बताई पूरी कहानी

हालांकि, अब गांगुली ने इस फैसले को लेकर पूरी कहानी बताई है और खुद को इससे दूर रखते हुए कहा कि उन्होंने विराट को कप्तानी से नहीं हटाया था। 51 साल के गांगुली के मुताबिक कोहली ने खुद ही कुछ फैसले लिए थे, जिसके बाद बीसीसीआई को जो सही लगा उन्होंने किया। गांगुली ने कहा- मैंने विराट को कप्तानी से नहीं हटाया। मैंने पहले भी यह कई बार कहा है। कोहली टी-20 में कप्तानी नहीं करना चाहते थे। तो जब उन्होंने टी-20 की कप्तानी से इस्तीफा दिया तो मैंने उनसे कहा था कि अगर वह टी-20 में कप्तानी नहीं करेंगे तो सीमित ओवर प्रारूप की कप्तानी ही छोड़ दें।

2022 में टेस्ट की कप्तानी भी छोड़कर चौंकाया

पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष गांगुली ने कहा, मैंने विराट से कहा कि सीमित ओवर में अलग और टेस्ट में अलग कप्तानी रहे। हालांकि, सीमित ओवर क्रिकेट से विराट के कप्तानी से हटने के बाद रोहित शर्मा को सीमित ओवरों में कप्तान बनाया गया था। इसके बाद विराट ने जनवरी 2022 में टेस्ट की कप्तानी भी छोड़कर सभी को चौंका दिया था। गांगुली ने टेस्ट की कप्तानी को लेकर भी बयान दिया था और कहा था कि बीसीसीआई को कोहली के टेस्ट कप्तानी छोड़ने पर आपत्ति थी। बोर्ड इसके लिए तैयार भी नहीं था। गांगुली ने एक इंटरव्यू में कहा था, दक्षिण अफ्रीका दौरे के बाद हमारे लिए भी यह अप्रत्याशित था, केवल कोहली ही बता सकते हैं कि उन्होंने कप्तानी क्यों छोड़ी। चयनकर्ताओं को भारत का कप्तान नियुक्त करना था और रोहित उस समय सबसे अच्छा विकल्प थे।

तूफान के कारण विजयवाड़ा में फंसे 200 खिलाड़ी

एजेंसी। कोलकाता

विजयवाड़ा में अपना पहला अंडर-11 राष्ट्रीय रैंकिंग खिताब हासिल करना बंगाल की युवा टेबल टेनिस खिलाड़ी श्रीओश्री चक्रवर्ती के लिए खुशी के साथ दर्द भी लेकर आया क्योंकि वह इस खेल से जुड़े उन 300 लोगों में शामिल हैं जो तूफान मिगजॉम के कारण आंध्र प्रदेश के इस शहर में फंसे हुए हैं।

बारिश के चलते ट्रेन, फ्लाइट रद्द

तूफान मिगजॉम ने आंध्र प्रदेश के तटीय जिले बापतला में दस्तक दी जिसके कारण वहां से 80 किलोमीटर दूर विजयवाड़ा में भारी बारिश हो रही है। विजयवाड़ा में सोमवार को राष्ट्रीय रैंकिंग टेबल टेनिस टूर्नामेंट समाप्त हुआ था। भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (टीटीएफआई) के एक अधिकारी ने कहा कि अंडर-11 और अंडर-19 के लगभग 200 खिलाड़ी और उनके परिजन विजयवाड़ा में फंसे हुए हैं।

8 दिसंबर को हरियाणा के पंचकुला पहुंचना बना चुनौती

विजयवाड़ा की राष्ट्रीय रैंकिंग प्रतियोगिता पांच क्षेत्रीय टूर्नामेंट में शामिल है। इन टूर्नामेंट की आखिरी प्रतियोगिता 8 दिसंबर से पंचकुला में खेली जाएगी। खिलाड़ी इस बात को लेकर परेशान हैं कि मौसम खराब होने के कारण क्या वे हरियाणा में होने वाली प्रतियोगिता में भाग ले पाएंगे या नहीं। श्रीओश्री के पिता मृणमय चक्रवर्ती ने कहा, हमने तमिलनाडु एक्सप्रेस से नई दिल्ली तक के टिकट बुक किए थे जहां से हम आगे पंचकुला जाएंगे। रेलवे की तरफ से अभी तक कोई जानकारी नहीं मिली है। रेलगाड़ी को यहां से सुबह चार बजे छूटना है लेकिन रेलगाड़ी के चेन्नई से मंगलवार रात चलने की संभावना नहीं है। खिलाड़ियों के पास अब इंतजार करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। मृणमय ने कहा, हर तरफ पानी भरा हुआ है और पिछले ढाई दिन से लगातार बारिश हो रही है। यहां से बाहर निकलना मुश्किल है। इस बीच भारत के जूनियर टीम के कोच अभिजीत राय चौधरी ने कहा, हमारी उड़ान रद्द हो गई है। हमें तक इंतजार करना होगा।

अश्विनी-तनीषा रैंकिंग में 28वें स्थान पर

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय महिला युगल टीम अश्विनी पोनप्पा और तनीषा क्रास्टो ताजा बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग में चार पायदान चढ़कर 28वें स्थान पर पहुंच गई।

36 वर्ष की अश्विनी और 20 वर्ष की तनीषा ने इस साल जनवरी में ही साथ खेलना शुरू किया था। दोनों रविवार को सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय सुपर 300 टूर्नामेंट में उपविजेता रहीं थी। दोनों ने नेट्स इंटरनेशनल चैलेंज और अबु धाबी मास्टर्स सुपर 100 भी जीता था। सैयद मोदी टूर्नामेंट में पुरुष एकल सेमीफाइनल में पहुंचे प्रियांशु राजावत भी एक पायदान के फायदे से शीर्ष 30 में पहुंच गए। एचएस प्रणय आठवें, पीवी सिंधू 12वें, लक्ष्य सेन 17वें और किदाम्बी श्रीकांत 24वें स्थान पर हैं। सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी दूसरे स्थान पर हैं। वहीं त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद 19वें स्थान पर हैं।

पायल, निशा और आकांक्षा ने जीते स्वर्ण

जूनियर विश्व मुक्केबाजी: दूसरे स्थान पर रही महिला टीम

एजेंसी। नई दिल्ली

युवा मुक्केबाज पायल, निशा और आकांक्षा ने मंगलवार को यहां दबदबे वाला प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीते जिससे भारत ने आर्मेनिया के एरेवान में आईबीए जूनियर विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में अपने अभियान का अंत 17 पदक के साथ किया।

भारतीय दल ने प्रतियोगिता में तीन स्वर्ण, नौ रजत और पांच कांस्य पदक जीते। भारतीय महिला टीम प्रतियोगिता में संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रही। पायल ने भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया जब उन्होंने लड़कियों के 48 किग्रा फाइनल में स्थानीय दावेदार पेत्रोस्यां हेगाइन को सर्वसम्मत फैसले में शिकस्त दी। एशियाई युवा चैंपियन निशा और आकांक्षा ने भी इसके बाद अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए स्वर्ण पदक जीते। निशा (52 किग्रा) ने ताजिकिस्तान की अब्दुलाओवा फरिनोज जबकि आकांक्षा (70 किग्रा) ने रूस की तेइमाजोवा एलिजावेता को 5-0 के समान अंतर से हराया। अंतिम दिन चुनौती पेश कर रही तीन अन्य भारतीय महिला मुक्केबाजों विनी (57 किग्रा), सृष्टि(63 किग्रा) और मेघा (80 किग्रा) को फाइनल में शिकस्त के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा। पुरुष वर्ग में साहिल (75 किग्रा) और हेमंत (80 किग्रा से अधिक) ने अपने फाइनल मुकाबलों में 0-5 के समान अंतर से शिकस्त के साथ रजत पदक जीते। जतिन (54 किग्रा) को भी कजाखस्तान के तुलेबेक नुरासिल के खिलाफ 1-4 से शिकस्त झेलनी पड़ी।

ईशान को बाहर करने पर भड़के अजय जडेजा

आस्ट्रेलिया के खिलाफ आखिरी दो टी-20 मैचों में जितेश शर्मा को मिला था मौका

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत की युवा टीम ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया को पांच मैचों की टी-20 सीरीज में 4-1 से हराया। इस जीत से जहां फैंस बेहद खुश हैं, वहीं पूर्व क्रिकेटर अजय जडेजा ने भारतीय क्रिकेट में खिलाड़ियों के चयन और टीम से बाहर करने की नीतियों की कड़ी आलोचना की। जडेजा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में तीन टी-20 मैचों के बाद ईशान किशन का नाम प्लेइंग-11 से गायब देखकर हैरान थे।

ईशान को बेंच पर बैठाने और आखिरी दो मैचों के लिए उनके नाम पर विचार नहीं करने पर अजय जडेजा बेहद नाराज दिखे। ईशान को आईसीसी विश्व कप में भी सिर्फ दो मैच खेलने का मौका मिला था। जडेजा ने कहा, भारतीय क्रिकेट में खारिज करना बेहद आसान है। चयन के बारे में ज्यादा कोई नहीं सोचता। यह दशकों से हो रहा है। हमने हाल ही में पांच मैचों की टी-20 सीरीज खेली है। ईशान किशन को सिर्फ तीन मैच मिले। मैं उस खिलाड़ी को पसंद करता हूं क्योंकि वह उन कुछ लोगों में से है जिन्होंने वनडे मैचों में भारत के लिए दोहरा शतक बनाया है। दरअसल, ईशान ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 सीरीज में तीन मैचों में 36.67 की औसत और 144.74 के स्ट्राइक रेट से 110 रन बनाए थे। इनमें दो अर्धशतक शामिल हैं। ईशान ने शुरुआती दो मैचों में अर्धशतक जड़े थे। हालांकि, तीसरे मैच में खराब बल्लेबाजी और खराब विकेटकीपिंग के बाद टीम मैनेजमेंट ने उन्हें प्लेइंग-11 से बाहर कर दिया था। उनकी जगह आखिरी दो मैचों में जितेश शर्मा खेले थे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए नेशनल क्रिकेट एकेडमी के डायरेक्टर वीवीएस लक्ष्मण को कोच की भूमिका दी गई थी।

जडेजा ने टीम मैनेजमेंट से पूछे सवाल

जडेजा ने कहा- क्या उन्हें थकान के कारण वापस भेज दिया गया था? क्या तीन मैच खेलने के बाद वाकई उन्हें इतनी थकान थी कि आराम दिया गया? भारतीय टीम मैनेजमेंट पिछले दो साल से उनका ट्रायल लेने में व्यस्त हैं। अगर आप उनकी परीक्षा लेते रहेंगे, तो वह खुद को कैसे टीम में बना सकेगा? पिछले दो साल से ईशान ने कितने मैच खेले हैं? टीम इंडिया की यह समस्या आज की नहीं है, यह काफी पुरानी है। हम खिलाड़ियों का सही से चयन नहीं करते पर निकाल बड़ी आसानी से देते हैं। ईशान किशन नंबर तीन पर बल्लेबाजी कर रहे थे। यशस्वी जायसवाल और रुतुराज गायकवाड़ को ओपनिंग की जिम्मेदारी दी गई थी। ईशान को बाहर कर टीम मैनेजमेंट ने तीसरे स्थान पर श्रेयस अय्यर को मौका दिया था। तीसरे टी-20 में किशन खाता भी नहीं खोल सके थे। किशन ने इससे पहले विशाखापत्तनम में 39 गेंदों पर 58 रन की प्रभावशाली पारी खेलकर सीरीज की शुरुआत की थी।

ओलंपिक पदक का सपना नहीं छोड़ा

दीपा करमाकर को पदक के साथ वापसी का विश्वास

एजेंसी। कोलकाता

दीपा करमाकर ने अपने करियर में समान रूप से गौरव और पीड़ा देखी है लेकिन इस स्टार भारतीय जिम्नास्ट ने सोमवार को कहा कि वह अभी पेरिस ओलंपिक में प्रतिस्पर्धा करने के अपने सपने को छोड़ने के लिए तैयार नही हैं और शायद पदक के साथ वापसी करेंगी।

रियो ओलंपिक 2016 में चौथे स्थान पर रहकर इतिहास रचने वाली दीपा ने तब से अधिक मुश्किल हालात का सामना किया है। दीपा को घुटने की दो एसीएल सर्जरी का सामना करना पड़ा जिसके लिए लिगामेंट प्रत्यारोपण अनिवार्य था और डोप परीक्षण में विफल होने के कारण उन पर 21 महीने का प्रतिबंध लगा लेकिन अब वह वापसी की राह पर हैं। दीपा ने टेक्नो ओलंपिया नाइट्स के समापन समारोह के दौरान कहा, मैं अब पूरी तरह से फिट हूं। मैंने (प्रोडुनोवा) वॉल्ट चोट की संभावना को जानने के बावजूद किया। उन्होंने कहा, लेकिन मैं अपना शत प्रतिशत दे रही हूं और अपने कोच के मार्गदर्शन में काफी कड़ी मेहनत कर रही हूं ताकि मैं इससे उबर सकूं और एक पदक जीत सकू, उसके बाद ही मैं जिम्नास्टिक से संन्यास लूंगी।

अक्टूबर में बेल्जियम में विश्व चैंपियनशिप से चूकने के बाद दीपा की पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए क्वालीफाई करने की राह कठिन है लेकिन वह सकारात्मक रहना चाहती हैं और अपने प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करना चाहती हैं। उन्होंने कहा, ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करना अब बहुत कठिन है। मैं प्रशिक्षण में अपना सर्वश्रेष्ठ दे रही हूं। पिछली बार सितंबर में हंगरी में विश्व चैलेंज कप में हिस्सा लेने वाली दीपा अब अगरतला में नंदी के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण ले रही हैं। हांगझोउ एशियाई खेलों की टीम से भी दीपा का नाम हटा दिया गया क्योंकि वह पात्रता मानदंडों को पूरा नहीं करती थीं लेकिन वह उस निराशा से भी आगे बढ़ चुकी हैं।